RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 02, अंक 06 मासिक पत्रिका
जून 2023

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

अमेरिका की धरती से प्रधानमंत्री ने भारत विरोधी ताकतों को दिया...

कड़ा संदेश

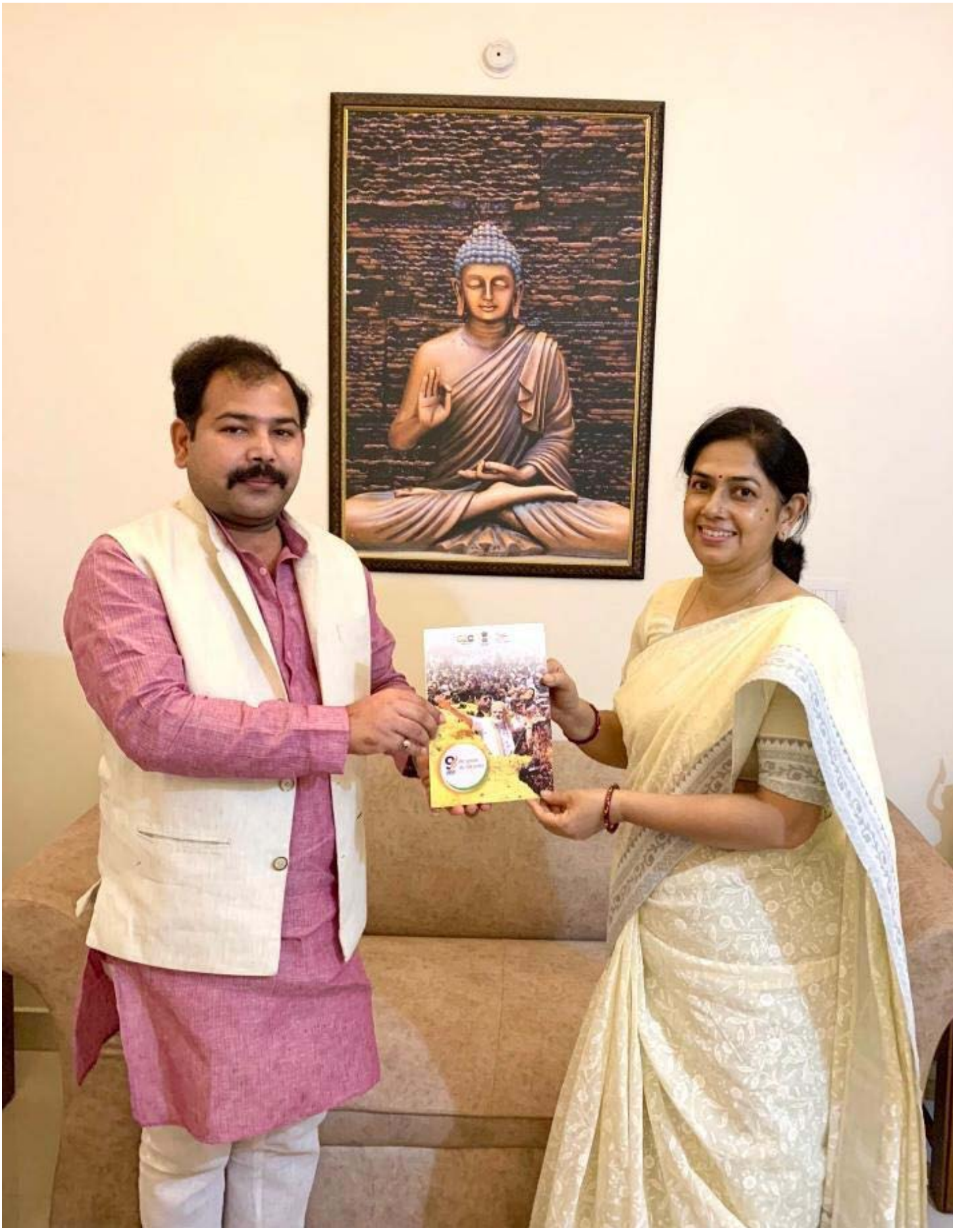

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की वरिष्ठ संरक्षक डॉक्टर श्रीमती शालिनी कौशिक दीदी से भारतीय हॉकी फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवेन्द्र सिंह तोमर 'रामू भैया' ने मुलाकात कर प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियो पर चर्चा की साथ ही देश के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा देश के विकास, देश की सुरक्षा आदि के लिए गए निर्णयों और कार्यो पर लिखित पुस्तिका भेंट की। भारतीय हॉकी फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री तोमर के साथ पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे।

हमारा देश
हमारा अभिमान
जून 2023

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री अभिनव पल्लव
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडो कमल किशोर (पूर्व सांसद)

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

कानूनी सलाहकार
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- एडवोकेट दीपेन्द्र पांडे

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार • रविकांत शर्मा

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)
छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे
मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- प्रदीप यादव

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर
मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन
मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील
- हरशूल

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	.....	02
शुभाशीष	.....	03
कवर स्टोरी	.....	04-05
देश-प्रदेश	.....	06-07
स्मरण	.....	07
महाराष्ट्र	.....	08
विदेश	.....	10
राजस्थान	.....	11
प्रदेश	.....	12
रिकॉर्ड	.....	13
देश	.....	14
प्रदेश	.....	15
इन्दौर	.....	18
विज्ञान	.....	19
राजस्थान	.....	20-21
राजस्थान	.....	22-23
इन्दौर	.....	24
भोपाल	.....	25
प्रदेश	.....	32-33
देश	.....	38-39
धर्म	.....	40
त्यौहार	.....	41
स्वास्थ्य	.....	42-43
मौसम	.....	44
जीवनशैली	.....	45
ग्लैमर	.....	46-47

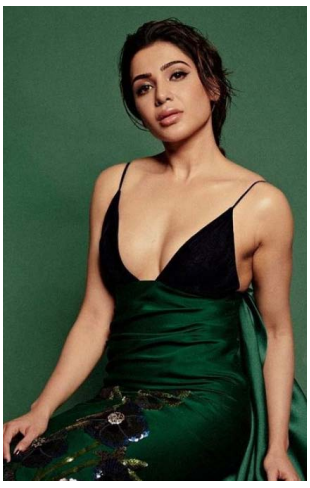

48

सामंथा रुथ ने खरीदा खूबसूरत बंगला

संपादकीय

योगीराज... माफियाओं के लिए कई बड़े अभियान चलाना सराहनीय

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मफियाओं के खिलाफ बड़े अभियान चलाये जा रहे हैं, उनके अवैध कब्ज़े से सरकारी तथा गैर सरकारी भूमि मुक्त हो रही है, इस मुक्त भूमि पर आवास बनाकर गरीबों को दिए जा रहे हैं, अपना घर मिलने पर इन गरीबों की आंखों में खुशीके आंसू हैं और होठों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए प्रशंसा और प्रार्थना। प्रयागराज के लूकरगंज में 1731 वर्गमीटर की नजूल की जमीन माफिया अतीक के कब्जे में थी जिसकी कीमत लगभग दस करोड़ रुपये थी, इस ज़मीन को 13 सितंबर 2020 को अतीक के अवैध कब्ज़े से मुक्त कराया गया था, वर्ष 2021 में 26 सितंबर को मुख्यमंत्री ने यहाँ गरीबों के आवासीय फ्लैट्स की आधारशिला रखी और मात्र 18 माह में यह आवासीय योजना पूरी हो गयी जिस पर 5.68 करोड़ रुपये खर्च हुए। आवासीय योजना 1731 वर्गमीटर में विकसित की गयी और जिसमें दो ब्लॉक बने। गरीबों को दिए गए यह फ्लैट दिये गये हैं सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं साथ ही इनको बनाने में वास्तु का भी ध्यान रखा। लाभार्थियों को आवास की चाभी देने के समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री ने एक बार फिर माफियाओं को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि पहले की सत्ता माफिया के साथ खड़ी रहती थी जबकि हम गरीबों के साथ खड़े है। योगी ने कहा कि 2017 से पहले गुंडे माफिया किसी की भी जमीन पर कब्जा कर लेते थे। अब ऐसा नहीं है। ये सुशासन की शुरुआत है। माफिया अतीक अहमद से मुक्त करायी गयी जमीन पर बने आवास प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरे पर जो प्रसन्नता थी वही प्रसन्नता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चेहरे पर भी थी। मुख्यमंत्री में जनसभा को संबोधित करते हुए ही सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किया कि प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरण माफिया से छुड़ाई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाएं।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

लोगों को सामाजिक समरसता व लोक आचरण का एक सारगर्भित पाठ...

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री निवास के दृश्य लगभग पूरे देश में चर्चा का केंद्र बने रहे। कैसे एक प्रदेश का मुखिया, सीधी में हुई एक घटना से पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने, उसका सम्मान पुनः लौटाने का हर संभव प्रयास करता है और प्रदेश के सभी जाति वर्ग के लोगों को सामाजिक समरसता व लोक आचरण का एक सारगर्भित पाठ पढ़ा जाता है। इससे पूर्व ही मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले ट्वीट कर अपने मन की पीड़ा व्यक्त की थी। शिवराज सिंह चौहान ने कहा था "कि जबसे मैंने सीधी की घटना का वीडियो देखा, अंतर्मन अत्यधिक व्याकुल और हृदय पीड़ा से भरा हुआ है। मैं तबसे ही दशमत जी से मिलकर उनका दुःख बांटना चाहता था और यह विश्वास भी दिलाना चाहता था कि उनको न्याय मिलेगा। उनसे और उनके परिवार से भोपाल में अपने निवास पर मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने के साथ परिवार को ढांढस बंधाऊंगा।" उनके इस कथन के बाद से ही मीडिया और सोशल मीडिया में अनेकों प्रकार के कयास लगाये जा रहे थे। पर जिस प्रकार से प्रदेश के मुखिया का एक मानवीय पक्ष समाज के सामने आया है, वह अकल्पनीय है। जो मुख्यमंत्री निवास के वीडियो सभी मीडिया व सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर दिख रहे हैं, उसमें वे खुद दशमत जी को लेकर आवास के अंदर आए। उन्हें कुर्सी पर बैठाकर खुद नीचे जा बैठे और उनके पैर धोए। इसके बाद सीएम ने शॉल ओढ़ाकर, तिलक लगाकर व भगवान गणेश की एक प्रतिमा भेंट में देकर उनका सम्मान भी किया। उन्होंने कहा, "कि मैं दशमत जी से माफी मांगता हूं। मेरे लिए जनता ही भगवान है।"

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

अमेरिका की धरती से प्रधानमंत्री ने भारत विरोधी ताकतों को दिया...

कड़ा संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभूतपूर्व और ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा पूर्ण हो चुकी है। इस यात्रा और यात्रा सम्बंधित समस्त कार्यक्रमों पर पूरे विश्व की दृष्टि थी। अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत का प्रत्येक क्षण भारतवासियों के लिए गर्व का क्षण था। यह यात्रा दोनों देशों के बीच मित्रता का एक नया स्वर्णिम अध्याय प्रारम्भ करने वाली रही है। इस यात्रा से जहाँ एक ओर भारत के शत्रु देशों चीन व पाकिस्तान को कड़ा सन्देश दिया गया है वहीं दूसरी ओर उन ताकतों को भी सन्देश दे दिया गया जो अल्पसंख्यकों के हितों, मानवाधिकार, अभिव्यक्ति की आजादी आदि विषयों को लेकर तथ्यहीन समाचार प्रसारित कर भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि बिगाड़ने का प्रयास करते रहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व करते हुए आरम्भ हुई। यहीं से अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय संस्कृति की लोकप्रियता का आभास होने लगा। न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम में मोदी जी के साथ योग करने के लिए वहां के लोगों का उत्साह अद्भुत था। योग कार्यक्रम में ॐ सहित संस्कृत श्लोकों का भी उद्घोष किया गया यह भारतीय संस्कृति व योग के लिए गौरवशाली पल थे। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों का प्रतिफल है कि आज योग पूरे विश्व में छा गया है और विश्व को एक सूत्र में बाँध रहा है।

अमेरिका यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका की कई महत्वपूर्ण हस्तियों से भेंट की, सबसे प्रमुख कार्यक्रम के रूप में अमेरिकी संसद को सम्बोधित किया तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता और उसके बाद आयोजित प्रेस वार्ता की। यात्रा के अंतिम चरण में उन्होंने रोनाल्ड रीगन सेंटर में अमेरिका में बसे भारतीयों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के सकारात्मक परिणाम अभी से ही सामने आने लगे हैं।

अपनी यात्रा के अंतिम पड़ाव में प्रधानमंत्री ने बताया कि अमेरिका ने भारत की उन 100 प्राचीन मूर्तियों व धरोहरों को वापस लौटाने का निर्णय लिया है जो विगत 70 वर्षों में किसी न किसी माध्यम से अमेरिका व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पहुंचा दी गयी थीं। इसके अतिरिक्त भारत और अमेरिका के मध्य रक्षा, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, विनिर्माण को बढ़ावा देने और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए हुए समझौतों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वैश्विक मुद्दों पर दोनों देशों के रुख में समानता है और उनके बढ़ते सम्बंध ''मेक इन इंडिया" और ''मेक फार द वर्ल्ड" से जुड़े प्रयासों को बढ़ावा देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि, भारत लोकतंत्र की जननी है तो अमेरिका आधुनिक लोकतंत्र का चैपियन" और विश्व इन दो महान लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होता देख रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय दोनों देशों के संबंध की वास्तविक क्षमता को साकार करने में बड़ी भूमिका निभाएगा। यह भारत में अधिक से अधिक निवेश करने का उपयुक्त समय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम साथ मिलकर न सिर्फ नीतियां और समझौते तैयार कर रहे हैं बल्कि हम जीव, सपनों और नियति को भी आकार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश बेहतर भविष्य के लिए ठोस कदम उठा रहे हैं।

अमेरिका में बसे भारतीयों को संबोधित करते हुए जब प्रधानमंत्री ने बताया कि अब एच-1 बी वीजा का नवीनीकरण अमेरिका में ही हो जाएगा तो वहां पर उपस्थित जनसमुदाय प्रसन्नता से झूमा और मोदी-मोदी के गगनभेदी के नारों से गूंज उठा। अमेरिका में रह रहे भारतीयों को अब अपने कार्य हेतु वीजा एच1 बी वीजा का नवीनीकरण कराने के लिए भारत नहीं आना पड़ेगा और वह अमेरिका में ही अपनी नौकरी जारी रखकर यह कार्य करवा सकेंगे। इस निर्णय से अमेरिका के इंजीनियरिंग व दूसरे उच्च प्रौद्योगिकी में काम करने वाले भारतीयों को सुविधा होगी। आगे चलकर यह सुविधा एल वीजा धारकों के लिए भी हो सकेगी।

भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में लड़ाकू विमान के इंजन बनाने का समझौता भी भारत के रक्षा क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इस निर्णय से आपसी विश्वास बढ़ेगा। ''भारत माता की जय" के गगनभेदी नारे के बीच उन्होंने कहा कि भारत की तरक्की के पीछे सबसे बड़ी वजह आत्मविश्वास है।

इसके अलावा, अमेरिकी संसद से नरेंद्र मोदी अपने नौ वर्ष के कार्यकाल में दो बार अमेरिकी संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। अमेरिकी संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद

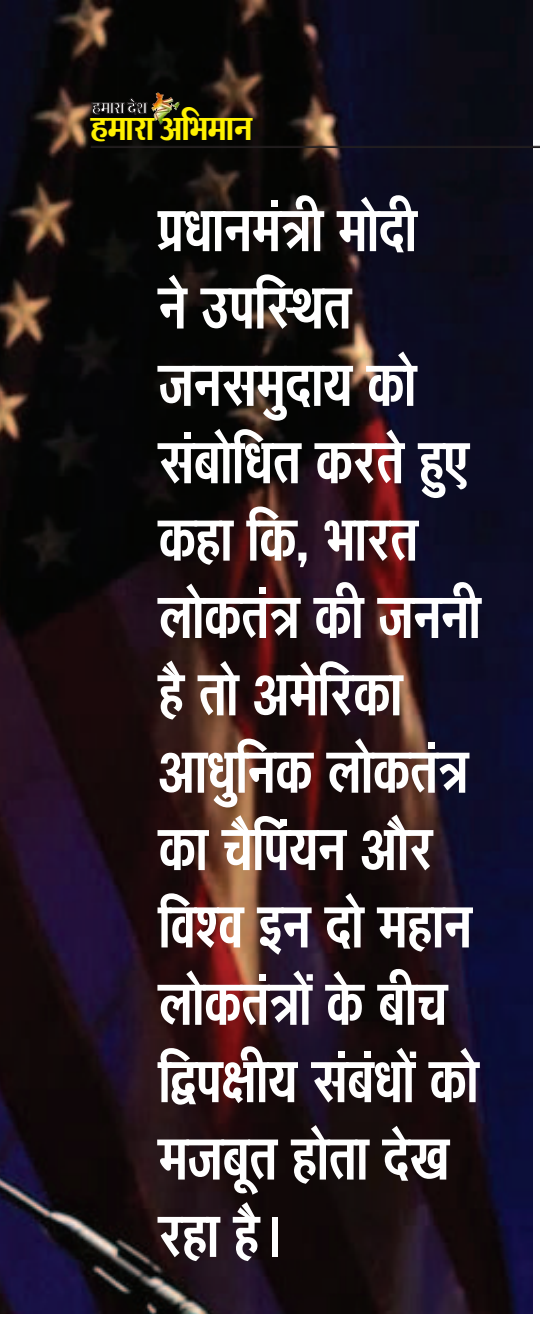

प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि, भारत लोकतंत्र की जननी है तो अमेरिका आधुनिक लोकतंत्र का चैंपियन और विश्व इन दो महान लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होता देख रहा है।

भारत और अमेरिका मिलकर दुनिया को बेहतर भविष्य देंगे :पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि दुनिया के दो बड़े लोकतांत्रिक देश होने के नाते भारत और अमेरिका की साझेदारी विश्व के हित में है और दोनों देश मिलकर दुनिया को बेहतर भविष्य और भविष्य को बेहतर दुनिया देंगे। श्री मोदी ने गुरूवार को अमेरिकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए इस महान सदन को दूसरी बार संबोधित करना गौरव की बात है।

हम सब मिलकर दुनिया को बेहतर भविष्य देंगे : उन्होंने कहा, ''अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करना हमेशा बड़ सम्मान की बात रही है और दो बार ऐसा करना उनके लिए बड़ सौभाग्य है।'' प्रधानमंत्री ने कहा,'' लोकतंत्र हमारे पवित्र और साझा मूल्यों में से एक है। लोकतंत्र वह भावना है जो समानता और सम्मान का समर्थन करती है। लोकतंत्र वह विचार है जो बहस और चर्चा का स्वागत करता है। लोकतंत्र वह संस्कृति है जो विचार और अभिव्यक्ति को पंख देती है। भारत को अनादि काल से ऐसे मूल्यों का सौभाग्य प्राप्त है। लोकतांत्रिक भावना के विकास में भारत लोकतंत्र की जननी है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका सबसे पुराना और भारत सबसे बड़ लोकतंत्र है। हमारी साझेदारी लोकतंत्र के भविष्य के लिए शुभ संकेत है। हम सब मिलकर दुनिया को बेहतर भविष्य देंगे और भविष्य को बेहतर दुनिया देंगे।

अमेरिका और भारत में अधिक विकास देखा गया : श्री मोदी ने कहा जब सात वर्ष पहले उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार अमेरिका का दौरा किया, तो भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ अर्थव्यवस्था था। आज भारत पांचवीं सबसे बड़ अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ अर्थव्यवस्था होगा। जब भारत बढ़ता है तो पूरी दुनिया बढ़ती है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका पुराने समय के संकोच और झिझक को पीछे छोड़कर दोस्ती की कसौटी पर खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा, '' सात साल पहले जब मैं यहां आया था तब से अमेरिका बहुत कुछ बदल गया है, लेकिन बहुत कुछ वैसा ही बना हुआ है - जैसे भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती को गहरा करने की हमारी प्रतिबद्धता। पिछले कुछ वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में अमेरिका और भारत में अधिक विकास देखा गया है।

मानवता का शत्रु है, इस संकट से निपटने के लिए कोई अगर-मगर नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री का यह संबोधन ऐतिहासिक रहा जिसको सुनने के लिए भारत ही नहीं विश्व भर के लोग जागते रहे। अपनी भाषण शैली से प्रधानमंत्री ने आतंक के पोषकों पर वार तो किया ही साथ ही जो लोग विदेशों में जाकर भारतीय लोकतंत्र की आलोचना करते हैं तथा भारत के अंदर सदन की कार्यवाही को ठप करने की साजिश रचते हैं उनको कड़ा उत्तर दे दिया। अमेरिकी संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू सांसदों के सिर चढ़ का बोल रहा था, वहां का हर सांसद मोदी से हाथ मिलाना चाह रहा था। भाषण के दौरान संसद में 79 बार तालियां बजीं और 15 बार लोगों ने खड़े होकर तालियाँ बजायीं। लगभग एक घंटे के उनके भाषण के पश्चात अमेरिकी सांसदों में मोदी के साथ सेल्फी और आटोग्राफ लेने के लिए होड़ लग गई। जिस तरह अमेरिकी सांसदों ने सेल्फी और आटोग्राफ लेने के लिए उन्हें घेर लिया था वह एक विलक्षण दृश्य था। इस भाषण के दौरान विश्व ने अनुभव किया कि भारत-अमेरिका के सम्बन्ध एक नई ऊंचाई की ओर बढ़ रहे हैं हैं।

उपहारों की राजनीति

प्रधानमंत्री बनने के साथ ही नरेंद्र मोदी ने वैश्विक नेताओं को भारत की सांस्कृतिक परंपरा के अनुकूल स्वदेशी उपहार भेंट करने की परम्परा चलाई और इसी कड़ी में इस बार भी उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन को विशेष उपहार भेंट किये। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रथम अमेरिकी दंपति को भगवान गणेश जी की मूर्ति, चांदी का दिया, विशेष रूप से बनाया गया दृष्टसहस्त्रचंद्र, गुड़ व नमक जैसे उत्पाद तथा जिल बाइडेन को एक विशिष्ट ''हरे रंग का हीरा" उपहार में दिया।

यात्रा से भारत को लाभ

राजनैतिक विश्लेषक व विदेशी मामलों के जानकार यह विश्लेषण कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से वास्तव में भारत को क्या मिला है। सभी का मानना है कि इस यात्रा से यह बात तो तय हो गयी है कि अब पूरी दुनिया भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रही है और उसके विचार सुन रही है। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के पश्चात वहां की कई बड़ी कपंनियों व उद्योगपतियों ने भारत में भारी निवेश करने की घोषणा की है। एमेजोन, गूगल, माइक्रोन, टेस्ला जैसी कंपनिया भारत में अपना निवेश बढ़ाने जा रही हैं। अमेरिका की सेमीकंडक्टर कंपनियों ने भारत में 3.15 अरब डालर के आरंभिक निवेश की घोषणा की है। ग्रीन एनर्जी से जुड़ी कंपनियों ने भी नए निवेश का प्रस्ताव किया है। अंतरिक्ष क्षेत्र में अमेरिकी एजेंसी नसा ने भारतीय यात्री को 2024 तक अंतरिक्ष में भेजने की घोषणा की है। अब भारत को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई के लिए अमेरिका सहित विश्व के अनेक देशों का समर्थन मजबूती से मिल सकता है यद्यपि आतंक के खिलाफ लड़ाई में चीन अभी भी एक बड़ी बाधा बन रहा है। दूसरी महत्वपूर्ण बात हुई है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत को स्थायी सीट का दावा एक बार फिर मजबूत हुआ है और अमेरिका ने उसका समर्थन भी किया है। अमेरिका में जो लोग समय-समय पर भारत विरोधी एजेंडा चलाते रहते हैं उनका स्वप्न चकनाचूर हो गया है। भारत के कुछ तथाकथित लिबरल मानसिकता वाले वामपंथी विचारधारा के लोग अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे थे लेकिन उन्हें वहां से भी निराशा ही हाथ लगी क्योंकि उन्होंने भारत में बनी कोविड वैक्सीन व पूरी दुनिया में उसके वितरण की प्रशंसा कर दी। स्पष्ट है कि आगामी समय में भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों में और अधिक स्थायित्व आ सकता है।

कांग्रेस के अंदर क्यों मचा है घमासान

संकट में कमलनाथ, कैसे बनेंगे सीएम का चेहरा?

एमपी कांग्रेस में सीएम पद को लेकर घमासान मचा हुआ है... कमलनाथ के चेहरे पर सहमति नहीं बन पा रही है... बीच-बीच में पार्टी के नेता इस पर बयान देते रहते हैं... इससे साफ होने लगता है कि सब कुछ ठीक नहीं है...

मध्यप्रदेश में इन दिनों चुनावी सुगबुगाहट तेज हो गई है। बीजेपी और कांग्रेस तिकड़मबाजी में जुट गई। लेकिन कांग्रेस में सबकुछ ठीकठाक नहीं चल रहा है। मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर नेताओं में एकराय नहीं दिख रही है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेसअध्यक्ष कमलनाथ पूरी तरह से खुद सीएम बनने के लिए आश्वस्त नजर आ रहे हैं। इस बीच, पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस में 'गांठ' दिखाई दे रही है। भले ही यह रार सार्वजनिक मंचों में नहीं दिख रही हो लेकिन जिसे मौका मिल रहा है तो बयानों का चौंका लगाने से कोई नहीं चूक रहा।

बयानबाजी कई दिनों से जारी है, लेकिन अब कांग्रेस में गुटबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह के बाद अब भिंड जिले के लहार से वरिष्ठ कांग्रेस विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह का बयान चर्चा में है। बीजेपी ने इसे मुद्दा बना लिया है।

नया साल, नई सरकार

दिसंबर 2022 का महीना था। नया साल 2023 आमद देने जा रहा था। इसी दौरान कुछ नेताओं ने कांग्रेस कार्यालय के आसपास होर्डिंग्स और बैनर लगवाने शुरू कर दिए। इन बैनर में कमलनाथ की आदमकद फोटो के साथ लिखा था कि 'नया साल नई सरकार'। 'छंटेगा अब अंधेरा आ रही है कमलनाथ सरकार' तो किसी में लिखा कि 'कल को देने सुनहरा आकार, आ रही है कमलनाथ सरकार'। यहीं से साल 2023 के चुनाव में पहली बार कमलनाथ को मुख्यमंत्री पद का दावेदार बताया गया था। जनवरी महीने यह पोस्टर पूरे प्रदेश में लगे रहे। समय बीतते गया, अलग-अलग कार्यक्रमों में कमलनाथ को भावी तो कहीं अवश्यांभावी मुख्यमंत्री बताया जाने लगा।

पूर्व अध्यक्ष ने उठाए सवाल

जनवरी में कमलनाथ अवश्यांभवी मुख्यमंत्री बताए जा रहे थे। वहीं, फरवरी में उनके खिलाफ बोलने की हिम्मत एक नेता ने की। उनका नाम अरुण यादव है। यादव ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा है कि सत्ता में आने के बाद तय होगा कि एमपी में सीएम कौन होगा। तब अरुण ने कहा था कि कमलनाथ अभी प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। उन्होंने कहा था कि दिल्ली को

तय करने दीजिए न। वेट कीजिए। चुनाव होगा, नतीजे आएंगे। इसके बाद विधायक दल की बैठक होगी। यह पूरा प्रोसेस है। इसके बाद कांग्रेस का एक धड़ा अरुण यादव को भला-बुरा कहने लगा था। आपको बता दें कि अरुण यादव से ही अध्यक्ष पद छीनकर कमलनाथ को दिया गया था।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष भी साफ बोले

अरुण यादव का बयान आने के बाद पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया भी कमलनाथ के चेहरे पर सवाल उठाए थे। अरुण यादव के बयान का समर्थन करते हुए अजय सिंह ने कहा था कि कांग्रेस में सत्ता में आने के बाद तय होता है कि सीएम कौन होगा। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में परंपरा रही है कि केंद्रीय नेतृत्व और विधायक दल ही सीएम चुनता है। और कोई व्यक्ति अपने आप को सीएम बताता भी नहीं है।

कमलनाथ ने दी थी सफाई

अरुण यादव और अजय सिंह का बयान 3 फरवरी 2023 को मीडिया में चर्चा में रहा। इसके बाद कमलनाथ ने मीडिया में सफाई भी दी थी। मध्य प्रदेश में सीएम के चेहरे को लेकर किये गए सवाल के जवाब में कमलनाथ ने कहा था कि मैं किसी पद का आकांक्षी नहीं हूं, जीवन में सबकुछ पा लिया हूं। अब मेरा लक्ष्य सिर्फ मध्यप्रदेश का भविष्य सुरक्षित करना है।

खुद को दिलाई शपथ

सीएम के चेहरे को लेकर भले पार्टी में मनमुटाव चल रहा था, इस बीच 22 फरवरी को कमल नाथ की उपस्थिति में छिंदवाड़ा में अजब-गजब शपथ का आयोजन हुआ था। छिंदवाड़ा विधायक कमलनाथ और उनके बेटे छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ की उपस्थिति में एक शपथ आयोजित हुई थी। इस कार्यक्रम में हजारों कार्यकर्ताओं को हाथ खड़े कर कमलनाथ को मुख्यमंत्री और नकुल नाथ को सांसद बनाने के लिए शपथ ली थी।

सोशल मीडिया में नाथ ही सीएम

मध्यप्रदेश कांग्रेस के सोशल मीडिया के सभी कवर पेज में उन्हें सीएम का भावी चेहरा बताया जा रहा है। 'थामेंगे हाथ, अब कमलनाथ', 'कमलनाथ के साथ, पांच बड़ी सौग़ात' के नारों के साथ कमलनाथ को ही मुख्यमंत्री का भावी दावेदार बताया जा रहा है। ऐसे में कमलनाथ के विरोधी नेता दबी जुबान से यह कहते दिख रहे हैं कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष खुद कमलनाथ हैं। ऐसे में वे जैसा चाहें करवा सकते हैं।

नेता प्रतिपक्ष के बयान से गुबार

दिल्ली की ही बैठक से लौटे नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा था कि चुनाव के पहले चेहरा घोषित करना अच्छी परंपरा नहीं है। अब हाल ही में नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दो, वो चुनाव हार जाएगा तो सीएम का फेस कैसे बनेगा? इसके बाद बीजेपी सीधे हमलावर हो गई, बीजेपी का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष को कमलनाथ का चुनाव हारने का डर सता रहा है। हालांकि बाद में सिंह ने वीडियो जारी करके सफाई दी है कि मीडिया ने मेरा बयान तोड़ मरोड़कर पेश किया है। वीडियो में वे एक बार फिर कमलनाथ के चेहरे को नकारते हुए कहते दिख रहे हैं। कमलनाथ के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, वे हमारे पार्टी के नेता हैं, लेकिन मुख्यमंत्री विधायक दल की बैठक के बाद तय होता है, विवाद की स्थिति में मतदान भी होता है।

क्या सताया है हार का डर

पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम देखें तो कमलनाथ के लिए चुनौती भरा रहा है। बीजेपी इस चुनाव को ध्रुवीकरण ही हवा देने की फिराक में है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को छिंदवाड़ा का जिम्मा दे दिया गया है। ऐसे में कमलनाथ छिंदवाड़ा पर ज्यादा फोकस किए हुए हैं। खुद की और बेटे नकुल के लिए शपथ दिलाने के बाद अब पिछले दिनों सौंसर में ग्रामीण कांग्रेस कमेटी की बैठक में तो कमलनाथ ने यह तक कह दिया कि क्षेत्रीय अध्यक्ष और समन्वयक को बैज दिया जाएगा। कांग्रेस सरकार में यह बैज मंत्रालय के लिए गेट पास होगा। बैज की सहायता से अपने पांच लोग मंत्रालय में की एंट्री होगी।

राहुल ने नहीं किया ऐलान

मध्यप्रदेश के चुनाव को लेकर 29 मई को नई दिल्ली में कांग्रेस हाई कमान की बैठक हुई थी। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में हुई इस बैठक में कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, डॉ. गोविंद सिंह, अरुण यादव, अजय सिंह आदि नेता शामिल हुए थे। बैठक में राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं को गुटबाजी से दूर रहने की हिदायत दी थी। बैठक के बाद भले ही राहुल ने प्रदेश में 150 सीटों के साथ जीत का दावा किया था लेकिन मुख्यमंत्री के चेहरे संबंधी सवाल को टाल दिया था। इस बैठक के बाद से कमलनाथ के धुर विरोधी नेताओं के बयान एक बार फिर आना शुरू हो गए हैं।

दिग्विजय सिंह का मिला साथ

दिल्ली की बैठक से लौटकर आए दिग्विजय सिंह से जब मीडिया ने कांग्रेस के सीएम फेस पर सवाल किया तो उन्होंने भी कमलनाथ पर स्वीकृति दी थी। उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्य प्रदेश में जनभावनाएं कमलनाथ के साथ दिखाई दे रही है। आपको बता दें कि साल 2018 के विधानसभा चुनाव के समय भी दिग्विजय सिंह ने कमलनाथ का खुलकर सहयोग किया था।

चुनाव अभियान का शंखनाद करेंगी प्रियंका, 5 गारंटी का करेंगी ऐलान

प्रियंका गांधी अपने इस दौरे के दौरान कांग्रेस की पांच गारंटी का ऐलान कर सकती हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की ओर से पांच गारंटी देने की बाद की जा रही है। कर्नाटक चुनाव में भी पांच गारंटी के दम पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी।

मध्य प्रदेश में इस साल के आखिर में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अपनी तैयारियों में जुट गई है। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी 12 जून को जबलपुर दौरे पर जाएंगी। इस दौरान वह पार्टी के लिए चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगी। साथ ही साथ प्रियंका गांधी पार्टी की पांच गारंटी का भी ऐलान कर सकती हैं। फिलहाल मध्यप्रदेश में प्रियंका के दौरे को लेकर राजनीति गर्म होती दिखाई दे रही है। वहीं, कांग्रेस प्रियंका के दौरे को लेकर तैयारियों में जुटी हुई है।

पांच गारंटी का करेंगी ऐलान

प्रियंका गांधी अपने इस दौरे के दौरान कांग्रेस की पांच गारंटी का ऐलान कर सकती हैं। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की ओर से पांच गारंटी देने की बाद की जा रही है। कर्नाटक चुनाव में भी पांच गारंटी के दम पर कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। कर्नाटक चुनाव में मिली इस जीत के बाद कांग्रेस आगामी चुनाव में भी 5 गारंटी को जारी करने के बात कह रही है।

महाकौशल क्षेत्र पर नजर

प्रियंका गांधी महाकौशल क्षेत्र से विधानसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगी। यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का वर्चस्व माना जाता है। वहीं, अपने दौरे के दौरान कई बड़ी घोषणाएं भी कर सकती हैं। साथ ही साथ वहां महिलाओं को लेकर की नई गारंटी की घोषणा कर सकती है। सूत्रों ने बताया है कि प्रियंका गांधी नारी सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 1500 रुपये मासिक भत्ता देने की गारंटी दे सकती हैं। खबर यह भी है कि प्रियंका गांधी नर्मदा पूजा के बाद वचन पत्र जारी करेंगी। इसके अलावा युवाओं को लेकर रोजगार का भी ऐलान कर सकती हैं।

बिगड़ते पर्यावरण को बचाने की चुनौती...

वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 5 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया था।

पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं। प्रदूषित वातावरण का खामियाजा केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि धरती पर विद्यमान प्रत्येक प्राणी को भुगतना पड़ता है। बड़े पैमाने पर प्रकृति से खिलवाड़ के ही कारण दुनिया के विशालकाय जंगल हर साल सुलगने लगे हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को खरबों रुपये का नुकसान होने के अलावा दुर्लभ जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां भी भीषण आग में जलकर राख हो जाती हैं। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान दुनियाभर में पर्यावरण की स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसने बता दिया था कि अगर हम चाहें तो पर्यावरण की स्थिति में काफी हद तक सुधार किया जा सकता है लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर अपेक्षित कदम नहीं उठाए जाते। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में निरन्तर हो रही बढ़ोतरी और मौसम का लगातार बिगड़ता मिजाज गहन चिंता का विषय बना है।

जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। अपनी पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया है कि धरती में रह-रहकर जो उथल-पुथल की प्राकृतिक घटनाएं घट रही हैं, उनके पीछे छिपे संकेतों और प्रकृति की मूक भाषा को समझना कितना जरूरी है। आधुनिकरण और औद्योगिकीकरण की दौड़ में हमने हर पल प्रकृति की नैतिक सीमाओं का उल्लंघन किया है और ये सब प्रकृति के साथ इंसान की ज्यादतियों का ही नतीजा हैं, जिसके भयावह परिणाम हमारे सामने हैं।

मानवीय क्रियाकलापों के कारण ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है कि हमें सांस के जरिये असाध्य बीमारियों की सौगात मिल रही है। सीवरेज की गंदगी स्वच्छ जल स्रोतों में छोड़ने की बात हो या औद्योगिक इकाईयों का अम्लीय कचरा नदियों में बहाने की अथवा सड़कों पर रेंगती वाहनों की लंबी-लंबी कतारों से वायुमंडल में घुलते जहर की या फिर सख्त अदालती निर्देशों के बावजूद खेतों में जलती पराली से हवा में घुलते हजारों-लाखों टन धुएं की, हमारी आंखें तब तक नहीं खुलती, जब तक प्रकृति का बड़ा कहर हम पर नहीं टूट पड़ता। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील कर दिया गया है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है।

प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें निरन्तर चेतावनियां देती रही है कि यदि हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है लेकिन हम हर बार प्रकृति का प्रचण्ड रूप देखने के बावजूद प्रकृति की इन चेतावनियों को नजरअंदाज कर खुद अपने विनाश को आमंत्रित कर रहे हैं। यदि दुनियाभर में पर्यावरण प्रदूषण की विकराल होती वैश्विक समस्या को देखें तो स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे शायद हम कुछ करना ही नहीं चाहते। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक' में बताया गया है कि पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के कारण दुनियाभर में लोग तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है। लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है। प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं?

नए संसद भवन का उद्घाटन किया, सर्वधर्म प्रार्थना हुई

नए संसद भवन में एक भव्य संविधान हॉल बनाया गया है, जिसमें भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही नए संसद भवन में सांसदों के लिए लाउंज, विभिन्न कमेटियों के लिए कमरे, डाइनिंग एरिया और पर्याप्त पार्किंग की जगह की व्यवस्था की गई है। नए संसद भवन का निर्माण क्षेत्रफल 64,500 वर्ग मीटर है। इसके तीन गेट हैं, जिन्हें ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार के नाम से जाना जाएगा। वीआई, सांसदों और विजिटर्स के प्रवेश की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। अलग-अलग धर्म के धर्मगुरुओं ने प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद भवन के निर्माण में काम करने वाले श्रमिकों को सम्मानित किया।

पीएम मोदी ने सेंगोल के साथ संसद के नए भवन में प्रवेश किया। अधीनम मठ के पुजारियों ने संसद के नए भवन में पीएम मोदी को सेंगोल सौंपा। इसके बाद पीएम मोदी ने इसे लोकसभा में स्थापित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज देश के लिए गौरव का विषय है कि विश्व के सबसे पुरानी और सबसे बड़ी लोकशाही के जनप्रतिनिधियों के लिए आजादी के बाद देश में स्वयं निर्मित संसद लोकार्पित हो रही है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल बोले आज का दिन देशवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन है क्योंकि आज के दिन पीएम मोदी देश को नया संसद भवन सौंपने जा रहे हैं...यह संसद भवन 142 करोड़ भारतीयों के लिए स्वाभिमान का प्रतीक है।

समृद्ध समुदाय वास्तव में दोनों देशों के लिए संपत्ति है : नीरा टंडन

भारतीय अमेरिकी समुदाय अमेरिकी आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं और कहा जाता है कि इस समुदाय की अमेरिका में विभिन्न जातीय समूहों के बीच प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की शीर्ष भारतीय-अमेरिकी सहयोगी नीरा टंडन ने कहा कि व्हाइट हाउस अगले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आधिकारिक राजकीय यात्रा की तैयारी में जुटा है और ''अविश्वसनीय रूप से समृद्ध'' समुदाय वास्तव में भारत और अमेरिका दोनों के लिए एक संपत्ति है। भारतीय अमेरिकी समुदाय अमेरिकी आबादी का लगभग एक प्रतिशत हैं और कहा जाता है कि इस समुदाय की अमेरिका में विभिन्न

जातीय समूहों के बीच प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है। भारतीय समुदाय ने वर्षों से भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इस तथ्य को राष्ट्रपति बाइडन सहित शीर्ष स्तर पर स्वीकार किया

इमरान का खेल खत्म हो गया है -मरियम

मरियम ने पंजाब प्रांत में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने इस दौरान नौ मई को हुई घटनाओं पर भी बात की जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख खान को गिरफ्तार किया गया था जिससे देशभर में हिंसक प्रदर्शन हुए थे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से कहा कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के इस्तीफा देने के बाद उनका ''खेल खत्म हो गया है।''

रामायण मनोरंजन के लिए नहीं है : दीपिका

छत्तीस साल पहले रामानंद सागर के 'रामायण' धारावाहिक में देवी सीता की भूमिका निभाकर प्रसिद्ध हुईं अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने कहा है कि रामायण मनोरंजन के लिए नहीं है तथा हर कुछ वर्षों के बाद फिल्मकारों को फिर उन्हीं चीजों को लेकर आने से बचना चाहिए। ओम राउत निर्देशित फिल्म 'आदिपुरुष' को लेकर उठे विवाद के बीच उन्होंने कहा कि इस हिंदू महाकाव्य से किसी भी तरह के विचलन को आलोचना का सामना करना पड़ेगा। इस फिल्म में राम की भूमिका अभिनेता प्रभास ने और कृति सैनॉन ने सीता की भूमिका निभाई है। चिखलिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हर बार जब यह पर्दे पर आता है, चाहे वह टीवी हो या फिल्म, तो उसमें कुछ न कुछ ऐसा होता है, जो लोगों को आहत करता है,।

क्योंकि हमने जो रामायण बनायी थी, आप वैसा नहीं बनाने जा रहे हैं।''आदिपुरुष' की कुछ संवादों, कुछ किरदारों के चित्रण आदि को लेकर आलोचना हो रही है। चिखलिया ने सीता के किरदार

में अपना पुराना एक वीडियो साझा किया। वह 80 के दशक के उत्तरार्ध में इस किरदार से घर-घर में लोकप्रिय हो गयी थीं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम एकाउंट पर यह क्लिप डालते हुए लिखा, '' यह पोस्ट लोगों की मांग पर है। मैंने इस किरदार को निभाने पर सदैव जो प्यार पाया, उसके लिए मैं आभारी हूं। ... सीताजी... के तौर मैं इससे ज्यादा और कुछ नहीं मांग सकती थी।''

उनके अनुसार हर फिल्मकार का अपना दृष्टिकोण होता है और वह कुछ अलग बनाना चाहता है। उन्होंने कहा, '' (लेकिन) जो बात मुझे पीड़ा पहुंचाती है, वह है कि क्यों हम हर साल-दो साल पर रामायण बनाने की कोशिश कर रहे हैं। रामायण कोई मनोरंजन के ल लिये नहीं है, यह कुछ ऐसा है जिससे आप सीखते हैं। यह ऐसी पुस्तक है जो पीढी-दर-पीढ़ी हमारे पास आयी है और यही हमारे संस्कार हैं। '' चिखलिया ने अब तक 'आदिपुरुष'नहीं देखी है और नकारात्मक चर्चा के कारण ऐसी संभावना भी नहीं लगती है कि वह यह फिल्म देखेंगी।

1971 में मोदी PM रहे होते तो पाक और चीन से भूमि मुक्त करा लेते

कैसरगंज से भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को कहा कि अगर 1971 में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री रहे होते तो पाकिस्तान द्वारा 1947 में और चीन द्वारा 1962 में हड़पी गई जमीन को मुक्त करा लिया होता। जिले के बालपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह अपना 23 मिनट का भाषण उर्दू शायरी से शुरू कर रामचरितमानस की चौपाई से उसका अंत किया। भाजपा नेता ने कहा, ''1947 में जब कांग्रेस सत्ता में थी, देश का बंटवारा हुआ जिसका घाव अभी तक भरा नहीं है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, पाकिस्तान द्वारा आक्रमण कर 78,000 वर्ग किलोमीटर जमीन हड़प ली गई।

1962 में जब कांग्रेस सत्ता में थी, चीन ने हम पर हमला किया और 33,000 वर्ग किलोमीटर जमीन हड़प ली।'' उन्होंने कहा, ''1971 में एक अप्रत्याशित घटना में 92,000 पाकिस्तानी सैनिकों को भारतीय सेना द्वारा युद्ध बंदी बना लिया गया, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पुराना हिसाब निपटाए बगैर उन्हें छोड़ दिया। यदि मोदी जैसा प्रधानमंत्री होता तो कब्जा की गई जमीन मुक्त करा ली गई होती।'' भाजपा नेता सिंह ने 1975 में देश में आपातकाल लागू करने का कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, ''कांग्रेस ने 1984 में सिख विरोधी दंगों में सिखों का नरसंहार कराया।'' अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''शुरुआत में हम यह मांग उठाया करते थे कि जहां बलिदान (श्यामा प्रसाद) मुखर्जी हुए, वह कश्मीर हमारा है।

हम आज भी गर्व से यह दोहराते हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की वजह से संभव हुआ है।'' हालांकि, भारतीय कुश्ती संघ के प्रमुख ने अपने 23 मिनट के भाषण में पहलवानों का कहीं जिक्र नहीं किया। उल्लेखनीय है कि दो जून को अयोध्या के जिला प्रशासन ने यौन शोषण मामले में आरोपी बृजभूषण शरण सिंह को पांच जून को रैली का आयोजन करने की अनुमति देने से मना कर दिया था। हालांकि सिंह ने कहा था कि उनके खिलाफ पहलवानों के आरोपों की चल रही जांच की वजह से राम कथा पार्क में होने वाली जन चेतना महारैली कुछ दिनों के लिए टाल दी गई है।

फेसबुक पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा था, ''मेरे प्यारे शुभचिंतकों, आपके सहयोग से मैंने लोकसभा सदस्य के तौर पर पिछले 28 वर्षों से सेवा की है।

श्रावण मास में खुल जाएंगी उज्जैन में श्री महाकाल महालोक की दुकानें

श्री महाकाल महालोक में उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी द्वारा बनाई दुकानें श्रावण मास में खुल जाएंगी। पहले नगर निगम को प्राप्त 18 दुकानें फिर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति को प्राप्त 60 दुकानें खुलेंगी। निवेशकों को तीन जुलाई से पहले दुकान आवंटित करने को फाइल संभागायुक्त कार्यालय पहुंचा दी गई। फाइल का अनुमोदन होते ही आवंटन की प्रक्रिया की जाएगी। निगम अपनी दुकाने उन विस्थापित 18 लोगों को देगा, जिनकी दुकान महाकाल मंदिर परिसर विस्तार के लिए डेढ़ वर्ष पहले तोड़ी गई थी। जबकि स्मार्ट सिटी कंपनी अपनी दुकानें उन निवेशकों को देगा, जिन्होंने 30 वर्ष के लिए दुकान लीज पर लेने को 'पगड़ी' स्वरूप सर्वाधिक प्रस्थापना मूल्य चुकाने का प्रस्ताव निविदा में दिया है। मालूम हो कि 10 दिन पहले इंदौर हाईकोर्ट

ने दुकानों की नीलामी प्रक्रिया पर लगी रोक हटा दी थी। इसी के साथ दुकान आवंटन का रास्ता खुल गया था। एक दिन पहले महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की बैठक में दुकान आवंटन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का प्रस्ताव भी पास कर दिया गया था। निगम आयुक्त और उज्जैन स्मार्ट सिटी कंपनी के कार्यकारी निदेशक रोशन कुमार सिंह ने 'नईदुनिया' से कहा है कि निगम की दुकानों आवंटन इस सप्ताह कर दिया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति की दुकानों का आवंटन भी जल्द होगा। इसके लिए संभागायुक्त कार्यालय फाइल पहुंचा दी गई है। निविदा प्रक्रिया में जिन निवेशकों ने दुकान, रेस्त्रा खोलने को सर्वाधिक कीमत चुकाने का प्रस्ताव दिया है, उन्हें नियमानुसार दुकान आवंटित की जाएगी। संबंधितों से 25 प्रतिशत राशि जमाकर शेष 75 प्रतिशत राशि अगले 120 दिनों में प्राप्त की जाएगी।

फौरन आराम देने वाली 14 दवाओं पर सरकार ने लगाया प्रतिबंध...

एक्सपर्ट कमेटी का कहना है कि इन दवाइयों का असल में कोई डॉक्टरी औचित्य नहीं है। फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन के कारण आदमी को नुकसान भी हो सकता है। जनहित को देखते हुए हमें इन दवाइयों के निर्माण, बिक्री और सप्लाई पर रोक लगाना पड़ा।

भारत सरकार ने 14 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर रोक लगा दी है। ये दवाएं अब बाजार में नहीं मिलेंगी। इनमें कई दवाएं ऐसी हैं, जो फटाफट आराम तो देती हैं, लेकिन इनसे लोगों को नुकसान भी होता है। केंद्र सरकार ने विशेषज्ञ समिति की सलाह पर यह कदम उठाया है। इन दवाओं में दो या दो से अधिक दवाओं के मिश्रण होते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस आशय की अधिसूचना जारी की है। प्रतिबंधित दवाओं में सामान्य संक्रमण जैसे सर्दी खांसी, कफ, बुखार को ठीक करने वाली निमेसुलाइड और पैरासिटामोल टैबलेट के अलावा क्लोफेनिरामाइन मेलेट और कोडाइन सिरप का कांबिनेशन, फोल्कोडाइन और प्रोमेथाजाइन, एमोक्सोलिन और ब्रोहेक्साइन हैं। इनके अलावा ब्रोहेक्साइन और डेक्सट्रोमेथोरफैन और अमोनियम क्लोराइड और मेंथोल, पैरासिटामोल और ब्रोहेक्साइन और फेनाइलेफराइन और क्लोरफेनिरामाइन और गुइफेंसिन और सैलबुटामोल और ब्रोहेक्साइन के कॉम्बिनेशन वाली दवा शामिल हैं।

इन दवाइयों पर लगाया प्रतिबंध

- निमेसुलाइड + पेरासिटामोल गोलियां
- क्लोफेनिरामाइन मैलेट + कोडीन सिरप
- फोल्कोडाइन + प्रोमेथाजीन
- एमोक्सिसिलिन + ब्रोमहेक्सिन
- ब्रोमहेक्सिन + डेक्स्ट्रोमेथोर्फन + अमोनियम क्लोराइड + मेन्थॉल
- पेरासिटामोल + जैसे संयोजन ब्रोमहेक्सिन+ फिनाइलफ्राइन + क्लोरफेनिरामाइन + गुआइफेनेसिन और सालबुटामोल + ब्रोमहेक्सिन

इन दवाओं से हो सकता है खतरा

विशेषज्ञ समिति का कहना है कि इन मिश्रण वाली दवाओं का कोई उपचारात्मक औचित्य नहीं है और इनसे खतरा हो सकता है इसीलिए व्यापक जनहित में इनके निर्माण, वितरण और बिक्री पर ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक अधिनियम-1940 की धारा 26 के तहत प्रतिबंध लगाना जरूरी है। कॉम्बिनेशन देखकर खरीदें दवा....ऐसी हर दवा के ऊपर उसका फार्मेशन यानि जेनेरिक नाम लिखा होता है। इसमें साफतौर पर बताया जाता है कि इन दवाओं के सॉल्ट का मिश्रण क्या है। ऐसे में दवा खरीदते समय इसके ऊपर इसके लिखे कॉम्बिनेशन को जरूर देख लेना चाहिए।

क्या होती हैं एफडीसी दवाएं

फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) ऐसी दवा होती है, जो दो या दो से अधिक दवाओं के संयोजन से तैयार होती है। इन्हें 'कॉकटेल' दवाएं भी कहा जाता है। एफडीसी दवा को लेकर अक्सर बहस भी होती रही है कि ऐसे कॉम्बिनेशन बनाए जाने चाहिए या नहीं। अमेरिका और कई यूरोपीय देशों में

राजस्थान किसान महोत्सव का समापन

किसानों और पशुपालकों का कल्याण राज्य की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने खेती और किसान को प्राथमिकता देते हुए नीतियां और कार्यक्रम बनाए हैं। कृषकों और पशुपालकों को समृद्ध और खुशहाल बनाना राज्य सरकार का ध्येय है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए 12 कृषि मिशन शुरू किए गए हैं और प्रत्येक बिन्दु पर योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है।

श्री गहलोत रविवार को तीन दिवसीय राजस्थान किसान महोत्सव के समापन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की तरक्की से ही प्रदेश की तरक्की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की ऋण माफी का वादा पूरा किया। 21 लाख किसानों का 15 हजार करोड़ रुपये का कर्जमाफ किया गया। श्री गहलोत ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा दिए गए कर्ज की माफी के लिए भी केंद्र सरकार को पत्र लिखा, मगर इस दिशा में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। किसानों के लिए देश में पहली बार पृथक कृषि बजट पेश किया गया। कृषि का बजट 2018-19 की तुलना में लगभग दोगुना कर दिया गया है। श्री गहलोत ने कहा कि

राज्य सरकार द्वारा किसानों को 90 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध करवाने तथा 2000 यूनिट तक निःशुल्क बिजली देने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा 2 करोड़ रूपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। युवा उद्यमियों के लिए एमएसएमई एक्ट लाया गया है। इसमें उद्योग लगाने के लिए सरकार द्वारा दी जाने वाली जरूरी अनुमतियों में 5 वर्ष की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में 60 कृषि महाविद्यालय हैं जिनमें से 42 महाविद्यालय पिछले साढ़े चार साल में खोले गए हैं। श्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने लम्पी रोग से पीड़ित 40 हजार से अधिक पशुपालकों को 175 करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता दी। ऐसा फैसला करने वाला राजस्थान देश का इकलौता राज्य है। उन्होंने कहा कि दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रूपए का बीमा किया जा रहा है, दुग्ध उत्पादकों को दूध पर 5 रूपए प्रति लीटर अनुदान दिया जा रहा है। अब राजस्थान दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर आ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि राज्य का ब्रांड सरस भी अमूल की तर्ज पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए।

आरएसएस-भाजपा को कोसने से बाज आएं मुख्यमंत्री गेहलोत- पूर्व सीएम वसुंधरा

पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने बीजेपी और आरएसएस पर दंगे भड़काने के सीएम गहलोत के आरोपों पर करारा पलटवार करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री आरएसएस और भाजपा को कोसने से बाज आएं। प्रदेश में दंगे आरएसएस और भाजपा नहीं अशोक गहलोत की तुष्टिकरण नीति करवाती है।

पूर्व सीएम और बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया ने कहा-जितनी भी साम्प्रदायिक घटनायें हुई हैं, उनके पीछे कांग्रेस की वोटों की राजनीति है। पर्दे के पीछे रह कर आग लगाने का काम कांग्रेस का है। संघ और भाजपा तो कांग्रेस की लगाई हुई आग को बुझाते हैं। आये दिन संघ के ख़िलाफ़ एक ही राग अलापने वाले गहलोत शायद भूल गये कि देश की आजादी के समय जब पाकिस्तानी सेना ने कश्मीर सीमा लांघने की कोशिश की,तो सैनिकों के साथ संघ के स्वयंसेवकों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए प्राण दिए थे।

वसुंधरा राजे ने कहा कि मुख्यमंत्री बार-बार हिंदुत्व को ललकारने की गलती नहीं करें।क्योंकि हिंदुत्व कोई एजेंडा नहीं,36 की 36 कोमों और सब धर्मों का आदर

करने वाली संस्कृति है।जिसके प्रवाह को न वो रोक सकते न उनकी कांग्रेस।उन्होंने कहा कि जिस संघ को लेकर उनकी नींद उड़ी हुई है,उसके स्वयं सेवक 1962 के युद्ध में सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे।फलस्वरूप पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1963 की गणतंत्र दिवस परेड में संघ को शामिल किया था।सीएम को पता होना चाहिए कश्मीर विलय के समय जब पाकिस्तानी सेना भेष बदल कर हमारी सीमा में घुस रही थी तब सरदार पटेल तथा 1965 में पाकिस्तान से युद्ध के समय लालबहादुर शास्त्री ने संघ से मदद माँगी थी और संघ ने जान हथेली पर रख कर सहयोग किया था। वह कोई और नहीं संघ ही था, जिसने दादरा,नगर हवेली और गोवा को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त करा कर वहाँ भारत का झंडा फहराया था। वसुंधरा राजे ने सीएम अशोक गहलोत के एक दिन पहले आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ दिए गए बयान पर यह करारा पलटवार किया है। अशोक गहलोत ने बुधवार को आरएसएस और बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाते हुए जालोर सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीजेपी और आरएसएस प्रदेश में दंगे करवाते हैं। ये लोगों को धर्म के नाम पर भड़काते हैं। बीजेपी गाय को लेकर राजनीति करती है, जबकि गायों की सेवा में हमेशा कांग्रेस आगे रही है।

हम गायों के नाम पर वोटों की बात नहीं करते हैं, तो क्या हम हिंदू नहीं हैं? उन्होंने कहा कि कुछ लोग तो सिर्फ राम मंदिर की राजनीति के लिए ही हिंदू बन गए, जबकि वो खुदको हिन्दू नहीं मानते हैं। राजनीति के लिए हिंदू धर्म को नहीं मानने वाले लोग भी हिंदू बन गए थे। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में बीजेपी का एजेंडा नहीं चलने देंगे।

विदेशी सैलानियों को भी भायी इंदिरा रसोई की थाली, स्वाद

राज्य के सभी नगर निकायों में संचालित इंदिरा रसोई गरीब एवं जरूरतमंदो का पेट भरने के साथ-साथ अब देसी-विदेशी सैलानियों को भी रास आ रही है और वे यहां परोसे जाने वाले भोजन के स्वाद, पौष्टिकता और गुणवत्ता की तारीफ करते नहीं थकते। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के 'कोई भूखा ना सोए' के संकल्प के साथ शुरू हुई इंदिरा रसोई योजना के तहत मात्र 8 रुपये में भरपेट पौष्टिक भोजन मिलता है। प्रदेश भर में अब तक 13 करोड़ 4 लाख से ज्यादा थालियां परोसी जा चुकी हैं।

पौष्टिकता व गुणवत्ता के मुरीद हुए पर्यटक-992 रसोइयों में परोसी गई 13 करोड़ 4 लाख से ज्यादा थालियां

मॉरिशियस की अनुराधा को लगा घर जैसा खाना

मॉरिशियस से जयपुर भ्रमण पर आई विदेशी सैलानी अनुराधा पूरन ने बताया कि उन्होंने पहले होटल में खाना खाया था, लेकिन जलमहल की पाल पर घूमते समय उन्हें इंदिरा रसोई का बोर्ड नजर आया। अनुराधा ने जब इंदिरा रसोई में भोजन किया तो यहां का खाना उन्हें पौष्टिक और घर जैसे स्वाद वाला लगा। उन्होंने बताया कि मात्र 8 रुपये में भरपेट खाना मिलने पर उन्हें आश्चर्य हुआ और यह जानकर प्रसन्नता हुई कि यह रसोई गरीबों और मजदूरीपेशा लोगों के लिए सम्मानपूर्वक पेट भरने में सहायक सिद्ध हो रही है। अनुराधा ने कहा कि जब कहीं घूमने जाते हैं तो कई बार हजारों रुपए खर्च करने के बाद भी अच्छा खाना नहीं मिल पाता है। लेकिन राजस्थान एकमात्र राज्य है, जो सिर्फ 8 रुपये में सभी लोगों को पौष्टिक भोजन दे रहा है।

'अतिथि देवो भव' की भावना से स्वागत : जलमहल पर हेनिमैन चेरिटेबल मिशन सोसाइटी द्वारा संचालित इंदिरा गांधी रसोई की संचालक श्रीमती मोनिका गुप्ता ने बताया कि हमारा प्रयास रहता है कि 'अतिथि देवो भव' की परंपरा निभाते हुए रसोई में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आदर के साथ बिठाकर भोजन कराया जाए। अब विदेशी सैलानी भी यहां के भोजन को पसंद कर रहे हैं, जो राजस्थान के लिए गर्व की बात है।

पोषण और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान: रसोई में भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है। आमजन को संतुलित आहार मिल सके इसके लिए मुख्य रूप से प्रति थाली 100 ग्राम दाल, 100 ग्राम सब्जी, 250 ग्राम चपाती एवं अचार को सम्मिलित किया गया है। गुणवत्ता को बनाए रखने पर जोर देते मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत भी समय-समय पर इन रसोइयों का दौरा कर चुके हैं और स्वयं भी इनमें भोजन करते हैं। साथ ही, उन्होंने प्रभारी मंत्रियों-अधिकारियों को भी इन रसोइयों में परोसे जाने वाले भोजन की समय-समय पर जांच करने के साथ महीने में एक बार इनमें भोजन करने की हिदायत दी हुई है।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

शिक्षा ही समाज की प्रगति का आधार : सीएम गेहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत से गुरूवार को विभिन्न जिलों से आए माली, सैनी, कुशवाह, शाक्य व मौर्य समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं तथा महंगाई राहत कैंपों के माध्यम से प्रदेश की जनता को पहुंचाई जा रही राहत के लिए आभार व्यक्त किया।

श्री गहलोत ने कहा कि शिक्षा ही समाज की प्रगति का आधार है। एक शिक्षित और स्वस्थ समाज ही देश को उन्नति की राह पर आगे ले जा सकता है। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए कई जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का कोई भी नागरिक शिक्षा और स्वास्थ्य के लाभ से वंचित ना रहे, यह राज्य सरकार का ध्येय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री

चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से आमजन को महंगे इलाज से मुक्ति मिली है। कानून बनाकर स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है। हर जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। गत 4 वर्षों में राज्य में 300 से अधिक नए महाविद्यालय खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के माध्यम से 500 मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजा जा रहा है। महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों से गरीब विद्यार्थियों तक अंग्रेजी माध्यम शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित हुई है।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल ने महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड के गठन, महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर राजकीय अवकाश घोषित करने, सावित्री बाई फुले के नाम पर प्रदेशभर में वाचनालय खोलने तथा फुले दंपती को भारत रत्न से अलंकृत करने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र लिखने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जिला प्रमुख दौसा श्री हीरालाल सैनी, श्री हरिश परिहार (सिरोही), श्री शेलेन्द्र कुशवाह, श्री कैलाश मोरी टोंक सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि और निर्धन विद्यार्थियों को देंगे उच्च शिक्षा

पाठ्य-पुस्तक में भगवान परशुराम की जीवन गाथा शामिल होगी : सीएम

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में इंदौर के निकट, भगवान परशुराम की जन्म-स्थली जानापाव को अध्यात्म और पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है। जानापाव एक दिव्य और भव्य केन्द्र के रूप में उभर कर आएगा। राज्य शासन ने भगवान परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश के साथ मंदिरों के पुजारियों के लिए मानदेय और संस्कृत विद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों, जो धार्मिक संस्कारों को सम्पन्न करवाने में दक्ष हो रहे हैं, को प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की है। कक्षा एक से 5वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 8 हजार और कक्षा 6वीं से 12वी तक के विद्यार्थियों को 10 हजार रूपए की राशि देने की पहल की गई है। पाठ्य-पुस्तकों में भगवान परशुराम की जीवन गाथा भी पढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज जंबूरी मैदान, भोपाल में ब्राह्मण महाकुंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मंदिरों की भूमि को कलेक्टर द्वारा एक वर्ष के लिए नीलाम करने के पूर्व के प्रावधान में परिवर्तन कर यह अधिकार पुजारी को दिया गया है। साथ ही मंदिर में पूजा, आराधना और आरती जैसे कार्यों के लिए पुजारी को सहयोग देना आवश्यक है। बिना कृषि भूमि क्षेत्र के मंदिरों के लिए 5 हजार रूपए की मासिक राशि प्रदान करने के साथ ही मंदिरों का सर्वे करवाने का कार्य किया जाएगा। ब्राह्मण समाज के मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षा सुविधा दी जाएगी। ब्राह्मण समाज के लिए भोपाल में उपलब्धता के आधार पर भूमि का प्रबंध किया जाएगा, जिससे शिक्षण व्यवस्थाओं और सामाजिक कार्यों के लिए व्यवस्थाएँ करने में आसानी हो। पृथक आयोग या बोर्ड गठित करने के सुझाव पर भी समाज के प्रमुख व्यक्तियों से चर्चा और विचार-विमर्श के बाद आवश्यक निर्णय लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जो ब्रह्म या ईश्वर को जान ले वह ब्राह्मण है। भारतीय जीवन-मूल्यों और संस्कृति को संरक्षित करने का कार्य ब्राह्मणों ने किया है। आज भारत के एक होने का प्रमुख कारण आदि शंकराचार्य जी द्वारा भारत को जोड़े जाने का किया गया महत्वपूर्ण कार्य है। ओंकारेश्वर में शंकराचार्य जी की प्रतिमा स्थापना और अद्वैत संस्थान स्थापित करने का कार्य चल रहा है। हमारी परम्पराएँ हों या साहित्य का क्षेत्र या विज्ञान, राजनीति, भूगोल आदि का क्षेत्र, ऐसी कोई विधा नहीं है जिसमें ब्राह्मण दक्ष नही हैं, यदि चाणक्य नहीं होते तो चंद्रगुप्त भी नहीं होते। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन के लिए पहली गोली मंगल पाण्डे की चली थी। बिस्मिल हों या चंद्रशेखर आजाद, आजादी के लिए इन्होंने प्राण न्योछावर किए। ब्राह्मण समाज से ही टैगोर, लता दीदी और माखनलाल चतुर्वेदी हुए। ब्राह्मण समाज की प्रतिभाएँ अनेक क्षेत्र में विलक्षण कार्य कर चुकी हैं।

लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव ने कहा कि ब्राह्मण समाज निर्धन बच्चों की शिक्षा, निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह, दुर्घटना या अन्य संकट की परिस्थितियों में परस्पर सहयोग का उदाहरण प्रस्तुत करे। इस भावना का विस्तार आवश्यक है। ब्राह्मण वर्ग बुद्धि,ज्ञान और चरित्र की शक्ति के उपयोग से विभिन्न क्षेत्र में सफल हुआ है। आज समाज के बंधुओं द्वारा युवाओं को मद्यपान न करने और अन्य अवगुणों से बचने के लिए निरंतर मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री सुरेश पचौरी ने कहा कि ब्राह्मण समाज सभी के कल्याण की कामना करता है। हमारा दायित्व है कि समाज के ऐसे लोगों को शिक्षित करें जो अर्थ के अभाव में शिक्षा ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं।

सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण वर्ग ने धर्म और संस्कृति के संरक्षण और शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आदि शंकराचार्य ने राष्ट्र को एक सूत्र में बांधा। आध्यात्मिक क्षेत्र में समाज का योगदान निरंतर मिल रहा है। विजयराघवगढ़ में भगवान परशुराम जी की 108 फीट प्रतिमा की स्थापना की पहल की गई है। श्री सुमित पचौरी ने ब्राह्मण समाज की ओर से 11 सूत्री सुझाव-पत्र पढ़ा। कार्यक्रम को स्वामी सदानंद सरस्वती, शंकराचार्य द्वारका शारदा पीठ ने भी संबोधित किया।

भारत, बांग्लादेश के गहरे संबंध, कोई कमजोर नहीं कर सकता : श्री शाह

शाह भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल के दौरे पर थे। यह भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत और बांग्लादेश आपस में जुड़ी संस्कृति और के इतिहास के साथ गहरे संबंध साझा करते हैं और कोई भी दोनों देशों के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर नहीं कर सकता। शाह भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के लिए पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल के दौरे पर थे। यह भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, ''भारत, बांग्लादेश के साथ गहरे संबंध साझा करता है। हमारी संस्कृति, धर्म, रीति-रिवाज और जीवन शैली हजारों वर्षों से आपस में जुड़ी हुई है।

कोई भी बांग्लादेश के साथ हमारे संबंधों को कभी तोड़ नहीं सकता है। भारत ने बांग्लादेश के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीएसएफ ने 1971 के मुक्ति संग्राम में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।'' शाह ने पड़ोसियों के साथ संबंधों को मजबूत करने में भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2016-17 में प्राधिकरण के माध्यम से 18,000 करोड़ रुपये का व्यापार अब 30,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

उन्होंने पेट्रापोल में प्राधिकरण के दूसरे कार्गो प्रवेशद्वार 'मैत्री द्वार' की आधारशिला रखे जाने से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा, ''भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि हमारी सीमाओं पर राष्ट्र के एक राजदूत के रूप में भी कार्य करता है। यह हमारे पड़ोसियों के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद करता है। शाह ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने 2014 से सीमा के बुनियादी ढांचे और सम्पर्क में सुधार पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, हमारी नीति स्पष्ट है। हम कारोबार और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा और बेहतर संपर्क चाहते हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने देश की सीमाओं की रक्षा में बीएसएफ की भूमिका की सराहना की। इस मौके पर शाह ने पेट्रापोल में नवनिर्मित पुलिस स्टेशन का उद्घाटन के साथ आइसीपी में मैत्री द्वार के शिलान्यास के अलावा यहां से बीएसएफ के दक्षिण बंगाल एवं उत्तर बंगाल फ्रंटियर के नवनिर्मित कई सीमा चौकियों और अन्य इमारतों का भी वर्चुअल उद्घाटन किया।

कंबोड़िया के साथ रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने का इच्छुक है भारत : मुर्मू

भारत की पहली यात्रा पर आये राजा सिहामोनी का स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यात्रा कंबोडिया द्वारा भारत के साथ अपने संबंधों को दिए जाने वाले महत्व को प्रदर्शित करती है क्योंकि दोनों देश एक समृद्ध और जीवंत संबंध साझा करते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि कंबोडिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को आगे बढ़ाने के साथ ही भारत पर्यटन और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने का भी इच्छुक है। मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में कंबोडिया के नरेश नोरोडोम सिहामोनी का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और कंबोडिया के बीच व्यापार और निवेश में वृद्धि की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस दक्षिण पूर्व एशियाई देश के साथ अपने रक्षा संबंधों को और प्रगाढ़ करने का इच्छुक है। मुर्मू ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए पर्यटन और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

भारत की पहली यात्रा पर आये राजा सिहामोनी का स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यात्रा कंबोडिया द्वारा भारत के साथ अपने संबंधों को दिए जाने वाले महत्व को प्रदर्शित करती है क्योंकि दोनों देश एक समृद्ध और जीवंत संबंध साझा करते हैं। मुर्मू ने कहा कि भारत जी-20 की अध्यक्षता में 'ग्लोबल साउथ' (वैश्विक दक्षिण) के विकासशील देशों के हितों की अगुवाई कर रहा है। उन्होंने इस साल फरवरी में 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट' के उद्घाटन सत्र में कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन सेन की भागीदारी की सराहना की। राष्ट्रपति ने पिछले साल आसियान की अध्यक्षता सफलतापूर्वक पूरी करने के लिए कंबोडिया को बधाई दी। मुर्मू ने सिहामोनी के सम्मान में भोज का भी आयोजन किया।

मुख्यमंत्री श्री गहलोत के सामने फिर लगे मोदी-मोदी के नारे...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इशारा कर लोगों को कराया शांत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राजस्थान में 5,500 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ मंच साझा किया और नाथद्वारा में एक जनसभा को संबोधित किया। अशोक गहलोत का नाथद्वारा रैली में 'मोदी-मोदी' के नारों के साथ स्वागत किया गया। हालांकि, इस दौरान पीएम मोदी ने लोगों से शांत रहने का इशारा भी किया। दरअसल, जैसे ही अशोक गहलोत आपना भाषण देने के लिए उठे, वहां मौजूद लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाने शुरू कर दिए। वैसे मंच पर मोदी और गहलोत के बीच अच्छी केमिस्ट्री देखने को मिली।

गहलोत ने रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी का स्वागत किया और कहा कि विकास के मामले में गुजरात से पिछड़ने वाला राजस्थान अब आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी का स्वागत करता हूं। मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री आज राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे परियोजनाओं का लोकार्पण कर रहे है। कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकतंत्र में कोई दुश्मनी नहीं है। यह विचारधारा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि देश में लोगों के बीच शांति और सद्भाव होना चाहिए। हिंसा विकास को रोकती है। साथ ही साथ गहलोत ने कहा कि विपक्ष के बिना सरकार नहीं होती इसलिए विपक्ष का सम्मान किया जाना चाहिए। गहलोत ने यह बाते कर के कहीं ना कहीं भाजपा पर भी निशाना साध दिया।

वहीं, प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे देश में कुछ लोग ऐसी विचारधारा के शिकार हो चुके हैं, इतनी नकारात्मकता से भरे हुए हैं, देश में कुछ भी अच्छा होते वे देखना ही नहीं चाहते। उन्हें विवाद खड़ा करना ही अच्छा लगता है। मोदी ने कहा कि नकारात्मकता से भरे हुए लोगों में न दूरदृष्टि होती है और न ही वे राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर देख पाते हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन के लिए नीति में संशोधन करेगी सरकार

मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रानिक वाहनों के संचालन के लिए नई नीति बनाई जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2019 में संशोधन कर इसे पुनः लागू किया जाएगा। वर्तमान समय में ई वाहनों को लेकर काफी कुछ बदलाव हुए हैं। नई आवश्यकताओं को देखते हुए पूर्व की नीति में भी बदलाव की आवश्यकता है। राज्य सरकार ने नीति को नए स्वरूप में बनाने की कवायद शुरू कर दी है। जून में विशेषज्ञों के साथ एक बैठक भी आयोजित की जा रही है। इस बैठक में प्रदेश के वाहन निर्माता, वाहन डीलर, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को बुलाया जा रहा है। इनके साथ बैठक कर नई नीति के लिए सुझाव भी लिए जाएंगे। इन सुझावों के आधार पर नीति का प्रारूप तय किया जाएगा।

परिवहन विभाग को लेकर नीति में नियम स्पष्ट न होने से इलेक्ट्रिक वाहन चालकों को समस्या होती है। कई बार चालान काटे जाते हैं। नियमों में कुछ हद तक छूट मिली हुई है। लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। कई ट्रांसपोर्ट कंपनियां मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसें एवं मालक वाहक वाहन चलाना चाहते हैं, लेकिन परिवहन विभाग द्वारा अनुमति देने में आ रही कठिनाईयों की वजह से मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसें एवं भारी वाहनों का संचालन शुरू नहीं हो सका है। इन ट्रांसपोर्ट कपंनियों ने तो प्रदेश सरकार को इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन तक बनाकर देने की पेशकश की है।

फरवरी-मार्च तक चलेगी 3 तरह की 'वंदे भारत' ट्रेन : रेल मंत्री

अगले 3-4 साल में रेल पटरियों को उन्नत बनाया जायेगा

उत्तराखंड के देहरादून से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन तक वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत के बाद वैष्णव ने कहा, ''वंदे भारत के तीन प्रारूप हैं। सौ किलोमीटर से कम की यात्रा के लिए वंदे मेट्रो, 100-550 किलोमीटर के लिए वंदे चेयर कार और 550 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए वंदे स्लीपर।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल फरवरी-मार्च तक वंदे भारत रेलगाड़ियों के तीन प्रारूप- वंदे चेयर कार, वंदे मेट्रो और वंदे शयनयान होंगे। उन्होंने कहा कि शताब्दी, राजधानी और लोकल ट्रेन की जगह लेने की तैयारी कर रही ये स्वदेशी 'सेमी-हाई स्पीड' रेलगाड़ियां चेन्नई के कोच निर्माण कारखाने में बनाई जा रही हैं। वैष्णव ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वंदे भारत रेलगाड़ियों की अधिकतम गति 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के लिए अगले तीन से चार साल में रेल पटरियों को उन्नत बनाया जायेगा।

उत्तराखंड के देहरादून से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल रेलवे स्टेशन तक वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत के बाद वैष्णव ने कहा, ''वंदे भारत के तीन प्रारूप हैं। सौ किलोमीटर से कम की यात्रा के लिए वंदे मेट्रो, 100-550 किलोमीटर के लिए वंदे चेयर कार और 550 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए वंदे स्लीपर। ये तीनों प्रारूप फरवरी-मार्च (अगले साल) तक तैयार हो जायेंगे।'' प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली-देहरादून वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। उत्तराखंड के लिए इस तरह की पहली रेलगाड़ी राज्य की राजधानी और राष्ट्रीय राजधानी के बीच यात्रा के समय को देहरादून-नई दिल्ली रेलवे स्टेशन शताब्दी एक्सप्रेस में लगने वाले छह घंटे और 10 मिनट से घटाकर साढ़े चार घंटे कर देती है।

नवनीत राणा ने कहा- पीएम मोदी ने वो किया जो विपक्ष नहीं कर सका

विपक्ष के विरोध के साथ ही बीजेपी को एनडीए व गैर एनडीए दलों का भी समर्थन प्राप्त हो रहा है। वहीं निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने कहा कि पुरानी संसद अंग्रेजों ने बनाई थी लेकिन नई संसद के पीछे का दिमाग और काम भारतीयों का है और मुझे समझ नहीं आता कि विपक्ष इतने मुद्दे क्यों बना रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन की शुरुआत एक भव्य पूजा और हवन से के माध्यम से होगी। जिसके बाद सेंगोल की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही दो लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग और एक स्मारक सिक्का और टिकट जारी किया जाएगा। सरकारी वेबसाइट में कहा गया है कि नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद भी, पुरानी और नई इमारतें संसदीय कार्यों के सुचारू और कुशल कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए एक समूह के रूप में एक साथ काम करेंगी।

वहीं ससंद भवन को लेकर विपक्ष की तरफ से लगातार विरोध जताया जा रहा है। विपक्ष के विरोध के साथ ही बीजेपी को एनडीए व गैर एनडीए दलों का भी समर्थन प्राप्त हो रहा है। वहीं निर्दलीय सांसद नवनीत राणा ने कहा कि पुरानी संसद अंग्रेजों ने बनाई थी लेकिन नई संसद के पीछे का दिमाग और काम भारतीयों का है और मुझे समझ नहीं आता कि विपक्ष इतने मुद्दे क्यों बना रहा है।

लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि 25 से बढ़कर 30 हजार होगी : मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आपातकाल में भी लोकतंत्र सेनानियों ने भारत माता का जयघोष किया। सत्ताधीशों ने अपने आप को सत्ता में बनाए रखने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा गया, परन्तु लोकतंत्र सेनानियों ने बिना परिणामों की परवाह किए यातनाएँ और कष्ट सहे। उन्होंने देश की आजादी की तीसरी लड़ाई लड़ी। इस संघर्ष का सम्मान हमारा कर्तव्य और धर्म है। मुख्यमंत्री श्री चौहान प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को प्रदान की जा रही 25 हजार रूपए की सम्मान निधि को बढ़ाकर 30 हजार रूपए प्रतिमाह किया जाएगा। जो लोकतंत्र सेनानी एक माह से कम अवधि के लिए बंदी रहे हैं, उनकी सम्मान निधि 8 हजार रूपए से बढ़ाकर 10 हजार रूपए की जाएगी। दिवंगतों के परिवारों को दी जाने वाली निधि भी 5 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रूपए की जाएगी। लोकतंत्र सेनानियों को दिल्ली प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश भवन में ठहरने की सुविधा होगी। जिलों के विश्राम गृह और रेस्ट हाऊस में वे 2 दिन तक 50 प्रतिशत शुल्क देकर रह सकेंगे। साथ ही सभी तरह की बीमारियों का सम्पूर्ण इलाज राज्य शासन द्वारा कराया जाएगा। शासकीय कार्यालयों में उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, इसके लिए विशेष निर्देश जारी किए जा रहे हैं। लोकतंत्र सेनानियों को राज्य शासन की ओर से ताम्रपत्र प्रदान किए गए थे, जिन्हें ताम्रपत्र मिलना शेष हैं उन्हें भी तत्काल ताम्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। लोकतंत्र सेनानी किसी भी तरह के कष्ट और परेशानी में अपने आप को अकेला न समझें, राज्य सरकार उनके साथ है।

लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आपातकाल में कई परिवार तबाह हुए। यह वह दौर था जब कोई अपील- कोई वकील- कोई दलील नहीं सुनी जाती थी। लोकतंत्र सेनानियों ने एक सिद्धांत, विचारधारा और संगठन के लिए यातनाएं सहीं, यह उस विचार का सम्मान था, जिसने लोकतंत्र को बचाया। आज इसी विचारधारा का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की शान को बढ़ाया है। वर्तमान में भी लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। जिनकी लोकतंत्र में आस्था नहीं है, जिनका भारतीय संस्कृति- मूल्यों और परम्पराओं से कोई लेना-देना नहीं है, उनसे सतर्क रहना जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने संबोधन में बाबा नागार्जुन और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपयी जी की कविताओं की पंक्तियों का उल्लेख भी किया।

सामान्य प्रशासन मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आपातकाल की स्थिति में लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष से बदलाव आया था। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ही मीसाबंदियों को सम्मान देने की पहल की। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री विक्रम वर्मा ने कहा कि आपातकाल में लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिवारों का मनोबल तोड़ने के लिए जो भी किया जा सकता था किया गया। सेनानियों के साथ-साथ उनके परिवारों ने जो परेशानियां झेलीं उसके लिए परिवार के सदस्य प्रशंसा और अभिनंदन के पात्र हैं। राष्ट्र को अधिक सबल बनाना हमारा संकल्प है और हम आज भी इस दिशा में कार्यरत हैं। पूर्व केंन्द्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया ने कहा कि आपातकाल द्वारा लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश को ध्वस्त करने के लिए लगभग डेढ़ लाख लोगों ने आंदोलन किए और गिरफ्तारियां दीं। वह सत्य का सत्ता से संघर्ष था। लोकतंत्र को सार्थक करने के लिए बड़ी संख्या में लोग प्राण-प्रण से जुटे रहे। राज्य सभा सदस्य श्री कैलाश सोनी ने कहा कि लोकतंत्र सेनानी देश की धरोहर हैं।

जब भारी बाढ़ आती है तो अपनी जान बचाने के लिए सांप, मेंढक, बंदर...

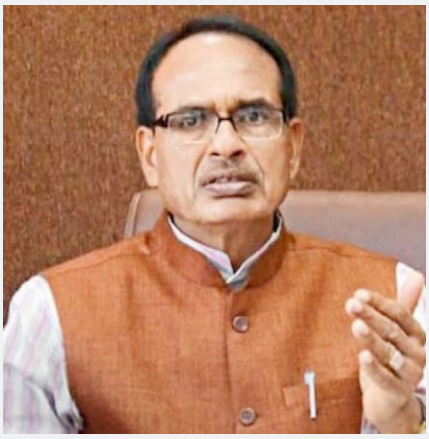

अपने बयान में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब भारी बाढ़ आती है तो अपनी जान बचाने के लिए सांप, मेंढक, बंदर सब एक पेड़ पर बैठ जाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रियता की ऐसी बाढ़ है कि सब एक पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं।

विपक्षी एकता की बैठक को लेकर राजनीतिक वार-पटवार का दौर जारी है। भाजपा विपक्षी एकता की बैठक पर लगातार सवाल खड़े कर रही है। भाजपा का दावा है कि यह मात्र फोटो सेशन था। भाजपा यह भी कह रही है कि सभी परिवारवादी दल अपने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले को बचाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भी बयान सामने आया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि जब बाढ़ आती है तो सांप, मेंढक, बंदर सब एक साथ हो जाते हैं और पेड़ पर बैठ जाते हैं। वही स्थिति विपक्षी दलों की है। अपने बयान में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब भारी बाढ़ आती है तो अपनी जान बचाने के लिए सांप, मेंढक, बंदर सब एक पेड़ पर बैठ जाते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रियता की ऐसी बाढ़ है कि सब एक पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं। कितनी बार भी एकता कर लें कुछ नहीं होने वाला। विपक्ष की बैठक पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि 2024 की तस्वीर साफ हो रही है, पीएम मोदी तीसरी बार इस देश के पीएम बनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के बीच मुझे कोई एकता नजर नहीं आ रही है। पटना में एक और प्रेस कॉन्फ्रेंस थी जिसमें नीतीश जी उठकर जा रहे हैं...जितने लोग वहां नहीं गए उनमें ज्यादा एकता है। मुझे क्यों नहीं लगता कि उनमें कोई एकता होगी?

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा पूरी 80 सीटे जीतेगी, विपक्ष यहां पूरी तरह से साफ है। विपक्षी एकता कभी नहीं होगी क्योंकि ये कुर्सी के लिए एकत्रित हुए हैं जबकि भाजपा देश के लिए लड़ रही है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पटना की बैठक विपक्ष के लिए दुर्घटना की तरह हो गई है। विपक्ष के पास नरेंद्र मोदी के ख़िलाफ़ कोई भी नेता नहीं है। विपक्षी दलों का एकत्रीकरण सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के नाम का खौफ है। 2024 में किसी के ऊपर हार का ठीकरा न फूटे इसलिए भी यह लोग साथ आए हैं।

एक बार फिर मुश्किल में अडानी ग्रुप! अमेरिका में चल रही जांच

खबर आते ही 55 हजार करोड़ रुपए स्वाहा

रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूछताछ अडानी समूह द्वारा उन निवेशकों को प्रदान की गई जानकारी पर केंद्रित है। अतिरिक्त सूत्रों ने उल्लेख किया कि प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) भी समूह के खिलाफ इसी तरह की जांच कर रहा है।

अडानी समूह के शेयरों में शुक्रवार को उस रिपोर्ट के बाद गिरावट आई, जिसमें संकेत दिया गया था कि अमेरिकी अधिकारी निवेशकों के लिए समूह के प्रतिनिधित्व की जांच कर रहे हैं, जो अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट से प्रेरित है। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के अनुसार, अडानी समूह की कंपनियों में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाले संस्थागत निवेशकों को कथित तौर पर ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय से पूछताछ प्राप्त हुई है। अडानी के 10 के 10 शेयर लुढ़क गए। इन शेयरों में गिरावट के चलते एक ही झटके में कंपनी को 55,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूछताछ

अडानी समूह द्वारा उन निवेशकों को प्रदान की गई जानकारी पर केंद्रित है। अतिरिक्त सूत्रों ने उल्लेख किया कि प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) भी समूह के खिलाफ इसी तरह की जांच कर रहा है। समूह की प्रमुख कंपनी अदानी एंटरप्राइजेज ने शुरुआती कारोबार में लगभग 9 प्रतिशत की शुरुआती गिरावट का अनुभव किया, हालांकि दोपहर 12 बजे तक इसमें कुछ सुधार हुआ। अदानी समूह के अधिकांश अन्य शेयरों में 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई।

अमेरिकी जांच से अडानी ग्रुप को नुकसान होगा?

हालांकि अमेरिकी अभियोजकों से जानकारी के लिए अनुरोध का मतलब जरूरी नहीं कि आपराधिक या नागरिक कार्यवाही दायर की गई हो, अमेरिकी अधिकारियों द्वारा दिखाई गई रुचि अदानी समूह के लिए चिंताजनक है, जिसने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद एक मजबूत रिकवरी का मंचन किया था। शॉर्ट-सेलर ने समूह पर लंबे समय से चल रहे स्टॉक हेरफेर और लेखांकन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, इन आरोपों का अदानी समूह ने दृढ़ता से खंडन किया था।

विजिलेंस टीम ने सरकारी अधिकारी के घर पर की छापेमारी, 3 करोड़ बरामद

ओडिशा में एक सरकारी अधिकारी के आवासों पर छापेमारी में तीन करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की सतर्कता शाखा (Vigilance Wing) ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) के अधिकारी प्रशांत कुमार राउत के भुवनेश्वर, नबरंगपुर और अन्य स्थानों पर स्थित आवासों पर छापेमारी की। राउत नबरंगपुर जिले में अतिरिक्त उप जिलाधिकारी के पद पर तैनात हैं। अधिकारियों ने बताया कि भुवनेश्वर में कानन विहार स्थित राउत के आवास पर सतर्कता शाखा की टीम पहुंची तो उनकी पत्नी ने नकदी से भरे छह कार्टून पड़ोसी के छत पर फेंक दिए और उसे छिपाने का अनुरोध किया। बाद में सतर्कता की टीम ने पड़ोसी के घर से ये कार्टून बरामद किए और कई मशीनों की सहायता से उसमें रखी नकदी की गिनती की। नबरंगपुर स्थित राउत के आवास से भी 89.5 लाख रुपये नकद और सोने के गहने बरामद किए गए। अधिकारियों के मुताबिक, यह राज्य में किसी सरकारी अधिकारी के पास से नकदी की दूसरी सबसे बड़ी बरामदगी है। इससे पहले, अप्रैल 2022 में गंजम जिले में लघु सिंचाई प्रभाग में सहायक अभियंता के पद पर तैनात कार्तिकेश्वर राउल के ठिकानों पर छापेमारी में 3.41 करोड़ रुपये बरामद किए गए थे।

इंडिगो- एयरबस सौदा भारतीय विमानन जगत के लिए उपलब्धि : श्री सिंधिया

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को कहा कि घरेलू एयरलाइन इंडिगो की तरफ से विमान विनिर्माता एयरबस को 500 विमानों के लिए दिया गया ऑर्डर नागर विमानन के क्षेत्र में भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इंडिगो ने सोमवार को इस विमान खरीद समझौते की घोषणा करते हुए कहा था कि यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस उसे ए320 सीरीज के 500 विमानों की आपूर्ति अगले दशक में करेगा। यह एयरबस को किसी भी एयरलाइन से मिला सबसे बड़ा ऑर्डर है। इस सौदे पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिंधिया ने कहा, ''यह ऐतिहासिक सौदा एयर इंडिया की तरफ से एयरबस और बोइंग को संयुक्त रूप से दिए गए 470 विमानों के ऑर्डर से काफी साम्यता रखता है। दुनिया में किसी भी विमान विनिर्माता को किसी एयरलाइन से दिए गए इस सबसे बड़े ऑर्डर के साथ भारत ने एक और उपलब्धि हासिल कर ली है।'' उन्होंने कहा कि नागर विमानन के क्षेत्र में निवेश का गुणक प्रभाव होता है और इसमें लगाया गया प्रत्येक डॉलर वृद्धि के मामले में तिगुना साबित होता है। इसके अलावा इससे रोजगार भी कई गुना बढ़ जाता है।

मध्यप्रदेश अब सर्वाधिक विकास दर वाला राज्य

देश की अर्थव्यवस्था में 4.6 प्रतिशत योगदान

भोपाल । कभी बीमारू राज्य कहे जाने वाले मध्य प्रदेश को अब विकास के पंख लग चुके हैं। प्रदेश के आए दिन उपलब्धियों के कीर्तिमान बना रहा है। 2002-03 में प्रदेश की औद्योगिक विकास दर ऋणात्मक थी जो अब 24 प्रतिशत पर पहुंच गई है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में वृद्धि के आधार पर इसकी गण्ना की जाती है। दूसरी बड़ी उपलब्धि यह कि प्रदेश की विकास दर 19.7 प्रतिशत है, जो देश में सर्वाधिक है। देश की अर्थव्यवस्था में प्रदेश 4.6 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सकल घरेलू उत्पाद में बीते दशक में 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश की आर्थिक वृद्धि दर निरंतर बढ़ रही है। वर्ष 2001-02 में 4.43 प्रतिशत की दर आज बढ़ कर 16.43 प्रतिशत हो गई है।

प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद 71 हजार 594 करोड़ रुपये से बढ़ कर 13 लाख 22 हजार 821 रुपये हो गया है। वर्ष 2001-02 में प्रति व्यक्ति आय 11 हजार 718 रुपये थी, जो वर्ष 2022-23 में बढ़ कर एक लाख 40 हजार 583 रुपये हो गई है। राज्य की जीएसडीपी की वृद्धि दर विगत एक दशक में राष्ट्रीय जीडीपी वृद्धि दर से अधिक रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने मध्य प्रदेश को अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय बना दिया है। अधोसंरचना बजट वित्तीय वर्ष 2002-03 में 3873 करोड़ रुपये था जो वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 56 हजार 256 करोड़ रुपये हो गया है। आज प्रदेश बिजली क्षेत्र में आत्मनिर्भर है। वर्ष 2003 में ऊर्जा क्षमता 5,173 मेगावाट थी, जो बढ़ कर 28 हजार मेगावाट हो गई है।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 2001-02 में 44 हजार किलोमीटर सड़कें थी, अब 4 लाख 10 हजार किलोमीटर हैं। अटल, नर्मदा और विंध्य प्रगति पथ के साथ मालवा, बुंदेलखंड और मध्य विकास पथ निर्मित किए जा रहे हैं। प्रदेश में सभी रेलवे क्रासिंग समाप्त करने के लिए 105 रेलवे ओवर ब्रिज के साथ 334 पुलों का निर्माण हो रहा है।

साथ ही 86 हजार करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं के कार्य चल रहे हैं। अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना में प्रदेश के 80 रेलवे स्टेशन विश्व स्तरीय बनाए जाएंगे। रानी कमलापति स्टेशन देश में एक आदर्श बना है। वर्ष 2003 में सिंचाई क्षमता 7 लाख 68 हजार हेक्टेयर थी, जो वर्ष 2022 में बढ़ कर 45 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है। इसे वर्ष 2025 तक 65 लाख हेक्टेयर तक किया जाएगा। लगभग 50 प्रतिशत घरों तक नल से जल पहुंच चुका है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना के प्रथम चरण में बांध, लिंक नहर तथा पावर हाउस का निर्माण इस वर्ष प्रारंभ होगा। कृषि विकास दर वर्ष 2002-03 में तीन प्रतिशत से बढ़कर 2020-21 में 18.89 प्रतिशत हो गई है। खेती और एलाइड सेक्टर का बजट भी 600 करोड़ से बढ़ कर 53 हजार 964 करोड़ हो गया।

खाद्य उत्पादन भी इस अवधि में 159 लाख मीट्रिक टन से बढ़ कर 619 लाख मीट्रिक टन हो गया है। गत तीन वर्षों में फसलों की नुकसानी पर 4000 करोड़ से अधिक की राहत राशि वितरित की गई है। प्रदेश के 11 लाख से अधिक डिफाल्टर किसानों का 2123 करोड़ का ब्याज माफ करने के लिए मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना प्रारंभ की गई है।

लुलु ग्रुप भारत में अगले 3 वर्षों में 10,000 करोड़ का निवेश करेगा

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित लुलु समूह अगले तीन वर्षों के दौरान भारत में मौजूदा परियोजनाओं पर 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। लुलु समूह के चेयरमैन यूसुफ अली एमए ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समूह ने देश में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य भारत में 50,000 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है और अब तक उनके विभिन्न उद्यमों ने 22,000 से अधिक नौकरियां दी हैं।यूसुफ अली ने यह भी कहा कि लुलु समूह ने अगले पांच वर्षों के दौरान तेलंगाना में डेस्टिनेशन शॉपिंग मॉल (3,000 करोड़ रुपये) सहित विभिन्न परियोजनाओं में लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा, हमने (भारत में) शॉपिंग मॉल, होटल और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों सहित विभिन्न क्षेत्रों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। हम इसे बढ़ाएंगे। यूसुफ अली ने आगामी परियोजनाओं में कुल निवेश के बारे में पूछने पर कहा, हमने अहमदाबाद में एक शॉपिंग मॉल का निर्माण शुरू कर दिया है। हम चेन्नई में एक और शॉपिंग मॉल बना रहे हैं। एक खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र नोएडा में और दूसरा तेलंगाना में स्थापित किया जा रहा है। इन सभी परियोजनाओं पर अगले तीन वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एनआरआई निवेश कानूनों को उदार बना दिया है और अब अनिवासी भारतीयों के निवेश को घरेलू निवेश माना जाता है।

'बृजभूषण के खिलाफ अब सड़कों पर नहीं कोर्ट में लड़ेंगे पहलवान'

सोशल मीडिया पर विनेश, साक्षी और बजरंग एक साथ लाइव आए। इस दौरान उन्होंने एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट देने के आईओए एड-हॉट पैनल के फैसले पर सवाल करने के लिए पूर्व पहलवान और भाजपा नेता योगेश्वर दत्त पर निशाना साधा था। पहलवान विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने ट्वीट किया, जो एक समान थे। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि सरकार ने सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने का आश्वासन दिया था, जो उन्होंने पूरा किया। मामले में पहलवानों के खिलाफ हम तब तक संघर्ष करेंगे, जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता। लेकिन अब यह लड़ाई हम अदालत में लड़ेंगे। सड़कों पर नहीं। सरकार ने डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया था, जिसका हम इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, ट्वीट करने के कुछ मिनट बाद ही विनेश और साक्षी ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे अब कुछ दिनों के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाएंगी।

बताया क्यों शांत है पहलवान

सोशल मीडिया पर शनिवार को विनेश, साक्षी और बजरंग एक साथ लाइव आए थे। इस दौरान उन्होंने एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट देने के आईओए एड-हॉट पैनल के फैसले पर सवाल करने के लिए पूर्व पहलवान और भाजपा नेता योगेश्वर दत्त पर निशाना साधा था। दत्त अपने स्वार्थ के लिए हमें निशाना बना रहे हैं। चालिस मिनट चले लाइव के दौरान उन्होंने कहा कि लोग हमसे पूछते हैं कि हम चुप क्यों हैं। हम उन्हें बताना चाहेंगे कि 15 जून तक का समय दिया गया था। सिंह के खिलाफ दर्ज हुए आरोप पत्र के मूल्यांकन के बाद विचार करेंगे कि कैसे लड़ाई जारी रखें। सिंह के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। हम चाहे मैट पर लड़े या फिर मैट के बाहर लेकिन न्याय लेकर रहेंगे।

दत्त पर भी साधा निशाना

लाइव में उन्होंने कहा कि सिंह को जब तक पापों की सजा नहीं मिल जाती, तब तक हम संघर्ष करेंगे। हम आरोप पत्र के प्रति का इंतजार कर रहे हैं। आरोप पत्र का मूल्यांकन करेंगे कि क्या यह न्याय के लिए काफी है। हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। विनेश ने कहा कि दत्त ने पहलवानों को धमकाया है। इसलिए दूसरे विरोध प्रदर्शन में वे नहीं आए। उन्हें कहा गया कि वह अपनी नौकरी खो देंगे। दत्त पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हमें ऐसा लग रहा है कि बृजभूषण ने शायद उन्हें डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष पद की पेशकश की हो। इसलिए सिर्फ कुर्सी की लालच में वे उनका साथ दे रहे हैं।

साक्षी मदद के लिए आई थीं

योगेश्वर दत्त ने कहा था कि राजनीति में आने के बाद साक्षी मलिक खुद घर पर प्रचार में मदद के लिए आई थीं। उस समय भी इन्होंने यौन शोषण मामले से संबंधित कोई बात नहीं बताई। अगर कमेटी के सामने उस समय यह बात रख दी जाती तो इस मुद्दे का काफी समय पहले ही समाधान हो जाता। इन्होंने यह बात क्यों नहीं बताई, यह पहलवानों की कमी थी। योगेश्वर दत्त ने बताया कि वह अभी तक भारत में सिर्फ एक कुश्ती मुकाबला ही हारे हैं, वह भी चोट लगने के कारण।

भारत के इतिहास में वीर सावरकर का अहम योगदान : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने नौवीं से 12वीं तक की कक्षा के नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में विनायक दामोदर सावरकर,छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा सहित 50 महापुरुषों की जीवन गाथा शामिल की है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को वीर सावरकर के इतिहास को माध्यमिक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रम में शामिल किये जाने की सराहना करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में वीर सावरकर का अहम योगदान है। पाठक ने शनिवार को जिले के हल्दी रामपुर गांव में संवाददाताओं से बातचीत में सावरकर का इतिहास माध्यमिक शिक्षा परिषद के

पाठ्यक्रम में शामिल करने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा सावरकर हमारे पूर्वज हैं, भारत के इतिहास में उनका अहम योगदान है। पुराने राजपाट चलाने वालों ने ऐसे लोगों को हटा दिया।

अकबर, हुमायूं , शाहजहां का इतिहास पढ़ाते रहे, जिन्होंने हमारे देश पर आक्रमण किया था। अब वास्तविक इतिहास को हम देश के सामने रख रहे हैं।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने नौवीं से 12वीं तक की कक्षा के नैतिक, योग तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में विनायक दामोदर सावरकर,छत्रपति शिवाजी, बिरसा मुंडा सहित 50 महापुरुषों की जीवन गाथा शामिल की है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकांत शुक्ल ने पीटीआई- को बताया, नौवीं से 12वीं कक्षा की नैतिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में 50 महापुरुषों की जीवन गाथा जोड़ी गई है। इसके अलावा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र से कई चीजें कंप्यूटर के पाठ्यक्रम में शामिल की गई हैं।

एमएसपी मुद्दे पर कृषि विरोधी कानूनों से बड़े आंदोलन की जरूरत : टिकैत

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि अब निरस्त किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन से भी बड़ा आंदोलन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी के लिए शुरू करना होगा।

चंडीगढ़। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को कहा कि अब निरस्त किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन से भी बड़ा आंदोलन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी के लिए शुरू करना होगा। टिकैत ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सूरजमुखी के बीज खरीदने की मांग को लेकर मंगलवार को कुरुक्षेत्र के शाहाबाद में एक राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करने वाले प्रदर्शनकारी किसानों पर हरियाणा पुलिस के लाठीचार्ज की निंदा की। उन्होंने कहा, "एमएसपी की मांग करने वालों पर देश में यह पहला लाठीचार्ज है"। उन्होंने कहा कि फसलों के लिए एमएसपी एक अखिल भारतीय मुद्दा है। भाकियू के नेता ने कहा कि शाहाबाद में शुरू हुआ संघर्ष राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगा क्योंकि हर किसान विभिन्न फसलों के लिए एमएसपी को लेकर चिंतित है। टिकैत ने करनाल में संवाददाताओं से कहा, "एमएसपी के लिए दिल्ली (अब निरस्त कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन) से बड़ा आंदोलन करना होगा।" किसानों से मिलने और सूरजमुखी के बीज पर एमएसपी की उनकी मांग का समर्थन करने के लिए

टिकैत शाहाबाद पहुंचे। आरोपों को लेकर पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि किसान संघ इस मुद्दे को हल करने के लिए सरकार और पहलवानों के बीच बातचीत के पक्ष में हैं। इस बीच, ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया की अगुवाई में पहलवानों और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के बीच बुधवार सुबह उनके दिल्ली स्थित आवास पर बैठक हुई। पहलवान भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। सिंह पर कुछ महिला पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पहलवान सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। टिकैत ने भी सिंह को गिरफ्तार करने की मांग की।

भारत की भैंस पर नेपाल की संसद में क्यों मचा हंगामा? विपक्ष के निशाने पर आ गए प्रचंड...

प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की हाल की भारत यात्रा के दौरान, नेपाल को मुर्रा भैंस बैल प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। भारत के दौरे से लौटे नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंज लगातार अपने देश में आलोचकों के निशाने पर हैं। कभी भारत के हाथों नेपाल को बेचने के विपक्ष की ओर से उनपर आरोप लगाए गए। वहीं अब प्रचंड अपने एक समझौते की वजह से विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं। नेपाल और भारत ने एक समझौता किया है जिसके तहत नई दिल्ली काठमांडू को 15 मुर्रा नस्ल के भैंस देगा। भारत और नेपाल के बीच मुर्रा भैंस की डील पर नेपाली संसद में जमकर हंगामा हुआ है। विपक्ष ने तो ये भी कह दिया कि प्रचंड भारत से भैंस पर बैठकर वापस आए हैं।

भारत सरकार की ओर से नेपाल सरकार को दिए जाने वाले 15 मुर्राह भैंसों का उपयोग कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से 100,000 से अधिक भैंसों में क्रॉसब्रीडिंग और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए किया जाएगा। कृषि और पशुधन विकास मंत्रालय ने कहा कि तीन साल बाद एक साल में 15 मुर्रा भैंस बैलों से 150,000 वीर्य के उत्पादन के बाद कम से कम 100,000 भैंसों पर कृत्रिम गर्भाधान

से क्रॉसब्रीडिंग के माध्यम से दूध उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि हम चाहते थे कि हमारे प्रधानमंत्री हाल ही में उद्घाटन हुए पोखरा एयरपोर्ट पर उतरेंगे लेकिन दुर्भाग्य से वह भैंस पर बैठकर वापस लौटे हैं।

प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की हाल की भारत यात्रा के दौरान, नेपाल को मुर्रा भैंस बैल प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 2018 में हुई नेपाल-भारत संयुक्त कृषि समूह की बैठक के आधार पर अलग-अलग तारीखों में भारत के साथ नेपाल सरकार से मुर्राह भैंस बैल मांगे गए थे।

महिलाओं की प्रगति, उन्नति मेरी ज़िंदगी का उद्देश्य - मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

शासकीय योजनाओं से प्रदेश की धरती पर बढ़ा महिलाओं का मान-सम्मान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। महिलाओं की ज़िंदगी बदल कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना मेरी ज़िंदगी का मक़सद है। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज बालाघाट जिले के मलाजखंड में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना सम्मेलन में शामिल हुए और 207 करोड़ रूपये के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री का जनजातीय वर्ग द्वारा पारंपरिक रूप नृत्य एवं वाद्य यंत्र के साथ स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में कोई भी बहन मजबूर नहीं रहेगी उन्हें मजबूत बनायेंगे। मैं अपनी बहनों की आँखों में आँसू नहीं आने दूँगा। उन्होंने कहा कि पूर्व के दशकों में बेटी का जन्म होने पर माता-पिता के चेहरे पर मायूसी दिख जाती थी। साथ ही बेटी की परवरिश, पढ़ाई और विवाह की चिन्ता सताने लगती थी।

गरीब वर्ग की इस व्यथा को दूर करने प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू की गई। महिला सशक्तिकरण के लिए प्रारंभ की गई योजनाओं और कार्यक्रमों से जहाँ बेटियों के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण बदला है, वहीं प्रदेश के लिंगानुपात में वृद्धि भी हुई है। बालाघाट प्रदेश के उन ज़िलों में शामिल है जहाँ लिंगानुपात बहुत अच्छा है। यहाँ बेटा और बेटी को एक समान नज़रिए से देखा जाता है। आज मुझे बहनों से मिले प्रेम और स्नेह से काफ़ी ख़ुशी हो रही है। बेटी की हर एक साँस माता-पिता के लिए होती है वह इन्हें कभी नहीं भूल सकती।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मैं आज ख़ुशी से कहता हूँ कि 44 लाख से भी अधिक लाड़ली लक्ष्मी मेरी बेटियाँ है, बेटी बोझ नहीं वरदान है। उन्होंने कहा कि संपत्तियों की रजिस्ट्री अब महिलाओं के नाम पर हो रही हैं। सरकार ने यह फ़ैसला लिया था की स्थानीय निर्वाचन में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये। इसका असर यह हुआ है कि अब महिलाएँ पंच, सरपंच, पार्षद, जनपद, ज़िला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के पद पर हैं और वे सरकार चला रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 10 जून की शाम को लाड़ली बहना योजना की राशि बहनों के खाते में डाली जायेगी। बहनें अगले दिन 11 जून को इस राशि का बैंक आहरण कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि भाई होने के नाते मेरा भी यह फ़र्ज़ है कि मैं अपनी बहनों को कुछ तोहफ़ा दूँ। इसके लिए बहनों के खातों में प्रतिमाह 1000 रूपये की राशि दी जाएगी। इस राशि से बहनें अपनी जरूरत एवं परिवार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ 25 लाख पात्र बहनों के फॉर्म स्वीकृत किए जा चुके हैं। महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं की मैदानी स्तर पर निगरानी के लिये हर गाँव में लाड़ली बहना सेना बनाई जा रही है। बड़े ग्रामों में 21 महिला सदस्य एवं छोटे ग्रामों में 11 महिला सदस्य शामिल की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने बताया कि ज़िले में 3 लाख 53 हज़ार फॉर्म भरे गये हैं, जिसमें से 3 लाख 41 हज़ार खातों में डीबीटी कार्य पूर्ण हो चुका है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अनेक अभिनव योजनाएँ संचालित हैं। लाड़ली बहना योजना प्रारंभ करने से प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण का कार्य आसान हुआ है। योजना से मिलने वाली राशि से महिलाओं को छोटे-छोटे खर्चों के लिए अन्य लोगों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आजीविका मिशन से महिलाओं को जोड़ कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। मेरा संकल्प है कि प्रत्येक बहन की मासिक आय 10 हजार रूपये हो जाये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि निर्धन परिवार के प्रतिभावान विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा देश ही नहीं बल्कि विदेशों में करवाने की ज़िम्मेदारी भी सरकार उठा रही है। आर्थिक स्थिति पढ़ाई में बाधक नहीं बनने देंगे। उन्होंने हाल ही में प्रारम्भ की गई मुख्यमंत्री सीखो और कमाओ योजना की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री ने काजल मेश्राम को खगोल वैज्ञानिक बनने की पढ़ाई के लिए विदेश अध्ययन योजना का लाभ मंच से दिया। काजल ने अपने अनुभव साझा किए और कहा कि ऑस्ट्रेलिया जाकर पढ़ाई करने में मुख्यमंत्री जी का साथ मिलेगा। सम्मेलन को पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष श्री गौरीशंकर बिसेन ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाड़ली बहना सम्मेलन में जनता के बीच जाकर उनका अभिवादन किया। कन्या-पूजन और दीप प्रज्वलन कर सम्मेलन की शुरूआत हुई। मुख्यमन्त्री श्री चौहान नेमलांजखंड महाविद्यालय में स्नातकोत्तर की कक्षाएँ शुरू करने, बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य एवं खेल मैदान का समतलीकरण, मलाँजखंड नगर में डिवाइडर और सौंदर्यीकरण करने की घोषणा की।

भारत में 2027 तक 5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता : मित्तल

नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक सम्मेलन में मित्तल ने कहा कि सामान्य रूप से व्यवसायों को निर्णायक नेतृत्व की जरूरत होती है और भारत में लंबे समय के बाद न केवल पूर्ण बहुमत वाली सरकार है बल्कि एक ऐसा नेता भी है, जिसे वैश्विक नेता के रूप में मान्यता प्राप्त है।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा कि भारत में 2027 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता है। नरेन्द्र मोदी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित एक सम्मेलन में मित्तल ने कहा कि सामान्य रूप से व्यवसायों को निर्णायक नेतृत्व की जरूरत होती है और भारत में लंबे समय के बाद न केवल पूर्ण बहुमत वाली सरकार है बल्कि एक ऐसा नेता भी है, जिसे वैश्विक नेता के रूप में मान्यता प्राप्त है। मित्तल ने कहा, "देश स्पष्ट रूप से अतिरिक्त 1.4 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हो गया है, जो हमें 3.5 लाख करोड़ डॉलर तक ले जाता है।

मुझे लगता है कि पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करना दो वर्ष पहले मुश्किल लगता था, लेकिन अब बिल्कुल संभव लग रहा है। मुझे लगता है कि हम 2027 तक इसे हासिल कर लेंगे।" मित्तल ने कहा कि उन्होंने खुद पिछले पांच वर्षों में हुए बदलावों का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि जहां तक दूरसंचार की बात है, तो भारत दुनिया का सबसे उन्नत देश है। उन्होंने कहा, "मेरी पीढ़ी दूरसंचार और संपर्क की व्यापक कमी के युग में पली-बढ़ी है, जबकि आज देश के दूरदराज के इलाकों में भी स्मार्टफोन का उपयोग किया जा रहा है।" मित्तल ने कहा, "हम बहुत तेजी से हुए तकनीकी बदलावों के गवाह हैं। भारत में दुनिया में सबसे तेजी से 5जी प्रसार हुआ है। मार्च, 2024 तक पूरे देश में 5जी संपर्क कायम हो जाएगा।

5 साल से नहीं हुए सहकारी संस्थाओं के चुनाव, इस वर्ष भी नहीं होंगे

सहकारी संस्थाओं के चुनाव पांच साल में कराने का नियम तो है पर प्रदेश में पांच साल से चुनाव नहीं हुए हैं। इस वर्ष भी चुनाव होने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि सरकार पांच हजार नई प्राथमिक सहकारी समितियां बनाने जा रही हैं। इसके लिए वर्तमान चार हजार 543 समितियों के क्षेत्रों में परिवर्तन हो रहा है। सदस्यों का भी समितियों के बीच विभाजन होगा। यह प्रक्रिया सितंबर तक पूरी होगी। अक्टूबर में विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू हो जाएगी। इसे देखते हुए समितियों के संचालन के लिए प्रशासक पदस्थ करने की जो व्यवस्था बनी हुई है, वह यथावत रहेगी।

सहकारी अधिनियम 1960 के अनुसार प्रत्येक पांच वर्ष में समितियों के चुनाव होने चाहिए। यह प्रक्रिया कार्यकाल पूरा होने के छह माह पहले प्रारंभ हो जानी चाहिए ताकि समिति का कार्यकाल समाप्त होने के पूर्व निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी हो जाए लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। वर्ष 2013 में समितियों के चुनाव हुए थे। इनका कार्यकाल 2018 में पूरा हो रहा था।जुलाई से प्रक्रिया प्रारंभ जानी थी लेकिन विधानसभा चुनाव को देखते हुए सरकार ने इसे टाल दिया। कमल नाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी और किसान ऋण माफी योजना के कारण चुनाव नहीं कराए गए। जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में प्रशासक नियुक्त कर दिए गए। मार्च 2020 में शिवराज सरकार बनी और कोरोना महामारी के कारण चुनाव नहीं हो पाए। स्थिति सामान्य होने पर चुनाव कराने को लेकर सहमति बनी लेकिन अपात्र किसानों का मामला आ गया और फिर चुनाव टलते गए। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अब चुनाव कराने की स्थिति नहीं है क्योंकि नई समितियों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। समितियों के क्षेत्र का नए सिरे से निर्धारण हो रहा है। इसमें समिति के क्षेत्र में भी परिवर्तन होगा और सदस्य भी बंट जाएंगे। यह प्रक्रिया सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया हैद्ध वहीं, चुनाव के लिए सदस्यता सूची नए सिरे से बनानी होगी।

भारत के गणित-विज्ञान के शिक्षकों की UK में मांग : मीडिया रिपोर्ट

समाचार पत्र 'द टाइम्स' की खबर में कहा गया है कि इस साल भारत और नाइजीरिया जैसे देशों से गणित, विज्ञान और के सैकड़ों शिक्षकों को ब्रिटेन लाया जाएगा। खबर में यह भी कहा गया है कि इस अभियान का अन्य देशों और विषयों में भर्ती के संबंध में विस्तार करने की योजना है।

ब्रिटेन में शिक्षकों के रिक्त पद भरने के लिए चलाए जा रहे एक विदेशी अभियान के तहत भारत उन देशों में शामिल है, जिसके गणित और विज्ञान के योग्य शिक्षकों को 10,000 पाउंड के ''अंतरराष्ट्रीय पुनर्वास भुगतान'' के जरिये लुभाया जा रहा है। यह जानकारी ब्रिटिश मीडिया में प्रकाशित एक खबर से सामने आई है। समाचार पत्र 'द टाइम्स' की खबर में कहा गया है कि इस साल भारत और नाइजीरिया जैसे देशों से गणित, विज्ञान और के सैकड़ों शिक्षकों को ब्रिटेन लाया जाएगा। खबर में यह भी कहा गया है कि इस अभियान का अन्य देशों और विषयों में भर्ती के संबंध में विस्तार करने की योजना है।

शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रयोगिक तौर पर चलाया जा रहा 'इंटरनेशनल रिलोकेशन पेमेंट्स' (आईआरपी) अभियान विदेशी शिक्षकों को ब्रिटेन में नौकरी की पेशकश करता है और इसके तहत वीजा, प्रवासन स्वास्थ्य अधिभार और अन्य स्थानांतरण खर्चे शामिल होते हैं। ब्रिटिश अधिकारी आगामी शैक्षणिक वर्ष में आईआरपी के तहत 300 से 400 शिक्षकों की भर्ती की उम्मीद करते हैं और अगर यह अभियान विदेशी कर्मचारियों को आकर्षित करने में सफल साबित होता है, तो इसे अन्य विषयों में भी लागू किया जा सकता है। 'द टाइम्स' की खबर के अनुसार, शिक्षकों की संख्या बढ़ाने के प्रयास में ब्रिटिश सरकार ने एक विदेशी भर्ती पहल शुरू की है, जिसके तहत भारत, घाना, सिंगापुर, जमैका, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे से गणित, विज्ञान और भाषा-शिक्षण योग्यता के शिक्षकों को ब्रिटेन में नौकरी की पेशकश की जा रही है। योग्य शिक्षकों के पास एक डिग्री, मान्यता प्राप्त शिक्षक-प्रशिक्षण योग्यता और कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए। ऐसे शिक्षकों को इंटरमीडिएट स्तर तक की अंग्रेजी बोलना आना भी अनिवार्य है।

वे अपनी असफलताओं के लिए अतीत में किसी न किसी को दोषी ठहराते हैं : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कांग्रेस के मंत्री का नाम लिए बिना कहा, '' मुझे याद है कि कांग्रेस के शासन के दौरान एक ट्रेन हादसा हुआ था। उस समय कांग्रेस ने यह नहीं कहा था कि 'ट्रेन हादसा अंग्रेजों की गलती की वजह से हुआ'। कांग्रेस के मंत्री ने कहा था, ' यह मेरी जिम्मेदारी है और मैं इस्तीफा दे रहा हूं'। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि वे भविष्य के बारे में कभी बात नहीं करते और हमेशा अपनी विफलताओं के लिए अतीत में किसी न किसी को दोषी ठहराते हैं। अमेरिका की यात्रा पर आए राहुल ने यहां जेविट्स सेंटर में प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने ओडिशा ट्रेन हादसे में जान गंवाने वालों की आत्मा की शांति के लिए 60 सेकंड का मौन रखा। गौरतलब है कि ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना में कम से कम 280 लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद रेलवे सुरक्षा को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ लोग रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग भी कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने कांग्रेस के मंत्री का नाम लिए बिना कहा, '' मुझे याद है कि कांग्रेस के शासन के दौरान एक ट्रेन हादसा हुआ था। उस समय कांग्रेस ने यह नहीं कहा था कि 'ट्रेन हादसा अंग्रेजों की गलती की वजह से हुआ'। कांग्रेस के मंत्री ने कहा था, ' यह मेरी जिम्मेदारी है और मैं इस्तीफा दे रहा हूं'। हमारे देश में यही समस्या है हम बहाने बनाते हैं, हम सच्चाई को स्वीकार कर उसका सामना नहीं करते।'' उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) दूरदर्शी नहीं हैं। राहुल ने कहा, '' वह (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) गाड़ी चलाने की कोशिश कर रहे हैं... भारत की गाड़ी और वह पीछे (शीशे में) देखकर गाड़ी चला रहे हैं। इसलिए उन्हें समझ नहीं आ रहा कि गाड़ी लड़खड़ा क्यों रही है और आगे क्यों नहीं बढ़ पा रही है।

भाजपा और आरएसएस के साथ भी यही है, सभी के साथ। आप मंत्रियों की बातें सुनें, प्रधानमंत्री की बात सुनें। आप उन्हें कभी भविष्य के बारे में बात करते नहीं पाएंगे। वे केवल अतीत की बात करते हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' भाजपा और आरएसएस दूरदर्शी नहीं हैं। वे कभी भविष्य की बात नहीं करते, वे केवल अतीत की बात करते हैं और अपनी विफलताओं के लिए हमेशा अतीत में किसी को दोषी ठहराते हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है- एक जिस पर कांग्रेस विश्वास करती है और दूसरी जिसे भाजपा तथा आरएसएस मानती है। राहुल ने कहा, '' इसे समझाने का सबसे सरल तरीका यह है कि एक तरफ आपके पास महात्मा गांधी हैं और दूसरी तरफ नाथूराम गोडसे।''

उन्होंने अमेरिका में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय की भी सराहना की। राहुल ने कहा, '' जितने भी महान लोग भारत से हुए हैं, आप देख सकते हैं कि उन सभी में कुछ खास गुण हैं। उन्होंने सत्य की खोज की, उसका प्रसार किया और उसके लिए संघर्ष किया। वे सभी लोग विनम्र थे और उनमें किसी प्रकार का अहंकार नहीं था। अमेरिका में भारतीयों ने इसी तरह काम किया है और इसीलिए यहां भारतीय सफल हैं। मैं इसके लिए आपका बेहद सम्मान करता हूं।

मरियम नवाज ने पूर्व पीएम को बताया हिंसक घटनाओं का मास्टर माइंड

अपने संबोधन के दौरान मरियम नवाज ने 9 मई की घटनाओं के बारे में बात की, इसी दिन इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद पूरे पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान का मजाक उड़ाते हुए कहा कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के पार्टी को अलविदा कहने के बाद सारा खेल खत्म हो गया। मरियम नवाज ने पीएमएल-एन के युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के वेहारी में भाषण दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने 9 मई की घटनाओं के बारे में बात की, इसी दिन इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद पूरे पाकिस्तान में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

मरियम नवाज ने पीटीआई नेताओं के सामूहिक प्रस्थान पर इमरान खान की पार्टी का मजाक उड़ाते हुए कहा कि पार्टी छोड़ने वालों के सवाल थे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ नेताओं का पलायन तब शुरू हुआ जब सुरक्षा बलों ने रावलपिंडी में जनरल मुख्यालय और लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस (जिन्ना हाउस) सहित नागरिक और सैन्य संस्थानों पर हमलों के बाद पार्टी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। पार्टी के 70 से अधिक वकीलों और नेताओं ने 9 मई की तबाही के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से नाता तोड़ लिया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का मजाक उड़ाते हुए कहा कि आपके लोग खुलासा कर रहे हैं कि इमरान खान 9 मई घटनाओं का मास्टरमाइंड हैं। पीएमएल-एन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि इमरान खान 9 मई के 'आतंकवाद' का मास्टरमाइंड हैं, लेकिन उसके कार्यकर्ता आतंकवाद विरोधी अदालत का सामना कर रहे हैं।

ईडी ने गुजरात की कंपनी के 25 ठिकानों पर मारा छापा

122 करोड़ की जीएसटी चोरी का आरोप

ईडी ने बताया कि मामले में 25 स्थानों पर छापा मारा गया था। छापेमारी के दौरान आधार कार्ड से मोबाइल नंबर बदलने के लिए फॉर्म,फर्जी संस्थाओं से जारी किए गए फर्जी बिल और डिजिटल सबूत और 29 लाख रुपये नकद और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे।

प्रवर्तन निदेशालय ने जीएसटी चोरी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में गुजरात की कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की है। ईडी ने इस मामले में कई शहरों में छापेमारी कर 29 लाख रुपये की नकदी जब्त की है। जांच एजेंसी ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि गुजरात की कंपनी पर 122 करोड़ रुपये की कथित जीएसटी चोरी का आरोप है।

जांच एजेंसी ने बताया कि मोहम्मद एजाज बोमर और अन्य के खिलाफ एक मामले में दो जून को अहमदाबाद, भावनगर, बोटाद, गांधीधाम और मुंबई और बेंगलुरु में 25 स्थानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान आधार कार्ड से मोबाइल नंबर बदलने के लिए फॉर्म,फर्जी संस्थाओं से जारी किए गए फर्जी बिल और डिजिटल सबूत और 29 लाख रुपये नकद और कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे। इस छापेमारी में उन संस्थाओं पर फोकस किया गया था, जिनके आधार पर नकली जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) फर्में बनाई गई थीं। इतना ही नहीं इन संस्थाओं का उपयोग फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) देने के लिए किया गया था। इस मामले में पहले गुजरात की भावनगर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में यह मामला ईडी ने अपने हाथ में ले लिया। उसने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत दोबारा मामला दर्ज किया।

1102 करोड़ रुपये के जारी किए गए नकली चालान

इस मामले में पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट के मुताबिक,आरोपी ने सरकारी योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता का वादा करने वाले कई व्यक्तियों के आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर बदल दिए। बाद में पैन तथा फिर जीएसटी पंजीकरण हासिल करने के लिए इन आधार विवरणों का इस्तेमाल किया। ईडी ने चार्जशीट के हवाले से यह भी बताया है कि 461 फर्जी फर्मों के इस्तेमाल से 1,102 करोड़ रुपये से अधिक के नकली चालान जारी किए गए और 122 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई।

ऐसे करते थे धोखाधड़ी

ईडी ने यह भी बताया है कि आरोपी जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने के लिए जाली दस्तावेजों के माध्यम से फर्जी

संस्थाएं बना रहे थे। बाद में, इन फर्जी संस्थाओं द्वारा कमीशन के आधार पर फर्जी चालान बनाकर लाभार्थियों को आईटीसी दिया गया। इन फर्जी चालान का भुगतान बैंकिंग चैनलों के जरिए किया गया था। इस तरह बाद में फर्जी संस्था के ऑपरेटर और लाभार्थी के बीच में नकदी में राशि ली जाती थी।

ईडी ने रियल्टी समूहों IREO और M3M पर छापे मारे

वहीं, एक अन्य मामले में ईडी ने रियल्टी समूहों IREO और M3M पर छापे मारे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को इसके बारे में जानकारी दी है। जांच एजेंसी ने कहा कि मुंबई में रियल इस्टेट कंपनियों आईआरईओ और एम3एम पर छापेमारी के दौरान फेरारी, लेम्बोर्गिनी और बेंटले समेत 60 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें और 5.75 करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण जब्त किए हैं। संघीय एजेंसी ने बयान में यह भी कहा कि दिल्ली और गुरुग्राम में उनके सात ठिकानों पर एक जून को तलाशी ली गई थी। ईडी ने यह आरोप भी लगाया है कि एम3एम समूह के मालिक, नियंत्रक और प्रवर्तक बसंत बंसल, रूप कुमार बंसल, पंकज बंसल और अन्य प्रमुख व्यक्ति छापे के दौरान जानबूझकर जांच से बचते रहे।

एजेंसी पिछले कुछ सालों से निवेशकों और ग्राहकों के फंड को डायवर्ट करने, बेईमानी से निकालने और गबन करने के आरोप में IREO समूह की जांच कर रही है। इस मामले की जांच के दौरान पता चला कि M3M समूह भी ऐसी गतिविधियों में संलिप्त है। इस समूह के माध्यम से बड़ी मात्रा में सैकड़ों करोड़ रुपये की धनराशि का गबन किया गया था। सीबीआई ने एम्ब्रेयर भ्रष्टाचार मामले में हथियारों के सौदागर अरविंद खन्ना, वकील गौतम खेतान और कारोबारी अनूप गुप्ता के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। सीबीआई के मुताबिक ब्राजील के पक्ष में डीआरडीओ के साथ तीन-विमान सौदे को अंतिम रूप देने के लिए अधिकारियों को 57.6 लाख अमेरिकी डॉलर रिश्वत दी गई थी। सीबीआई की एक विशेष अदालत में हाल ही में दाखिल आरोपपत्र में एजेंसी ने खन्ना, खेतान और गुप्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के प्रावधान) के तहत आरोप लगाये। सीबीआई ने एफआईआर में नामित एनआरआई कारोबारी विपिन खन्ना की मौत के बाद उसके खिलाफ कार्यवाही बंद कर दी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के हवाई-वाहित रडार सिस्टम स्थापित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले तीन विमानों का सौदा 2008 में ब्राजील की फर्म एम्ब्रेयर के साथ किया गया था। सीबीआई के मुताबिक, डीआरडीओ में अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए सिंगापुर स्थित इंटरदेव के माध्यम से एंब्रायर की सहायक कंपनियों से विपिन खन्ना को कथित तौर पर 57.6 लाख अमेरिकी डालर की रिश्वत दी गई थी। सीबीआई ने एफआईआर में 3 जुलाई, 2008 को हुए सौदे में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में एम्ब्रेयर और इंटरदेव पीटीई लिमिटेड के खिलाफ भी मामला दर्ज किया था। सीबीआई ने ब्राजील के एक अखबार में एम्ब्रेयर पर सऊदी अरब और भारत में सौदे करने के लिए बिचौलियों के इस्तेमाल वाले आरोपों के बाद सितंबर 2016 में जांच शुरू की थी।

प्रवासी भारतीयों से पीएम मोदी ने कहा-

भारत की कामयाबी में सभी का योगदान, हर भारतवासी नायक

पीएम मोदी ने मिस्र यात्रा के दौरान मशहूर चिंतक और पेट्रोलियम रणनीतिकार तारेक हेग्गी व पश्चिम एशिया व उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र में मिस्र की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार हसन आलम होल्डिंग के सीईओ हसन आलम समेत प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र में प्रवासी भारतीयों से मुलाकात के दौरान कहा कि भारत की सफलता में सबका योगदान है। विश्व में रह रहे समस्त भारतवासी नायक हैं। देश के लोग मेहनत करते हैं, देश की तरक्की होती है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के समापन के बाद शनिवार को काहिरा पहुंचे मोदी का रिट्ज कार्लटन होटल में जोरदार स्वागत किया गया। मोदी जहां मिस्र में रह रहे भारतवासियों के स्वागत से अभिभूत हुए, वहीं उनका स्वागत करके प्रवासी भारतीय भी गदगद दिखे।

अधिकतर सदस्यों ने अमेरिकी संसद में मोदी के ऐतिहासिक संबोधन व उनके नेतृत्व में देश की आर्थिक प्रगति की सराहना की। पीएम मोदी 26 वर्षों में मिस्र की द्विपक्षीय यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। होटल रिट्ज कार्लटन में प्रवासी भारतीयों से बातचीत के दौरान समुदाय के एक सदस्य ने पीएम मोदी से कहा, आप भारत के नायक हैं। इसके जबाव में पीएम मोदी ने कहा, हर भारतीय नायक है। भारत की सफलता आपकी मेहनत का नतीजा है। आपकी तपस्या काम कर रही है। इससे पहले भारतीयों ने पीएम मोदी के पहुंचने पर तिरंगे लहराते और वंदे मातरम की नारेबाजी के साथ उनका स्वागत किया। मिस्र की एक महिला जेना ने ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे गाने के साथ स्वागत किया तो पीएम मोदी चकित रह गए। जेना ने बताया कि वह बहुत कम हिंदी जानती हैं। इस पर पीएम ने कहा, किसी को पता नहीं चलेगा कि आप मिस्र की बेटी हो या हिंदुस्तान की बेटी हो।

बोहरा समुदाय से की मुलाकात

बोहरा समुदाय का पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात से गहरा नाता है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, मिस्र में भारतीय प्रवासियों के गर्मजोशी भरे स्वागत से प्रभावित हुआ। उनका समर्थन व प्रेम हमारे राष्ट्रों के शाश्वत बंधन का प्रतीक है। वहीं, पीएम मोदी ने अल-हकीम मस्जिद में भी भारतवंशियों से मुलाकात की। मुलाकात के बाद भारतवंशी शुजाउद्दीन शब्बीर तांबावाला ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमसे बातचीत की और हालचाल पूछा...जैसा परिवार के सदस्य करते हैं।

हेग्गी ने वैश्विक मुद्दों पर साझा किया व्यावहारिक नजरिया : अमेरिकी विश्वविद्यालय में कॉप्टिक अध्ययन केंद्र व टोरंटो विश्वविद्यालय के यहूदी-मुसी55लिम अध्ययन केंद्र में हेग्गी से मुलाकात के बाद पीएम ने ट्वीट किया, विख्यात चिंतक ने वैश्विक मुद्दों पर व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किया। विभिन्न संस्कृतियों के संबंध में उनके समृद्ध ज्ञान का सम्मान करता हूं। उल्लेखनीय है कि हेग्गी अरबी, अंग्रेजी, इतालवी, फ्रेंच भाषाओं में 30 किताबें लिख चुके हैं।

वैश्विक भूराजनीति, ऊर्जा सुरक्षा व भारतीय कंपनियों से करीबी सहयोग पर की चर्चा : पीएम मोदी ने मिस्र यात्रा के दौरान मशहूर चिंतक और पेट्रोलियम रणनीतिकार तारेक हेग्गी व पश्चिम एशिया व उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्र में मिस्र की सबसे बड़ी कंपनियों में शुमार हसन आलम होल्डिंग के सीईओ हसन आलम समेत प्रमुख हस्तियों से मुलाकात की। पीएम ने इन हस्तियों के साथ वैश्विक भूराजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, कट्टरता व विभिन्न क्षेत्रों की भारतीय कंपनियों से करीबी सहयोग पर चर्चा की। आलम ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की निजी कंपनियां बुनियादी ढांचा, इंजीनियरिंग व औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से विकास कर रही हैं।

आलम ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी एक असाधारण व्यक्ति हैं...बुद्धिमान, विनम्र, महान दूरदर्शी। मुझे उनके साथ बैठक जानकारीपूर्ण, शिक्षाप्रद व प्रेरणादायी लगी। हमें भारत के निजी क्षेत्र से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

अल हाकिम मस्जिद देखकर बोले मोदी- मैं हुआ सम्मानित

पीएम मोदी ने 11वीं सदी की ऐतिहासिक अल-हाकिम मस्जिद देखी और इसे अपने लिए सम्मान बताया। भारत के दाऊदी बोहरा समुदाय ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। इसे भारत और मिस्र की संस्कृतियों का संगम दर्शाने वाली वाली मस्जिद माना जाता है।

भीषण ट्रेन हादसा

288 मौत, घायलों का अंबार

उड़ीसा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार 2 जून की शाम करीब साढ़े सात बजे 3 ट्रेनें दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से हादसे का शिकार हो गई। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 288 पर पहुंच गई है। 900 से ज्यादा घायल इलाज के लिए भर्ती किए गए हैं इनमे कई गंभीर भी हैं। यहां 5 आर डी एफ की कई टीम और कई दर्जन एम्बुलेंस बसे तथा सैकड़ों राहत कर्मी रात भर से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रखे है। जबकि अभी भी ट्रेन के नीचे कई लोगों के फंसे होने की ख़बर है। आसपास के सभी अस्पतालों में घायलों का अंबार लग गया। भीषण ट्रेन हादसे के बाद रक्तदान करने के लिए लोगों की कतार लगी हुई है।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हावड़ा जा रही 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे बाहानगा बाजार में पटरी से उतर गए और दूसरी पटरी पर जा गिरे। उन्होंने कहा, ''पटरी से उतरे ये डिब्बे 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए और इसके डिब्बे भी पलट गए।'' अधिकारी ने कहा कि कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतरने के बाद एक मालगाड़ी से टकरा गए, जिससे मालगाड़ी भी हादसे की चपेट में आ गई केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मैंने यह पता लगाने के लिए उच्च-स्तरीय जांच करने का आदेश दिया है कि यह दुर्घटना क्यों हुई। मुख्य कारण तक पहुंचना महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बालासोर ट्रेन हादसे के गहरा दुःख जताया हैं वहीं इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को मुआवजा देने का ऐलान किया है। पीएमओ के मुताबिक, घायलों के लिए 50 हजार रुपये दिए जाने की घोषणा की गई है केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल में कोलकाता की अपनी यात्रा बीच में ही छोड़ दी और ओडिशा के बालासोर में रात से ही हैं। बालासोर में हादसा स्थल पर पहुंचीं TMC सांसद डोला सेन ने कहा कि मैंने ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना अपनी ज़िंदगी में कभी नहीं देखी। दोनों यात्री ट्रेनें पूरी तरह से भरी हुईं थीं। दोनों ट्रेनों में मिलाकर 3000 से 4000 यात्री हो सकतें है।

उड़ीसा के सूचना और जनसंपर्क विभाग ने बताया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने एक दिन के राजकीय शोक का आदेश दिया है।

कोल्ड रूम में पड़े हैं अज्ञात शव, अपनों को घर ले जाने का इंतजार कर रहे परिजन

ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसे के बाद पीड़ितों के परिजन अभी भी अपने प्रियजनों के शव को तलाश रहे हैं। शवों को एम्स और पांच अन्य केंद्रों पर रखा गया है। शवों को लेने के लिए पीड़ित परिजन डीएनए सैंपल देने के लिए भुवनेश्वर एम्स में इकट्ठा हुए हैं। एक पीड़ित के पिता ने न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए कहा कि अस्पताल ने उन्हें अपने बेटे का शव देने से इनकार कर दिया है, क्योंकि उसकी डीएनए रिपोर्ट अभी बाकी है। पीड़ित पिता ने बताया, 'मेरे बेटे की ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु हो गई। उसके साथ तीन और लोग थे। दो मिल गए हैं और एक अस्पताल में है। मैंने अपने बेटे के शव की पहचान कर ली है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने उसका शव देने से अभी इनकार कर दिया है। मैंने हाथ में बंधे हुए धागे से अपने बेटे की पहचान की है। अस्पताल प्रशासन डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही शव सौपेंगा। मेरे पास खाने के लिए पैसे नहीं हैं। मैं अपने बेटे का शव अपने साथ ले जाने के लिए आया हूं।'

कई लोग अपना डीएनए सैंपल देने के बाद अपने घरों को लौट गए हैं, क्योंकि उनके पास रहने की कोई व्यवस्था नहीं थी, जबकि उनमें से कुछ अपने परिजनों के शव मिलने की उम्मीद खो चुके हैं और घर जाने की योजना बना रहे हैं।

सभी नमूने दिल्ली भेजने का फैसला : पीड़ित के एक भाई ने कहा, 'वे (अस्पताल प्रशासन) कह रहे हैं कि उन्हें अभी तक मेरे भाई का शव नहीं मिला है। अब, मैं अपने घर लौटने के बारे में सोच रहा हूं। मैं जितना कर सकता था मैंने कोशिश की है, लेकिन अब तीन दिन हो गए हैं। मैंने अपना डीएनए सैंपल दे दिया है।' अब तक कुल 30 सैंपल लिए जा चुके हैं। इस बीच, सरकार ने सभी डीएनए नमूने दिल्ली एम्स भेजने का फैसला किया है। शवों को कोल्ड रूम में रखा गया है, क्योंकि डीएनए रिपोर्ट के लिए 7-8 दिनों का इंतजार करना होगा।

ट्रेन हादसे में अब तक मरने वालों की संख्या 288

इस बीच, ओडिशा के मुख्य सचिव प्रदीप कुमार जेना ने मंगलवार को कहा कि बालासोर ट्रेन दुर्घटना में मरने संख्या 288 हो चुकी है। 288 शवों में से 193 को भुवनेश्वर और 94 शवों को बालासोर भेजा गया। वहीं भद्रक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ने वाले एक व्यक्ति का शव उसके एक रिश्तेदार को सौंप दिया गया। ओडिशा के मुख्य सचिव ने कहा कि भुवनेश्वर भेजे गए 193 शवों में से 110 की पहचान कर ली गई है और 83 की पहचान की जानी बाकी है। इससे पहले सोमवार को अधिकारियों ने कहा था कि अभी 101 शवों की पहचान की जानी बाकी है। न्यूज एजेंसी ANI से बात करते हुए पूर्वी मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक रिंकेश रॉय ने कहा कि ओडिशा के विभिन्न अस्पतालों में अभी भी लगभग 200 लोगों का इलाज चल रहा है।

उड़ीसा के मुख्यमंत्री पटनायक पहुंच ही रहें हैं जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी यहां 10 बजे हेलीकॉप्टर से आ रही हैं। ममता बनर्जी ने मिदनापुर से SDO, SDPO, ADM, डॉक्टर आदि को भेजा है।

बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बालासोर ट्रेन हादसे पर दुख जताते हुए कहा, 'ये भयावह रेल हादसा अत्यंत ही दुखद और मन को शोकाकुल कर देने वाला है। मैं इस हृदय विदारक घटना से मर्माहत हूं। इस भीषण रेल दुर्घटना को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने केंद्र सरकार के 9 साल पूरे होने के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के साथ–साथ देश भर में होने वाले अपने सारे कार्यक्रमों को आज के लिए स्थगित कर दिया है। मैं परमपिता परमेश्वर से शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। ईश्वर मृत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें।'

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हादसे पर दुख जताया है। बालासोर में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे पर अमेरिकी विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो (SCA) ने भी शोक जताया है। उधर इस हादसे में भी राजनीति करते हुए पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने उड़ीसा में हुए भीषण ट्रेन हादसे को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र ऐसे हादसों को रोकने के लिए ट्रेनों में टक्कर रोधी डिवाइस लगवाने की उपेक्षा करते हुए विपक्षी नेताओं की जासूसी करने के लिए सॉफ्टवेयर पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है।

42 साल पुराने मामले में 90 वर्षीय बुजुर्ग को आजीवन कारावास

फिरोजाबाद की जिला अदालत ने 42 साल पहले 10 दलितों की हत्या के एक मामले में 90 वर्षीय एक बुजुर्ग को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला शासकीय अधिवक्ता ने शनिवार को बताया कि अदालत ने दोषी गंगा दयाल पर 55,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला 1981 में जिला मैनपुरी के थाना शिकोहाबाद के अंतर्गत घटित हुआ था जो अब फिरोजाबाद जिले की मक्खनपुर थाना कोतवाली के अंतर्गत आता है।

फिरोजाबाद जिला फरवरी 1989 में अस्तित्व में आया। जिला शासकीय अधिवक्ता राजीव उपाध्याय ने बताया कि 42 वर्ष पूर्व दिसंबर 1981 में गांव साढूपुर में 10 दलितों की गोली मारकर हत्या की गई थी। उन्होंने बताया, " पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर 10 आरोपियों के खिलाफ मैनपुरी की एक अदालत में आरोप पत्र दायर किया था।" उपाध्याय ने बताया, " एक अक्टूबर 2021 को मामला फिरोजाबाद के जिला न्यायाधीश हरवीर सिंह की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया (चूंकि साढूपुर, मक्खनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है)।"

जिला शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि जिन 10 आरोपियों को आरोपपत्र में अभियुक्त बनाया गया था उनमें से नौ लोगों की सुनवाई के दौरान मौत हो गई जबकि 90 वर्षीय गंगा दयाल ही जीवित बचा था जिसे न्यायाधीश हरवीर सिंह की अदालत ने बृहस्पतिवार को गवाहों और सबूतों के बयानों के आधार पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने कहा कि अदालत ने उसपर 55 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड न भरने की स्थिति में 13 माह की अतिरिक्त सजा भुगतने का भी आदेश सुनाया है।

दिग्विजय बोले- रेल मंत्री में थोड़ी बहुत शर्म होगी तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि रेल मंत्री बार-बार कहते हैं कि हमारा सिस्टम फुलप्रूफ है तो किसी भी तरह से इस प्रकार का हादसा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने पूर्व में एक रेल हादसे में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

ओडिशा के बालासोर में हुए ट्रेन हादसे में 280 लोगों से ज्यादा की मौत हो गई है जबकि 1000 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। फिलहाल राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। घटनास्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। इन सब के बीच इस मामले को लेकर राजनीति भी जबरदस्त तरीके से हो रही है। विपक्ष रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से लगातार इस्तीफे की मांग कर रहा है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि रेल मंत्री बार-बार कहते हैं कि हमारा सिस्टम फुलप्रूफ है तो किसी भी तरह से इस प्रकार का हादसा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने पूर्व में एक रेल हादसे में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हमें मोदी जी के मंत्रिमंडल से ऐसी उम्मीद नहीं है लेकिन उनमें थोड़ी बहुत शर्म होगी तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

बालासोर हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस भयानक घटना में सैकड़ों लोगों की मृत्यु हुई और सौकड़ों लोग घायल हुए। ये देखकर मुझे गहरा दुख हुआ है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जो लोग घायल हुए हैं, उनकी कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता मदद कर रहे हैं। इस घड़ी में हम सभी को एक होकर लोगों की मदद करनी चाहिए। कर्नाटक सरकार भी इसमें लोगों की मदद कर रही है। मैं दिवंगत लोगों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री और रेलवे मंत्री से ये सवाल पूछना है कि इस घटना का जिम्मेदार कौन है?

पीएम मोदी ने कहा कि यह एक दर्दनाक घटना है। सरकार घायलों के इलाज के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह एक गंभीर घटना है, हर कोण से जांच के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि दोषी पाए जाने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।

रेलवे ट्रैक बहाली की दिशा में काम कर रहा है। मैंने घायल पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि कल शाम को एक भयंकर हादसा हुआ, असहनीय वेदना मैं अनुभव कर रहा हूं। इस यात्रा में अनेक राज्यों के नागरिकों ने कुछ न कुछ गंवाया है। कई लोगों ने अपना जीवन खोया है। जिन परिवारजनों को injury हुई है, सरकार उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए भी कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी।

डीजीपी सुधीर सक्सेना ने कहा... गुड सेमेरिटन बनें, लोगों का जीवन बचाएं

लोगों की जान बचाने सख्त कानूनी प्रावधान आवश्यक : गृहमंत्री मिश्रा

सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श के उद्देश्य से भोपाल के होटल कोर्टयार्ड मैरियट में 29 से 31 मई 2023 तक पहली 'विजन जीरो समिट' का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन समारोह 29 मई को शाम 4 बजे से आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा बतौर मुख्य अतिथि और डीजीपी श्री सुधीर सक्सेना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर गृहमंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि नागरिकों की जान बचाने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान किए जाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मैनिट, भोपाल के डीन डॉ. मनमोहन कापसे ने की । समिट को परिवहन आयुक्त श्री एस.के.झा एवं मैनिट के डायरेक्टर डॉ.रमाशंकर वर्मा ने संबोधित किया।

डीजीपी सुधीर सक्सेना ने कहा कि सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। यह आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा है। विजन जीरो कहता है कि कोई मृत्यु न हो, कोई दुर्घटना न हो। यदि हमें विजन जीरो लागू करना है तो हमें विजन जीरो की फिलॉसॉफी निश्चित करनी होगी। हमें माइंडसेट चेंज करना होगा। हमें हर व्यक्ति को यह विश्वास दिलाना होगा कि मानव जीवन बहुमूल्य है। सड़क सुरक्षा हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। हमें चार "ई" पर काम करना होगा और ये चार ई हैं- एजुकेशन, इंजीनियरिंग (रोड और ऑटोमोबाइल), एन्फोर्समेंट और इमरजेंसी केयर। यह विजन जीरो की ओर जाने की होलिस्टिक एप्रोच होगी।

उन्होंने बताया कि विश्व में एक साल में लगभग 13 लाख लोगों की मृत्यु होती है और 5 करोड़ लोग घायल होते हैं। इन में 90 प्रतिशत मृत्यु लो और मिडिल इनकम वाले देशों में होती है। सड़क दुर्घटनाओं में यूएसए प्रथम स्थान पर है, वहीं भारत दूसरे स्थान पर हैं, परंतु सर्वाधिक मृत्यु हमारे देश में होती हैं, जो कि अत्यंत खराब स्थिति है। 2021 में हमारे देश में दुर्घटनाओं से लगभग डेढ़ लाख लोगों की मृत्यु हुई। मृत्यु से परिवारजन को जो दुख और पीड़ा होती है, वह तो है ही, लेकिन उसके साथ ही आप अंदाजा लगाइये कि हमारी जीडीपी का लगभग 4 प्रतिशत कम होता है। सड़क दुर्घटनाओं में 18 से 45 वर्ष के 67 प्रतिशत लोग प्रभावित होते हैं। अक्सर यह होता है कि सड़क पर किसी घायल व्यक्ति को देखकर, लोग मदद करने से कतराते हैं। यह सोच बन गई है कि कौन पुलिस के चक्कर में पड़े, परंतु अब शासन ने गुड सेमेरिटन स्कीम शुरू की है। इसके अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति घायल को अस्पताल पहुंचाता है तो उसे इनाम दिया जाएगा। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने और लोगों को प्रेरित करने की आवश्यकता है, ताकि गोल्डन ऑवर में घायलों की सहायता कर उनका जीवन बचाया जा सके। समिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए परिवहन आयुक्त एस.के.झा ने कहा कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंतन किए जाने की आवश्यकता है। तीन दिन आयोजित होने वाली इस समिट में होने वाले मंथन से हम मध्य प्रदेश को सुरक्षित बनाने में और बेहतर तरीके से योगदान दे पाएंगे।

इस अवसर पर मैनिट के डायरेक्टर डॉ. रमाशंकर वर्मा ने कहा कि 'विजन जीरो समिट' में देश के अलग-अलग हिस्सों से शोधार्थी आए हैं। इस समिट में तीन दिनों तक होने वाले विचार मंथन के सार्थक परिणाम जरूर सामने आएंगे। उद्घाटन समारोह के अंत में मैनिट के डीन डॉ. मनमोहन कापसे ने आभार व्यक्त किया। समिट का उद्देश्य मैदानी अधिकारियों को प्रभावी यातायात प्रवर्तन एवं नियंत्रण संबंधी सलाह देना है, जिससे सड़क सुरक्षा में नई पहल के साथ काम करने में सहूलियत हो । इस सम्मेलन में भारतीय विज्ञान संस्थान (IIS) बेंगलुरु, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (CRRI), नई दिल्ली, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) जैसे भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों से सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले शोधकर्ताओं, प्रोफेसरों, नीति निर्माताओं, अनुसंधान विद्वानों और चिकित्सकों और प्रशासकों द्वारा अपने विचार रखे जाएंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पहल...

अब हफ्ते में 6 दिन राष्ट्रपति भवन की कर सकेंगे सैर..

एक जून से लोग सप्ताह में छह दिन राष्ट्रपति भवन देखने जा सकेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजपत्रित अवकाश को छोड़कर एक जून से लोग मंगलवार से रविवार तक राष्ट्रपति भवन जा सकेंगे। यह भवन पांच एकड़ में बना है। इस चार मंजिला भवन में 340 कमरे हैं। इसमें 190 एकड़ में उद्यान क्षेत्र है।

राष्ट्रपति भवन अब आम जनता के लिए हफ्ते में 6 दिन खुला रहेगा। यह व्यवस्था एक जून से लागू होगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पहल पर यह बदलाव किया गया है। जानकारी के मुताबिक सार्वजनिक और राजपत्रित अवकाश को छोड़कर एक जून से लोग मंगलवार से रविवार तक राष्ट्रपति भवन जा सकेंगे। इसके अलावा लोग अब एक घंटा और भवन में घूम सकेगा।

लोग अब सुबह साढ़े 9 बजे से शाम साढ़े चार बजे के बीच सात स्लॉट में राष्ट्रपति भवन में घूम सकेंगे। सोमवार को लोग राष्ट्रपति भवन और म्यूजियम के गाइडेड टूर का आनंद नहीं उठा पाएंगे। अभी तक सोमवार और मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के दरवाजे इस गाइडेड टूर के लिए बंद रहते थे। पहले बुधवार से रविवार तक सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक पांच टाइम स्लॉट में लोग राष्ट्रपति भवन घूमने जा सकते थे। राष्ट्रपति भवन म्यूजियम कॉम्प्लेक्स में भी आगंतुकों के लिए मंगलवार से रविवार तक खुला रहता है। लोग हर शनिवार को सुबह 8 बजे से 9 बजे तक राष्ट्रपति भवन के फोरकोर्ट में चेंज ऑफ गार्ड समारोह देख सकते हैं। इन सभी सुविधाओं के लिए राष्ट्रपति भवन की वेब साइट (http://rashtrapatisachivalaya.gov.in/rbtour/) के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर टाइम स्लॉट बुक कराए जा सकेंगे। राष्ट्रपति भवन की सैर के लिए एडवांस ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। यह रजिस्ट्रेशन मुफ्त है।

ऐसे करें रजिस्ट्रेशन : विंडो में आप अपने हिसाब से टाइम स्लॉट में बुकिंग करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद जब आप राष्ट्रपति भवन जाएंगे, वहां रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ आपको अपना फोटो पहचान पत्र भी दिखाना होगा।

ब्रिटिश वायराय का था आवासः राष्ट्रपति भवन पहले ब्रिटिश वायसराय का सरकारी आवास था। इसका निर्माण उस वक्त किया गया, जब साल 1911 में तय हुआ कि भारत की राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली शिफ्ट किया जाएगा। भवन के निर्माण में 17 साल लग गए थे। 26 जनवरी 1950 को इसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की स्थाई संस्थाओं को बढ़ावा दिया।

बने हैं 340 कमरेः राष्ट्रपति भवन चार मंजिला है और इसमें 340 कमरे हैं। राष्ट्रपति भवन बनाने के लिए लगभग 45 लाख ईंटें लगाई गई थीं। राष्ट्रपति भवन में इमारत के अलावा मुगल गार्डन और कर्मचारियों का भी आवास है। राष्ट्रपति भवन का निर्माण वास्तुकार एडविन लैंडसीयर लुट्येन्स ने किया था।

दरबार हॉलः राष्ट्रपति भवन के अंदर मौजूद दरबार

मंगलवार से रविवार तक प्रर्यटकों के लिए खुला रहेगा राष्ट्रपति भवन

हॉल में 33 मीटर की ऊंचाई पर 2 टन का झाड़फानूस लटका हुआ है। अंग्रजों के शासन में दरबार हॉल को सिंहासन कक्ष कहा जाता था।

सेंट्रल डोमः राष्ट्रपति भवन की सबसे बड़ी पहचान सेंट्रल डोम है। ये एतिहासिक सांची स्तूप की याद दिलाता है। ये गुंबद फोर कोर्ट के 55 फुट ऊपर भवन के मुकुट की तरह विराजमान है।

खंभों में घंटियों का डिजाइनः राष्ट्रपति भवन में खंभों में घंटियों का डिजाइन बना हुआ है। इन्हें डेली ऑर्डर भी कहा जाता है। अंग्रेज ऐसा मानते थे कि अगर घंटियां स्थिर रहें तो सत्ता स्थिर और लंबे वक्त तक चलेगी। इसलिए बड़ी संख्या में इन्हें यहां बनाया गया था लेकिन यह भवन बनते ही अंग्रेजों की सत्त डगमगाने लगी थी।

अशोक हॉल के कार्पेटः अशोक हॉल में हर तरह के बड़े समारोह किए जाते हैं। इसकी छत पर देश ही नहीं दूसरे देशों के सम्राटों के तौर-तरीकों की झलक दिखती है। छत पर ईरान साम्राज्य के सम्राट फतेह अली शाह की विशाल चित्रकारी अशोक हॉल की छत का केंद्र है, जिनके इर्द-गिर्द 22 राजकुमार शिकार करते नजर आ रहे हैं। बताया जाता है कि लेड विलिंगटन ने निजीतौर पर इटली के मशहूर चित्रकार Tomasso Colonnello को चित्रकारी का जिम्मा दिया था।

जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल बंद करने से 40% घटेगा प्रदूषण

आईआईटी-दिल्ली, आईआईटी-रोपड़ और दिल्ली विवि के सहयोग से आयोजित ग्रीन ऊर्जा कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधन का उपयोग न करके 40 फीसदी प्रदूषण को कम कर सकते हैं। इसके अलावा हर साल जीवाश्म ईंधन के आयात पर खर्च होने वाले 16 लाख करोड़ की बचत होगी, साथ ही प्रदूषण से होने वाली हजारों मौतें भी रुकेंगी। उन्होंने कहा, हमें नई तकनीकों के साथ ही मौजूदा तकनीक में सुधार की जरूरत है, लिहाजा, आईआईटी जैसे संस्थानों को स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीक लाने पर जोर देना चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुजरात में 30 लाख की रिश्वत से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आयकर विभाग के एक आईआरएस अधिकारी को गिरफ्तार किया है।

ईडी ने कहा कि गांधीनगर में तैनात रहे आयकर के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त संतोष करनानी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत 2 जून को हिरासत में लिया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है। सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद से ही करनानी जेल में बंद था। ईडी ने पूछताछ के लिए उसकी हिरासत मांगने के लिए अहमदाबाद में एक विशेष पीएमएलए अदालत का रुख किया था। कोर्ट ने करनानी को 9 जून तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। आईआरएस अधिकारी पर आरोप है कि उसने सफल कंस्ट्रक्शन प्रा.लि. के रूपेश बलवंतभाई ब्रह्मभट्ट से धारा अंगडिया नामक एक अंगडिया फर्म के माध्यम से 30 लाख रुपये की प्रारंभिक रिश्वत ली थी।

नौसैनिक जहाज अभ्यास में भाग लेने पहुंचा इंडोनेशिया

बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास कोमोडो और इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए भारतीय नौसेना का जहाज (सतपुड़ा) सोमवार को इंडोनेशिया के मकासर पहुंचा। यह 4 दिनी अभ्यास इंडोनेशिया के मकासर क्षेत्र में 8 जून तक चलेगा। एशियाई देशों में चल रही तैनाती के हिस्से के रूप में आईएनएस सतपुड़ा बहुपक्षीय अभ्यास में भाग ले रहा है।

क्रेडिट सुइस बैंक का अधिग्रहण 12 जून तक होगा : यूबीएस

स्विट्जरलैंड की यूबीएस बैंक ने कहा कि उसके लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी क्रेडिट सुइस बैंक का अधिग्रहण 12 जून तक पूरा होने की उम्मीद है। ज्यूरिख स्थित दो बैंक, लंबे समय से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं लेकिन अब 3.3 अरब डॉलर के एक सौदे के तहत एकजुट हो रहे हैं। मार्च में क्रेडिट सुइस के स्टॉक गिर गए थे और घबराए जमाकर्ताओं ने जल्दी में अपना पैसा निकाल लिया। इसके बाद विलय का रास्ता बना।

280 करोड़ रुपए के बैंक ऋण धोखाधड़ी में बिल्डर गिरफ्तार

अधिकारियों ने कहा, हरीश मेहता रोहन लाइफ स्पेसेज लिमिटेड और रोहन कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड के मालिक हैं। वे सालों से फरार चल रहे थे। भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत के आधार पर सीबीआई की आर्थिक अपराध शाखा ने उनके खिलाफ 2016 में आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत राजपूत रिटेल लिमिटेड (आरआरएल) समेत कई बैंक कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप है कि आरआरएल फर्म के निदेशकों ने एसबीआई से ऋण लेकर बैंक को 280 करोड़ रुपये का चूना लगाया। हरेश मेहता ने कर्ज लेकर फर्जी कंपनियां बनाईं और फिर 155 करोड़ रुपये की कर्ज राशि शेल कंपनियों को ट्रांसफर कर दी। घोटाले में एसबीआई के कई कर्मचारी भी शामिल थे।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किसी तरह का समझौता नहीं - पायलट

गहलोत संग सुलह के दावों के बाद पायलट ने फिर दिखाए अपने तेवर

सचिन पायलट ने कहा कि हम जैसे लोग अगर नौजवानों के लिए बात नहीं करेंगे तो उनके मन से उम्मीद खत्म हो जाएगी। आप सब जानते हैं कि बच्चों की बात आती है, नौजवानों की बात आती है, परीक्षा की बात आती है, पेपर लीक की बात आती है। परीक्षा कैसिंल होने की बात आती है।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और सीएम अशोक गहलोत के बीच चल रही अनबन के खत्म होने के दावे तो कांग्रेस की तरफ से किए जा रहे हैं, लेकिन वास्तविकता में ऐसा लगता प्रतीत नहीं हो रहा है। दोनों के बीच आलाकमान के साथ लंबी बैठक हुई और सुलह भी कराई गई। हालांकि सुलह के बाद गहलोत के सुर वही पुराने नजर आए। वहीं सचिन पायलट आज टोंक की यात्रा पर नजर आए जहां उन्होंने रोजगार, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी।

सचिन पायलट ने कहा कि हम जैसे लोग अगर नौजवानों के लिए बात नहीं करेंगे तो उनके मन से उम्मीद खत्म हो जाएगी। आप सब जानते हैं कि बच्चों की बात आती है, नौजवानों की बात आती है, परीक्षा की बात आती है, पेपर लीक की बात आती है। परीक्षा कैसिंल होने की बात आती है। रोजगार की बात आती है, अगर वो हमारी प्राथमिकता नहीं तो हमारी प्राथमिकता क्या है?

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि मैंने अपने राजनीतिक जीवन में चाहे मैं किसी पद पर हूं या न हूं प्रदेश के नौजवानों के बात को रखने में कमी नहीं रखी। आप मुझे हमेशा अपना समर्थन देते हैं और मैं भी आपके लिए हमेशा खड़ा हूं। किसी को गलतफहमी पालनी नहीं चाहिए आपका और मेरा नाता अटूट है इसे कोई नहीं तोड़ नहीं। पायलट ने कहा कि कोई भी दल हो या किसी का भी शासन हो नौजवान हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। अगर किसी के साथ पक्षपात हो रही है, अनदेखी किया जा रहा है। वो हमें बर्दाश्त नहीं होना चाहिए। मैं अपनी बात नहीं कर रहा हूं, मैं सभी लोगों की बात कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री से मिला सचिवालय कर्मचारियों का प्रतिनिधि मण्डल

सुशासन में कर्मचारियों की भूमिका अहम - सीएम

सचिवालय कर्मचारियों का प्रतिनिधि मण्डल मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत से मुख्यमंत्री आवास पर मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन देने में कर्मचारियों की भूमिका अहम है। राज्य सरकार द्वारा कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू की गई है। सेवा निवृत्ति के बाद कर्मचारियों का भविष्य शेयर मार्केट एवं म्यूचुअल फण्ड के अधीन नहीं रखा जा सकता है। ओपीएस बहाल होने से कर्मचारियों में अपने भविष्य को लेकर चिंता दूर हुई है। अन्य राज्यों में भी इसका अनुसरण किया गया है।

श्री गहलोत ने कहा कि आरजीएचएस के अंतर्गत कर्मचारियों को कैशलेस उपचार दिया जा रहा है। वर्ष में 2 बार डीपीसी करवाने, पदोन्नति के लिए अनुभव में शिथिलन, अग्रिम वेतन आहरण, सेवानिवृत्ति के दिन से ही पेंशन का लाभ देने जैसे निर्णयों से कर्मचारियों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि संविदाकर्मियों के लिए भी राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 लागू किए गए हैं। इससे उनके नियमन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। शोषण से बचाव हेतु ठेका प्रथा को समाप्त किया गया है।

राजस्थान सचिवालय निजी सचिव निजी सहायक सेवा संघ के अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के फैसलों से कर्मचारियों को राहत मिली है। राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री कपिल देव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समयबद्ध रूप से पदोन्नतियां दी जा रही है।

कमलनाथ के दामन पर सिख विरोधी दंगों के दाग : विश्वास सारंग

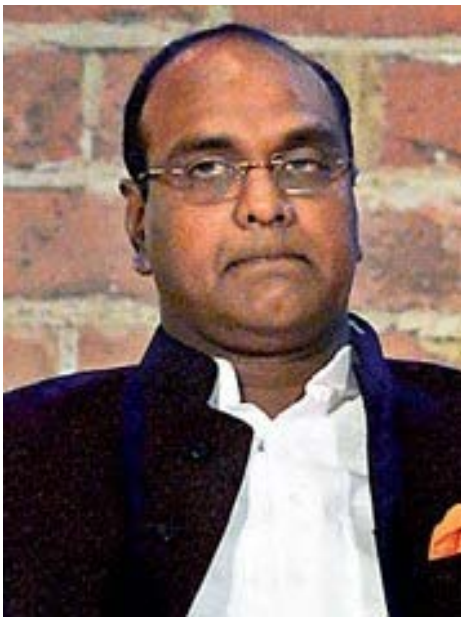

सारंग ने यहां आनन-फानन में बुलाई गई प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''कमलनाथ के दामन पर बड़ा दाग है। क्या इस तरह का दाग लेकर वे चुनाव (इस साल के अंत में होने वाला मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव) में कांग्रेस का नेतृत्व करेंगे? उन्हें जनता के बीच आकर बताना चाहिए कि क्या वे दंगों में संलिप्त थे?''

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ पर हमला बोलते हुए कहा कि उनके (कमलनाथ) दामन पर वर्ष 1984 में दिल्ली में हुए सिख विरोधी दंगों के दाग हैं और उन्हें इन दंगों में अपनी संलिप्तता पर सफाई देनी चाहिए। ये दंगे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के थे। सारंग ने यहां आनन-फानन में बुलाई गई प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''कमलनाथ के दामन पर बड़ा दाग है। क्या इस तरह का दाग लेकर वे चुनाव (इस साल के अंत में होने वाला मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव) में कांग्रेस का नेतृत्व करेंगे? उन्हें जनता के बीच आकर बताना चाहिए कि क्या वे दंगों में संलिप्त थे?''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में हर समय विभाजन की राजनीति की है। सारंग ने कहा, कांग्रेस नेतृत्व से मेरी मांग है कि सिख नरसंहार के आरोपी कमलनाथ को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया जाए, नहीं तो ये स्पष्ट हो जाएगा कि कांग्रेस सिखों के हत्यारे के नेतृत्व में चुनाव लड़ना चाहती है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस पार्टी इस मामले में मौन क्यों है? दिसंबर, 2018 से मार्च, 2020 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कमलनाथ फिलहाल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हैं और उम्मीद की जा रही है कि वे इस साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

सारंग ने कहा, ''इस देश के इतिहास में 1984 का सिख कत्लेआम काले धब्बों में से एक है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के नेताओं ने सिख भाई-बहनों का कत्लेआम किया था। हजारों भाई-बहन उस कत्लेआम में प्रभावित हुए थे।'' उन्होंने कहा, ''सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह थी कि उस कत्लेआम में जिन्होंने भीड़ का नेतृत्व किया था वह कांग्रेस के नेता थे। विशेष रूप से दिल्ली में जो बड़े स्तर पर कत्लेआम हुए थे, उसमें कांग्रेस के तीन नेताओं का हिस्सा लेना अलग-अलग विषय पर सबूत के साथ जनता के सामने प्रस्तुत हुआ था। इनमें एक सज्जन कुमार, दूसरे जगदीश टाइटलर और तीसरे कमलनाथ थे, चौथे नेता इस दुनिया में नहीं हैं। इन तीन लोगों का नाम बहुत ही प्रमुखता से उस समय की घटनाओं में लिया गया था।''

सारंग ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद इस पूरे विषय पर नानावटी आयोग ने जांच की और इसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में यह मामला गया। लेकिन, दुर्भाग्य यह हुआ कि 2004 में केन्द्र में कांग्रेस की सरकार आई और उसने इस मामले में लीपा-पोती कर दी और किसी दोषी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2014 के बाद इस पूरे मामले में जांच एजेंसियों ने काम किया और उसका परिणाम निकला कि सज्जन कुमार जेल में हैं और उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई है।

विनीता कुमार ने जीता मिसेस भारत-2023 का खिताब

अमन गांधी फिल्म प्रोडक्शन्स के निर्माता निर्देशक डा. महेश यादव द्वारा नई दिल्ली के वाईएमसीए सभागृह में मिस एवं मिसेस इंडिया 2023 प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें इंदौर की विनीता कुमार ने मिसेस इंडिया 2023 का खिताब जीता। साथ ही उन्हें मिसेस ग्लोरी आफ वर्ल्ड खिताब से भी सम्मानित किया गया।

विनीता होम्योपैथी चिकित्सक हैं और बचपन से नृत्य, अभिनय और मॉडलिंग के क्षेत्र में रुचि रखती हैं। वह बहुत जल्द टीवी पर टेलीकास्ट होने वाले शो डांस पावर में श्रेष्ठ आठ में स्थान प्राप्त किया है। बता दें कि विनीता सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहती हैं और 2019 की तुलिका मिसेस इंदौर की विजेता भी रही हैं। मिसेस इंडिया के लिया इनका 20 प्रतिभागियों में से चयन किया गया था। यह अपनी सफलता का श्रेय अपने पति अरविंद कुमार व अमन गांधी फिल्म प्रोडक्शन्स को देती हैं। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजमणि पटेल, तिब्बती पार्लियामेंट के पूर्व उप स्पीकर आचार्य येशी और वरिष्ठ समाजसेवी श्याम गंभीर उपस्थित रहे। मिस ग्लोरी ऑफ यूनिवर्स 2021-22 की प्रतियोगिता के लिए हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य शहरों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसमें शहर की विनीता ने यह खिताब अपने नाम किया और डा. निकिता मान ने उनके सिर पर ताज को सजाया।

भारत लौटने के बाद पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर संबोधन, बोले-

विदेश में मिला सम्मान 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं दुनिया के देशों में जाकर के, दुनिया के महापुरुषों से मिल कर के हिंदुस्तान के सामर्थ्य की बात करता हूं, हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी के Talent की चर्चा करता हूं और अवसर मिलने पर भारत के नौजवान कैसा पराक्रम कर के दिखलाते हैं... ये मैं दुनिया में जा कर बतलाता हूं। जापान, पापुआ न्यू गिनी और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा के समापन के बाद गुरुवार तड़के दिल्ली लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ। इसके बाद पीएम मोदी ने एयरपोर्ट के पास उनका स्वागत करने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज यहां जो लोग उपस्थित हैं वो मोदी जी को प्यार करने वाले लोग नहीं हैं, ये मां भारती को प्यार करने वाले लोग हैं। ये हिंदुस्तान को प्यार करने वाले लोग हैं। हिंदुस्तान का नाम रोशन होता है तो 140 करोड़ देशवासियों का जज्बा नई ऊंचाइयों को छू लेता है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं दुनिया के देशों में जाकर दुनिया के महापुरुषों से मिलकर हिंदुस्तान के सामर्थ्य की बात करता हूं, हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी के टैलेंट की चर्चा करता हूं और अवसर मिलने पर भारत के नौजवान कैसा पराक्रम करके दिखलाते हैं... ये मैं दुनिया में जाकर बतलाता हूं। उन्होंने कहा, इस यात्रा के दौरान जितना समय मुझे उपलब्ध था, उसका पल-पल मैंने देश की बात करने में, देश की भलाई के लिए निर्णय करने में अपना समय पूरी तरह से उपयोग किया।

- जब मैं यह कहता हूं कि हमारे तीर्थ क्षेत्रों पर हमले स्वीकार नहीं हैं तो दुनिया भी मेरे साथ दिखती है।
- ऑस्ट्रेलिया... आज भारत को अपना मानता है, भारत को सम्मान से देखता है और वो भारत के भविष्य के साथ अपना भविष्य जोड़ कर देखता है।
- साथियों आपको जान कर खुशी होगी कि भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के पीएम का आना हम सभी के लिए गौरव की तो बात है ही, लेकिन इतना ही नहीं, उस समारोह में पूर्व प्रधानमंत्री भी थे... विपक्ष के सांसद थे, सत्ता पक्ष के सांसद थे... सब के सब मिलजुल कर भारतीय समुदाय के इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। ये यश मोदी का नहीं है, हिंदुस्तान के पुरुषार्थ का है... 140 करोड़ हिन्दुस्तानियों के जज्बे का है।

बड़ा फैसला, धीरेंद्र शास्त्री को मिली Y कैटेगरी की सुरक्षा, आदेश जारी

पिछले दिनों धीरेंद्र शास्त्री बिहार दौरे पर थे। इस दौरान जमकर राजनीतिक बवाल भी हुआ था। बिहार में लाखों लोग धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम में पहुंचे थे। पिछले दिनों खबर थी कि धीरेंद्र शास्त्री को परिवार समेत जान से मारने की धमकी मिली थी। धमकी देने वाले शख्स का नाम अमर सिंह था।

मशहूर कथावाचक बागेश्वर धाम सरकार उर्फ धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अब उनके पास वाई कैटेगरी की सुरक्षा होगी। इस बात को

लेकर सरकार की ओर से आदेश जारी हो गई है और केंद्र से मंजूरी भी मिल गई है। आपको बता दें कि हाल के दिनों में धीरेंद्र शास्त्री काफी सुर्खियों में रहे हैं। उनके लाखों प्रशंसक है।

हालांकि कई बार उन्हें धमकी भी मिली है। इन्हीं वजह से उनके सुरक्षा बढ़ाई गई है। वाई कैटेगरी की सुरक्षा में धीरेंद्र शास्त्री के साथ एक या दो कमांडो होंगे। साथ ही साथ पुलिसकर्मियों सहित सुरक्षा घेरे में 8 जवान शामिल होंगे।

देश के आर्थिक विकास को गति देने का आधार बनेगी बढ़ती आबादी

भारत में अधिक 'युवा'

भारत में 26 फीसदी आबादी 14 वर्ष से कम उम्र की है और करीब 67 फीसदी 15 से 64 आयु वर्ग की है। इस तरह भारतीय आबादी की औसत आयु 28.4 वर्ष है जो अन्य प्रमुख देशों की तुलना में काफी कम है।

दुनिया की कुल आबादी में 1.4 अरब यानी करीब 18% हिस्सेदारी के साथ भारत असल में एक पॉवरहाउस में तब्दील हो चुका है। माना जा रहा है कि लगातार बढ़ती आबादी भारत के लिए किसी आपदा की बजाय आर्थिक विकास को गति देने वाली साबित होगी। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि एक तरफ जहां तमाम देशों की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही और पर्याप्त श्रम बल की उपलब्धता उनके लिए चुनौती बन रही है, वहीं भारतीय आबादी में दो-तिहाई से ज्यादा हिस्सेदारी कामकाजी आयु वर्ग के लोगों की है।

आंकड़ों पर गौर करें तो भारत की 1.4 अरब आबादी में से एक अरब के करीब हिस्सेदारी कामकाजी आयु वर्ग की है। अनुमान यह भी बताते हैं कि 2030 तक भारत न्यूनतम निर्भरता अनुपात (यानी 15 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग) वाला देश बन जाएगा और यह अनुपात 31.2 % होगा। 2056 तक आते-आते 15 वर्ष से कम आयु वर्ग की आबादी का अनुपात 65 वर्ष की आयु वाले लोगों की तुलना में ज्यादा हो जाएगा। औसतन अधिक युवा आबादी वाला भारत न केवल अपनी बल्कि दुनियाभर की मानव संसाधन की जरूरतों को पूरा करने वाला देश बन सकता है। इससे भारत के आर्थिक विकास को तो गति मिलेगी, बल्कि वह पूरी दुनिया के विकास में भी खासा योगदान दे सकता है।

भारत में 26 फीसदी आबादी 14 वर्ष से कम उम्र की है और करीब 67 फीसदी 15 से 64 आयु वर्ग की है। इस तरह भारतीय आबादी की औसत आयु 28.4 वर्ष है जो अन्य प्रमुख देशों की तुलना में काफी कम है। उदाहरण के तौर पर जापान में औसत आयु 48.6 वर्ष है, अमेरिका में 38.5 वर्ष और चीन में 38.4 वर्ष। यह आंकड़ा बताता है कि अन्य प्रमुख देशों की तुलना में भारत अधिक युवा है।

अगला दशक भारतीय श्रमबल के नाम होगा.. विकसित देशों की आबादी जहां तेजी से बूढ़ी हो रही है, वहीं भारत में 26 फीसदी आबादी 14 वर्ष से कम होना दर्शाता है कि अगले कुछ सालों में यहां कामकाजी आयुवर्ग की आबादी तेजी से बढ़ेगी। एक अनुमान के मुताबिक, अगले एक दशक में वैश्विक स्तर पर श्रम बल के मामले में भारतीय भागीदारी 24.3 फीसदी हो जाएगी जो, विश्व में सबसे बड़े मानव संसाधन प्रदाता के तौर पर उसकी स्थिति को और मजबूत करेगा।

भारत में सकल पंजीकरण अनुपात (जीईआर) और श्रम बल में महिला भागीदारी की दर (एलएफपीआर) दोनों के संदर्भ में नारी शक्ति बढ़ रही है। पिछले कुछ सालों के दौरान श्रम बल में महिलाओं की व्यापक हिस्सेदारी बढ़ने के संकेत हैं। उच्च शिक्षा में कुल नामांकन में 49% महिलाओं की भागीदारी इसी की पुष्टि करती है।

श्रम बल के बड़े पूल के साथ भारत न केवल घरेलू स्तर पर बल्कि दुनियाभर में कुशल और सक्षम मानव संसाधन मुहैया कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्य तौर पर कंस्ट्रक्शन, पब्लिक सर्विसेज, श्रम आधारित मैन्युफैक्चरिंग के अलावा ट्रेड, ट्रांसपोर्ट, पर्यटन और ई-कॉमर्स सेवाओं पर खास जोर है। इसके लिए सरकार की पहल पर कुशल और प्रशिक्षित श्रम बल के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

अब प्रदेश में किसानों को 6 हजार की जगह मिलेंगे 10 हजार रुपए सालाना

मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार से 6000 के जगह किसानों को 10000 रुपये देने जा रही है। इसे किसान कल्याण योजना का नाम दिया गया है। इस योजना के तहत राज्य सरकार हर साल किसानों को 10000 रुपये की यानी कि 6000 रुपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के और बाकी के 4000 रुपये किसान कल्याण योजना की मिलेंगे। किसानों को समृद्ध और सक्षम बनाने के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना। इस योजना के जरिए सरकार की ओर से हर साल किसानों को 6000 रुपये दिए जाते हैं। यह 6000 रुपये किसानों को तीन किस्त में मिलते हैं। एक किस्त में उनके पास 2000 रुपये पहुंचते हैं। अब तक किसानों को 13 किस्ते मिल चुकी हैं। किसान को अब 14वें किस्त का इंतजार हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के किसानों के लिए एक अच्छी खबर है।

मिलेंगे 10 हजार

मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की सरकार किसानों को एक और सौगात दे रही है। दरअसल, मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार से 6000 के जगह किसानों को 10000 रुपये देने जा रही है। इसे किसान कल्याण योजना का नाम दिया गया है। इस योजना के तहत राज्य सरकार हर साल किसानों को 10000 रुपये की यानी कि 6000 रुपये प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के और बाकी के 4000 रुपये किसान कल्याण योजना की मिलेंगे। इसके जरिए किसानों को कुल साल में 10000 रुपये प्राप्त होंगे जो कि 5 किस्त में मिलेंगे। शिवराज सिंह चौहान की सरकार ने 22 सितंबर 2022 को इस योजना की शुरुआत की थी। किसानों के खेती में नुकसान को देखते हुए सरकार की ओर से एक कदम उठाए गए थे। साथ ही साथ आगामी चुनाव में भाजपा सरकार को किसानों को साधने में इससे मदद मिल सकती है।

इन्हें मिलेगा फायदा

इस योजना का फायदा केवल मध्य प्रदेश के किसानों को ही मिलने जा रहा है। अगर आप इस योजना का फायदा उठाना चाहते हैं तो आपको मध्य प्रदेश का निवासी होना पड़ेगा। साथ ही साथ इस योजना का लाभ वही किसान उठा सकते हैं जो पीएम किसान योजना के लिए पहले से ही रजिस्टर है। सबसे गौर करने वाली बात तो यह है कि अगर किसी कारण से किसान सम्मान योजना का पैसा आपके खाते पर नहीं जा रहा है तो इस योजना का पैसा भी आपके खाते पर नहीं जाएगा।

महुआ से निर्मित शराब उत्पादन को पर्यावरण स्वीकृति से मिलेगी छूट

मध्य प्रदेश में महुआ से निर्मित शराब उत्पादन के लिए पर्यावरण स्वीकृति की अनिवार्यता नहीं होगी। राज्य सरकार ने हेरिटेज शराब निर्माण इकाई को इससे छूट प्रदान की है। मध्य प्रदेश के दो जिले आलीराजपुर के ग्राम कोछा ब्लाक कट्ठीवाड़ा एवं डिंडौरी के ग्राम भाखामाल ब्लाक अमरपुर में पायलट प्रोजेक्ट के रुप में हनुमान आजीविका स्वसहायता समूह एवं मां नर्मदा आजीविका स्व सहायता समूह के माध्यम से प्लांट लगाकर हेरिटेज लिकर यानि महुआ से शराब निर्मित की जा रही है।

इन दोनों ही प्लांट को पर्यावरण स्वीकृति से छूट दी गई है। वहीं हेरिटेज शराब को एक माह बाद बाजार में उपलब्ध कराने के लिए आबकारी विभाग इसकी लांचिंग करने की तैयारी कर रहा है। शराब दुकानों में भी हेरिटेज शराब का

विक्रय किया जाएगा। आलीराजपुर और डिंडौरी जिले के दोनों प्लांट में प्रदूषित सामग्री को जमीन में जाकर प्रदूषण फैलाने से रोकने के लिए निवारक संयंत्र बनाने होंगे और इसके लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनुमति भी लेना होगी, जिससे प्लांट और हेरिटेज लिकर की लागत बढ़ जाएगी। इससे बचने के लिए उपाय सुझाए गए हैं।

सीएम शिवराज ने आतंकवादियों को भी दी खुली चेतावनी

धर्मांतरण और लव जिहाद करने वालों को नहीं छोड़ेंगी सरकार

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि उनकी सरकार लव जिहाद और धर्मांतरण कराने वालों को नहीं छोड़ेगी। राजधानी भोपाल में रानी पद्मावती की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को खत्म करना उनका धर्म है। महाराणा प्रताप के नाम पर संकल्प लेकर उन्होंने कहा कि आतंकियों से लड़ने के लिए सभी इंतजाम वे करेंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और महाराणा प्रताप के वंशज भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज शक्तिशाली भारत का निर्माण हो रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ऑटोग्राफ मांगते हैं। दूसरे देशों के राजनेता सम्मान करते हैं, लेकिन कई षड्यंत्रकारी इस देश और सनातान संस्कृति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले दिनों ऐसा संगठन पकड़ा गया, जो लव जिहाद, बाद में धर्मांतरण और फिर आतंकवाद की ओर ले जाने का काम करता था। सभी पकड़ लिए गए। जेएमबी के आतंकीवादी पकड़े गए। राणा प्रताप को प्रणाम कर संकल्प लेता हूं कि ऐसे लोग किसी भी कीमत पर छोड़े नहीं जाएंगे। हम केवल आतंकवाद के खिलाफ हैं। आतंकवादियों से लड़ना, उनको समाप्त करना, यह हमारा धर्म है। हम ऐसी सारी व्यवस्थाएं बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप को आने वाली पीढ़ियां पढ़ पाएं, इसलिए पाठ्य पुस्तकों में वीरताओं की कहानियां पढ़ाई जाएंगी। भोपाल में महाराणा प्रताप, चेतक और उनके सहयोगियों का भव्य स्मारक बनाया जाएगा। सभी के जीवन-दर्शन को चित्रित किया जाएगा।

शिवराज ने कहा कि हल्दी घाटी की पवित्र माटी आज भी परम प्रतापी महाराणा प्रताप जी की गौरव गाथा बताती है। मैं इस माटी को माथे से लगाकर यह वचन देता हूं कि इसका मान, सम्मान और शान कभी कम नहीं होने दूंगा। उन्होंने महारानी पद्मावती के बारे में कहा कि भारत के शौर्य की प्रतीक हैं। ऐसी वीर राजमाता जिन्होंने स्वाभिमान और स्वधर्म की रक्षा के लिए अग्नि की लपटों में अपने आपको समर्पित कर दिया। एक ऐसा इतिहास रचा जिसकी दुनिया में कोई मिसाल नहीं मिलती।

महारानी पद्मावती की प्रतिमा का अनावरणः मुख्यमंत्री भोपाल की मनुआभान टेकरी पर महारानी पद्मावती की प्रतिमा का अनावरण भी किया। उन्होंने कहा कि मैं प्रफुल्लित हूं कि आज एक संकल्प पूरा हुआ है। मनुआभान की टेकरी को हम राजमाता महारानी पद्मावती के स्मारक के रूप में विकसित कर रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा लें।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आपने बहुत से मुख्यमंत्री देखे होंगे लेकिन शिवराज सिंह चौहान उनसे अलग हैं। शिवराज ने कभी भी घोषणाएं करने में कंजूसी नहीं की। इतिहास गवाह है कई मुख्यमंत्रियों ने घोषणा की, लेकिन उनमें से 10 प्रतिशत भी पूरी नहीं हो पाती थीं। वहीं, शिवराज ने 100 घोषणाएं की, उनमें से 95 पूरी कीं।

जयंती के उपलक्ष्य में हुए कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के वंशज महाराज कुमार डॉ लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित रहे। लक्ष्यराज सिंह अपने साथ मेवाड़ की मिट्टी लेकर आए जिसे उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भेंट किया। इस मिट्टी को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये माटी महाराणा प्रताप के शौर्य की याद दिलाएगी, कहेगी- सही दिशा में काम करें।

19 वर्ष बाद बन रहा श्रावण अधिमास का संयोग...

59 दिन का होगा सावन

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इससे पहले श्रावण अधिमास का संयोग विक्रम संवत 1847, 1966, 1985, 2004, 2015, 2023, 2042 और 2061 में बना था। इस वर्ष चातुर्मास पांच माह का होगा। आषाढ़ शुक्ल गुरुवार 29 जुलाई को देवशयनी एकादशी होगी

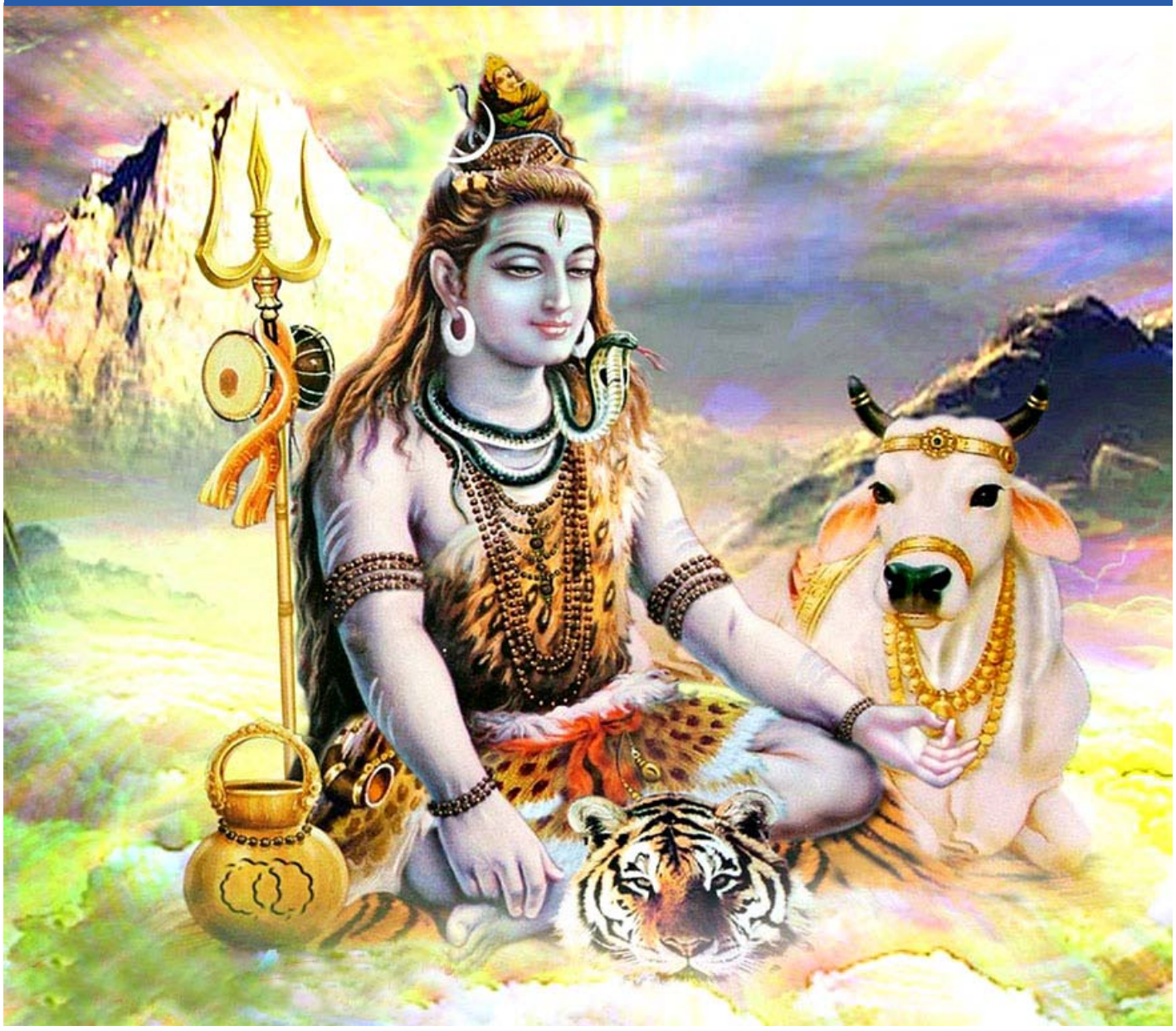

इस वर्ष श्रावण (सावन) अधिमास का संयोग 19 वर्ष बाद फिर बन रहा है। इसके चलते चातुर्मास पांच माह का होगा। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक चातुर्मास में भगवान विष्णु क्षीरसागर में शयन करेंगे। इस दौरान भगवान शिव जगत्पालन का प्रबंधन संभालते हैं। चातुर्मास की अवधि विवाह, मुंडन, कनछेदन आदि शुभ कार्यों में पांच माह का विराम रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि विक्रम संवत 2080 यानी वर्ष 2023 में 19 वर्ष के बाद श्रावण अधिमास होगा। चार जुलाई से सावन की शुरूआत होगी और 31 अगस्त को श्रावण के दो मास पूरे होंगे। अधिमास 18 जुलाई से 16 अगस्त तक रहेगा। अधिमास के आरंभ के पूर्व सोमवती अमावस्या का पर्व आएगा। अधिमास में शुभ और मांगलिक कार्यों पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसमें भवन बनाना, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठापन, कुएं-बावड़ी खनन आदि सभी बंद रहेंगे।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इससे पहले श्रावण अधिमास का संयोग विक्रम संवत 1847, 1966, 1985, 2004, 2015, 2023, 2042 और 2061 में बना था। इस वर्ष चातुर्मास पांच माह का होगा। आषाढ़ शुक्ल गुरुवार 29 जुलाई को देवशयनी एकादशी होगी। 23 नवंबर को देव प्रबोधिनी एकादशी को देव जागेंगे। इस बार सावन 59 दिन का होगा। यानि श्रावण मास दो चरणों में रहेगा। सावन के महीने का शिवभक्त इंतजार करते हैं। इस महीने में पूरा वातावरण शिवमय हो जाता है।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार शिव शक्ति का महीने सावन में दुर्लभ संयोग बन रहा है। यह दुर्लभ संयोग 19 साल बाद बन रहा है। क्योंकि सुबह शिव शक्ति का महीना एक नहीं बल्कि 2 महीने का रहने वाला होगा। सावन का महीना 4 जुलाई से प्रारंभ होकर 31 अगस्त को समाप्त होगा। ऐसे में सावन का महीना इस बार 30 दिन के बजाय 59 दिन का होगा। साथ ही इस बार मलमास का भी सावन के महीने में रहना होगा। जिसे परसोत्तम मास और अधिक मास भी कहा जाता है। इस बार सावन पहले 13 दिन यानी 4 जुलाई से 17 जुलाई तक चलेगा। इसके बाद 18 जुलाई से 16 अगस्त तक अधिक मास मलमास रहेगा। इसके बाद 17 अगस्त को फिर से सावन शुरू हो जाएगा। यानी दो चरणों में सावन का महीना मनाया जाएगा। इस बार सावन के महीने में मणि कंचन योग भी रहेगा।

प्रमुख त्योहारों की तिथियां

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि श्रावण अधिमास के चलते विभिन्न त्योहारों की तिथियों में भी बदलाव आएगा। व्रत की पूर्णिमा 1 अगस्त को रहेगी। संकष्टी चतुर्थी 4 अगस्त, पुरुषोत्तम मास का समापन 16 अगस्त को होगा। व्रत की पूर्णिमा, यजुर्वेदियों का उपाकर्म, रक्षाबंधन अगस्त माह के अंतिम दिनों में 30 अगस्त को होगा। ऋग्वेदियों का उपाकर्म 29 अगस्त को होगा। 31 अगस्त को मास का समापन होगा। आषाढ़ पूर्णिमा से 1 माह बाद रक्षाबंधन होता है। इस वर्ष 2 माह बाद रक्षाबंधन 30 अगस्त को होगा। बहनें भाइयों की कलाई पर राखी बांधने आषाढ़ पूर्णिमा के बाद दो माह का इंतजार करेंगी।

बहेगी शिव भक्ति की बयार

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस बार सावन का महीना तकरीबन दो माह का होगा। यानि हर सावन में चार या पांच सोमवार ही पड़ते थे और शिवभक्त भगवान भोले की पूजा अर्चना करते थे। लेकिन इस बार सावन में आठ सोमवार पड़ेंगे। इसलिए इस बार दो महीने तक शिव भक्ति की बयार बहती रहेगी। इस दौरान शिव जी का अभिषेक, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, गंगा जल से अभिषेक किया जाएगा। साथ ही भक्त गंगा से कावंड भरकर भी लाएंगे और शिवजी को गंगा जल अर्पित करेंगे।

नहीं होंगे शुभ कार्य

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि मलमास में विवाह जैसे कई कार्यों पर रोक रहती है। इसके अलावा नया व्यवसाय भी शुरू नहीं किया जाता। इस मास में कर्णवेध, मुंडन आदि कार्य भी वर्जित माने जाते हैं। इस बार मलमास के कारण सावन दो महीने तक रहेगा। यह संयोग 19 साल बाद आ रहा है। ऐसे में दो महीने तक भोले की भक्ति विशेष फलदायी रहेगी। सूर्य और चंद्र वर्ष के बीच के अंतराल को मलमास संतुलित करता है। इस मास में शुभ कार्यों को वर्जित माना गया है। ऐसे में गृह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ कार्य नहीं होंगे।

13वां महीना होगा मलमास

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल पंचांग गणना के अनुसार मलमास लग रहा है जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। संयोग ऐसा बना है कि मलमास सावन महीना में लगा है। जिससे अबकी बार सावन का महीना एक 59 दिनों का होगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि दो महीना इस साल सावन का माना जाएगा। ऐसे में पहला सावन का महीना जो मलमास होगा उसमें सावन से संबंधित शुभ काम नहीं किए जाएंगे। दूसरे सावन के महीने में यानी शुद्ध सावन मास में सभी धार्मिक और शुभ काम किए जाएंगे।

कब से कब तक मलमास

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल 18 जुलाई से मलमास का आरंभ हो जाएगा और फिर 16 अगस्त को मलमास समाप्त होगा। अच्छी बात यह है कि मलमास लगने से पूर्व ही सावन की शिवरात्रि 15 जुलाई को समाप्त हो जाएगी लेकिन रक्षाबंधन के लिए करना होगा लंबा इतंजार। सामान्य तौर पर सावन शिवरात्रि के 15 दिन बाद ही रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाता है लेकिन मलमास लग जाने से सावन शिवरात्रि और रक्षाबंधन में 46 दिनों का अंतर आ गया है।

सावन सोमवार

सावन का पहला सोमवार	:	10 जुलाई
सावन का दूसरा सोमवार	:	17 जुलाई
सावन का तीसरा सोमवार	:	24 जुलाई
सावन का चौथा सोमवार	:	31 जुलाई
सावन का पांचवा सोमवार	:	07 अगस्त
सावन का छठा सोमवार	:	14 अगस्त
सावन का सातवां सोमवार	:	21 अगस्त
सावन का आठवां सोमवार	:	28 अगस्त

सावन में जपें भगवान शिव के 108 नाम

शिव जी का प्रिय महीना सावन शुरू हो चुका है। 04 जुलाई से शुरू हुआ ये महीना इस बार 31 अगस्त को खत्म होगा। भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए सावन का महीना सबसे उत्तम माना गया है। इस पूरे माह में शिव जी की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

ॐ भोलेनाथ नमः
ॐ कैलाश पति नमः
ॐ भूतनाथ नमः
ॐ नंदराज नमः
ॐ नन्दी की सवारी नमः
ॐ ज्योतिलिंग नमः
ॐ महाकाल नमः
ॐ रुद्रनाथ नमः
ॐ भीमशंकर नमः
ॐ नटराज नमः
ॐ प्रलेयन्कार नमः
ॐ चंद्रमोली नमः
ॐ डमरूधारी नमः
ॐ चंद्रधारी नमः
ॐ मलिकार्जुन नमः
ॐ भीमेश्वर नमः
ॐ विषधारी नमः
ॐ बम भोले नमः

ॐ ओंकार स्वामी नमः
ॐ ओंकारेश्वर नमः
ॐ शंकर त्रिशूलधारी नमः
ॐ विश्वनाथ नमः
ॐ अनादिदेव नमः
ॐ उमापति नमः
ॐ गोरापति नमः
ॐ गणपिता नमः
ॐ भोले बाबा नमः
ॐ शिवजी नमः
ॐ शम्भु नमः
ॐ नीलकंठ नमः
ॐ महाकालेश्वर नमः
ॐ त्रिपुरारी नमः
ॐ त्रिलोकनाथ नमः
ॐ त्रिनेत्रधारी नमः
ॐ बर्फानी बाबा नमः
ॐ जगतपिता नमः

ॐ मृत्युन्जन नमः
ॐ नागधारी नमः
ॐ रामेश्वर नमः
ॐ लंकेश्वर नमः
ॐ अमरनाथ नमः
ॐ केदारनाथ नमः
ॐ मंगलेश्वर नमः
ॐ अर्धनारीश्वर नमः
ॐ नागार्जुन नमः
ॐ जटाधारी नमः
ॐ नीलेश्वर नमः
ॐ गलसर्पमाला नमः
ॐ दीनानाथ नमः
ॐ सोमनाथ नमः
ॐ जोगी नमः
ॐ भंडारी बाबा नमः
ॐ बमलेहरी नमः
ॐ गोरीशंकर नमः

ॐ शिवाकांत नमः
ॐ महेश्वराए नमः
ॐ महेश नमः
ॐ ओलोकानाथ नमः
ॐ आदिनाथ नमः
ॐ देवदेवेश्वर नमः
ॐ प्राणनाथ नमः
ॐ शिवम् नमः
ॐ महादानी नमः
ॐ शिवदानी नमः
ॐ संकटहारी नमः
ॐ महेश्वर नमः
ॐ रुंडमालाधारी नमः
ॐ जगपालनकर्ता नमः
ॐ पशुपति नमः
ॐ संगमेश्वर नमः
ॐ दक्षेश्वर नमः
ॐ घ्रेनश्वर नमः

ॐ मणिमहेश नमः
ॐ अनादी नमः
ॐ अमर नमः
ॐ आशुतोष महाराज नमः
ॐ विलवकेश्वर नमः
ॐ अचलेश्वर नमः
ॐ अभयंकर नमः
ॐ पातालेश्वर नमः
ॐ धूधेश्वर नमः
ॐ सर्पधारी नमः
ॐ त्रिलोकिनरेश नमः
ॐ हठ योगी नमः
ॐ विश्लेश्वर नमः
ॐ नागाधिराज नमः
ॐ सर्वेश्वर नमः
ॐ उमाकांत नमः
ॐ बाबा चंद्रेश्वर नमः
ॐ त्रिकालदर्शी नमः

ॐ त्रिलोकी स्वामी नमः
ॐ महादेव नमः
ॐ गढ़शंकर नमः
ॐ मुक्तेश्वर नमः
ॐ नटेषर नमः
ॐ गिरजापति नमः
ॐ भद्रेश्वर नमः
ॐ त्रिपुनाशक नमः
ॐ निर्जेश्वर नमः
ॐ किरातेश्वर नमः
ॐ जागेश्वर नमः
ॐ अबधूतपति नमः
ॐ भीलपति नमः
ॐ जितनाथ नमः
ॐ वृषेश्वर नमः
ॐ भूतेश्वर नमः
ॐ बैजूनाथ नमः
ॐ नागेश्वर नमः

आखिर क्यों हर साल क्यों भाई-बहन संग मौसी के घर जाते हैं...

भगवान जगन्नाथ?

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से जुड़ी ये बातें तो आप सभी जानते ही होंगे। लेकिन क्या आपको भगवान जगन्नाथ के अपने मौसी के घर जाने के पीछे की वजह पता है? अगर नहीं तो आज जान लीजिए-

विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर पहुंच गए हैं। 22 जून को ओडिशा के पुरी में उनकी भव्य रथ यात्रा निकाली गई। भव्य और विशालकाय रथों में विराजमान होकर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा ने पहले नगर का भ्रमण किया। फिर तीनों गुंडिचा मंदिर पहुंचे। गुंडिचा मंदिर, भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर है, जहाँ वह अपने भाई और बहन के साथ 7 दिनों तक विश्राम करेंगे। इसके बाद भगवान जगन्नाथ अपने भव्य रथ में सवार होकर वापस अपने मंदिर लौट आएंगे। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से जुड़ी ये बातें तो आप सभी जानते ही होंगे। लेकिन क्या आपको भगवान जगन्नाथ के अपने मौसी के घर जाने के पीछे की वजह पता है? अगर नहीं तो आज जान लीजिए-

गर्मी में स्नान करने की वजह से बीमार पड़ जाते हैं भगवान

हर साल, आषाढ़ (जून-जुलाई) के महीने में जब गर्मी अपने चरम पर होती है। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा के मंदिर के अंदर भी गर्मी बढ़ जाती है, जिसे भगवान बर्दास्त करने में असमर्थ हो जाते हैं। गर्मी से परेशान होकर ठंडे स्नान के लिए निकलते हैं। ये स्नान पूर्णिमा पर होता है। चिलचिलाती धूप में 108 घड़े पानी से लंबे समय तक स्नान करने के कारण भगवान बीमार पड़ जाते हैं और 15 दिनों तक आराम करते हैं। इस दौरान भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा को अनासर घर नामक एक रिकवरी कक्ष में रखा जाता है।

15 दिनों तक की जाती है भगवान की देखभाल

अनासर में वैद और पुजारी मिलकर भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा का इलाज करते हैं। इस दौरान उन्हें केवल फल और पनीर और हर्बल दवाओं के साथ मिश्रित पानी खिलाया जाता है। बीमारी में भगवान विश्राम करते हैं, इसलिए मंदिर के दैनिक अनुष्ठान उनके ठीक होने तक निलंबित रहते हैं। इस दौरान भक्तों को भगवान के दर्शन करने को नहीं मिलते हैं।

स्वादिष्ट खाना खाने जाते हैं मौसी के घर

भगवान जगन्नाथ, बलदेव और सुभद्रा जब ठीक हो जाते हैं तो वह बाहर जाकर घूमना चाहते हैं और वह अपनी मौसी गुड़िया द्वारा बनाया हुआ स्वादिष्ट भोजन खाना चाहते हैं। इसलिए बीमार पड़ने के ठीक 15 दिन बाद भगवान ठीक हो जाते हैं और नए रूप में प्रकट होते हैं। बता दें, 108 घड़ों के पानी से पवित्र स्नान के कारण भगवान पर चित्रित रंग फीके पड़ जाते हैं, इसलिए उनको नए रंगों से सजाया जाता है। इसके बाद वे जनता के दर्शन के लिए तैयार होते हैं। ठीक होने के बाद भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहनों के साथ, अपने भव्य रथ पर चढ़ते हैं और भक्तों के सामने प्रकट होते हैं। इसके बाद भगवान अपने मौसी के घर जाते हैं। भगवान के भक्तों के सामने प्रकट होने और मौसी के घर जाने के त्योहार को 'नेत्रोत्सव' या 'नव यौवनोत्सव' कहा जाता है।

अछरू माता मंदिर का चमत्कारिक कुंड...

जहां पर हर समस्या का समाधान, मां भक्तों से करती हैं संवाद

मध्य प्रदेश के निवाड़ी में अछरू माता का चमत्कारिक मंदिर है। यहां मंदिर में एक कुंड है। इस कुंड से माता रानी भक्तों के सभी सवालों का जवाब देने के साथ ही उन्हें प्रसाद भी देती हैं। यह मंदिर देशभर में काफी फेमस है।

मध्य प्रदेश के निवाड़ी में एक ऐसा चमत्कारिक मंदिर है। जिसके बारे में लोगों का कहना है कि मंदिर में मां कुंड से श्रद्धालुओं को उनकी मन्नत पूरी होने का आशीर्वाद देती है। बता दें कि यह मंदिर निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर तहसील के मडिया ग्राम पंचायत में है। इस मंदिर को अछरू माता का मंदिर कहा जाता है। कहते हैं कि मंदिर के कुंड पर आने वाले भक्तों से माता रानी खुद संवाद करती हैं। वह अफने भक्तों की फरियाद सुन उनके प्रश्नों के उत्तर भी देती हैं। मां भक्तों को यह भी बताती हैं कि उनका काम पूरा होगा भी या नहीं।

मन्नत से पहले मिलता है प्रसाद

यहां के स्थानीय लोग बताते हैं कि प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु मां अछरू माता के अद्भुत दरबार में शामिल होने के लिए पहुंचते हैं। भक्त मंदिर पहुंचकर फरियाद लगाते हैं और अपनी फरियाद सुनाते हैं। भक्त मां से अपनी मन्नत पूरी होने की गुहार लगाती हैं। वहीं माता रानी भी अपने भक्तों की मन्नत पूरी होने का आशीर्वाद देती हैं। इस मंदिर में हाजिरी लगाने वाले भक्तों का कहना है कि प्रसाद के रूप में मां भक्तों को इस अद्भुत कुंड से नींबू, दाख, गरी, फूल, जलेबी, दही और चिरौंजी के रूप में प्रसाद प्रदान करती हैं। कहा जाता है कि जिस भक्त की मनोकामना पूरी होनी होती है, उसे मां अछूरू वैसा ही प्रसाद देती हैं।

माता ने दिए थे दर्शन

अछरू माता मंदिर देश के उन मंदिरों में से एक है, जहां पर रोजाना हजारों की संख्या में भक्त मां के दरबार पहुंचते हैं। बता दें कि माता रानी के प्राकट्य की कहानी भी बेहद अनोखी है। बताया जाता है कि 500 साल पहले यादव जाति का एक चरवाहा, जिसका नाम अछरू था, वह भैंसों को चराने के लिए जंगल गया हुआ था। तभी चरवाहे की एक भैंस खो गई और चरवाहा अपनी भैंस को ढूंढते हुए परेशान हो रहा था। चरवाहा अपनी गुम हुई भैंस को खोजते-खोजते प्यासा हो उठा। इस दौरान वह आराम करने के लिए एक पेड़ के नीचे बैठ गया। तभी माता ने उस चरवाहे को कुंड से निकलकर दर्शन दिए। इसके बाद माता ने चरवाहे को कुंड से पानी पीने के लिए कहा।

बताया जाता है कि जब चरवाहे ने पानी पीने के बाद कुंड में अपनी लाठी को डाला तो वह उस कुंड में समा गई। यह देख चरवाहा हैरान हो गया। फिर माता रानी ने उसे उस स्थान की जानकारी दी। जहां पर उसकी भैंस थी। उसी जगह पर उसे उसकी लाठी भी मिल गई। यह देख चरवाहा काफी हैरान हो गया। कहते हैं कि उस दिन के बाद से चरवाहा रोजाना उस स्थान पर आकर पूजा-अर्चना करने लगा। जिसके बाद धीरे-धीरे यह बात पूरे गांव में फैलने लगी और लोग यहां आकर अपनी अर्जी लगाने लगे। वहीं मां कुंड से भक्तों के सवालों के जवाब देने लगीं।

मंदिर में चमत्कार : जिसके बाद धीरे-धीरे यह स्थान देशभर में फेमस हो गया। बाद में इस स्थान पर माता रानी का मंदिर बनवाया गया। मां का चमत्कारिक कुंड एक पहाड़ी पर स्थित है। यह हमेशा जल से भरा रहता है। कई बार बुंदेलखंड क्षेत्र में सूखे की चपेट में आया लेकिन उस कुंड का पानी हमेशा पहले की तरह ही भरा रहा। पहाड़ी स्थान होने के बाद भी कुंड का पानी कभी कम नहीं होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मां दैवीय आपदाओं का संकेत देती हैं। साथ ही कुंड में जल और प्रसाद कहां से आता है। इस बारे में भी लोगों ने पता करने का प्रयास किया, लेकिन कुछ पता नहीं लगाया जा सका।

मां सती का गिरा था आंसू

मान्यता है कि जब प्रजापति दक्ष ने यज्ञ में भगवान शिव का अपमान किया था तो उस दौरान माता सती की आंखों में आंसू आ गए थे। यह वहीं स्थान हैं, जहां पर माता सती के आंसू गिरे थे। बताया जाता है कि एक बार कुंड के आसपास सफाई की जा रही थी। तभी किसी ने लोहे की साग से कुंड में लगी काई को कुरेद कर साफ करने की कोशिश की। तभी से इस कुंड का पानी लाल हो गया था।

नवरात्रि में होता है मेले का आयोजन

मंदिर के पुजारी के अनुसार, वर्षों पहले इस स्थान की खोज करने वाले मां अछरू मैया के अनन्य भक्त अछरू परिवार के लोग ही मंदिर में पूजा-अर्चना करते हैं। वहीं चैत्र और शारदीय नवरात्रि में यहां पर बड़े स्तर पर मेले का आयोजन किया जाता है।

बेहद जरूरी हैं ये विटामिन्स, आज से ही बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा...

हमारे शरीर को सेहतमंद बनाए रहने के लिए कई तरह के विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है। कुछ विटामिन्स की कमी होने पर शरीर पर इसका असर साफ दिखने लगता है। आइए जानते हैं कि हमारे शरीर के लिए कौन-कौन से विटामिन्स जरूरी है।

सेहतमंद बने रहने के लिए हमारे शरीर को कई तरह के विटामिन्स और मिनरल्स की जरूरत होती है। वहीं कुछ विटामिन्स ऐसे भी होते हैं, जिनकी शरीर में कमी होने पर इसका असर साफ तौर पर पता चलने लगता है। वहीं विटामिन्स की कमी होने पर हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम कमजोर होने लगता है। साथ ही कई तरह के इंफेक्शन का भी खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि शरीर में विटामिन्स की कमी होने पर बोन्स, स्किन और मसल्स आदि से जुड़ी समस्याएं हमें घेर लेती हैं। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए हमें हेल्दी डाइट लेनी चाहिए। ताकि हमारे शरीर को सभी तरह के विटामिन्स मिल सकें। बता दें कि हमारे शरीर में अलग-अलग विटामिन्स की अलग भूमिका होती है। जहां कुछ विटामिन्स हड्डियों की मजबूती देते हैं, तो वहीं कुछ हमारी आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा कुछ विटामिन्स ऐसे होते हैं, जिनको हम यदि कभी-कभी अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो भी कोई दिक्कत नहीं होती है। वहीं हमारे शरीर के लिए कुछ विटामिन्स का रोजाना जरूरी होती हैं। आइए जानते हैं कि हमारे शरीर के लिए कौन-कौन से विटामिन जरूरी होते हैं।

विटामिन ए

विटामिन ए शरीर को इंफेक्शन्स से बचाने और उससे लड़ने में हमारी मदद करता है। इसके अलावा यह आंखों की रोशनी, दांतों और हड्डियों के लिए भी काफी अच्छा होता है। बता दें कि विटामिन ए हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम

को मजबूत करने का काम करता है। यह हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और किडनी की अच्छी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। ब्रोकली, पालक, शकरकंदी, गाजर, पपीता, दूध, दही, पनीर और हरी सब्जियों में विटामिन ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।

विटामिन बी

विटामिन बी हमारे शरीर और दिमाग के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी होता है। विटामिन बी की कमी से दिल और ब्रेन के इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। वहीं यह मेटाबॉलिज्म को सही रखने के लिए भी काफी आवश्यक होता है। विटामिन बी नर्वस सिस्टम को हेल्दी बनाए रखने में बेहद जरूरी होता है। विटामिन बी के लिए आप सोयाबीन, मछली, चिकन, दूध, दही, अंडा और ओट्स आदि को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

विटामिन सी

विटामिन सी हमारे शरीर की इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए बेहद जरूरी होता है। विटामिन सी रोग प्रतिरोधक क्षमता पाई जाती है। ऐसे में विटामिन सी की कमी होने पर हमारे शरीर को संक्रमण का खतरा अधिक बढ़ जाता है। वहीं यह विटामिन आयरन की कमी को दूर करने के साथ ही ब्लड प्रेशर को मैनेज करने का काम करता है। नींबू, अमरूद, आम, कीवी, ब्रोकली, आंवला, संतरा और पपीता आदि से आप विटामिन सी की कमी को पूरा कर सकते हैं।

विटामिन डी

विटामिन डी नर्वस सिस्टम को सही तरह के फंक्शन करने का काम करता है। इसके साथ ही यह बोन हेल्थ को भी सही से चलाने में सहायक होता है। बता दें कि विटामिन सी हमारे खून में फास्फोरस लेवल को मेंटेन करता है। सूरज की रोशनी, अंडा, दूध, मशरूम, सोयाबीन और मछली आदि में विडामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

छग के इस अनोखे मंदिर में हनुमान जी की नारी स्वरूप में होती है पूजा

आपने ऐसे तो देश-दुनिया में कई हनुमान मंदिर देखे होंगे। लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि एक मंदिर ऐसा है। जहां पर भगवान हनुमान की नारी स्वरूप में पूजा की जाती है। बड़ा मंगल गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। बता दें कि 30 मई यानी की आज आखिरी बड़ा मंगल मनाया जा रहा है। भगवान हनुमान के जगह-जगह पंडाल लगाए गए हैं। ऐसे में कई लोग हनुमान जी के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल में हम आपको हनुमान जी के एक अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। इस मंदिर के बारे में शायद ही आपको जानकारी होगी। बता दें कि छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से 25 किमी दूर रतनपुर में हनुमान जी का अनोखा मंदिर स्थित है। जहां पर हनुमान जी की नारी स्वरूप में पूजा की जाती है। आइए जानते हैं भगवान हनुमान के नारी स्वरूप के बारे में...

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से दूर रतनपुर के गिरजाबंध में यह अनोखा मंदिर स्थित है। बता दें कि यह हनुमान जी का इकलौता ऐसा मंदिर हैं, जहां पर उनकी नारी स्वरूप में पूजा की जाती है। यहां के लोग बताते हैं कि दूर-दूर से भक्त इस मंदिर में अपनी मन्नतें लेकर आते हैं। वहीं भगवान भी अपने भक्तों की हर इच्छा को जरूर पूरा करते हैं।

जानिए क्या है कथा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस मंदिर की स्थापना उस समय के राजा पृथ्वी देवजू ने की थी। बताया जाता है कि एक बार राजा पृथ्वी को कुष्ठ रोग हो गया था। उसको सही करने के लिए राजा ने तमाम वैद्य-हकीमों की मदद ली। लेकिन उनका कुष्ठ रोग सही नहीं हुआ। जिसके बाद उनको एक ज्योतिष ने हनुमान जी की उपासना करने की सलाह दी। राजा ने ज्योतिष की बात मानकर हनुमान जी की कठिन उपासना शुरू कर दी। राजा की भक्ति देख हनुमान जी ने राजा को स्वप्न में दर्शन दिए।

मंदिर बनवाने का दिया स्वप्न

हनुमान जी ने राजा को स्वप्न में उनका मंदिर बनवाने और उसके पास में एक सरोवर खुदवाने के लिए कहा। कहते हैं कि हनुमान जी ने राजा से कहा कि यदि वह उस सरोवर में स्नान करेंगे। तो राजा के सभी कष्ट दूर हो जाएंगे। जिसके बाद राजा ने उस स्वप्न का मान रखते हुए एक मंदिर का निर्माण करवाया और उसके पास एक सरोवर खुदवाया। इसी सरोवर में स्नान करने से राजा का कुष्ठ रोग ठीक हो गया था।

राजा को फिर आया सपना

इस घटना के बाद हनुमान जी ने राजा को फिर स्वप्न दिया। हनुमान जी ने सरोवर के पास अपनी दबी हुई प्रतिमा के बारे में बताया। हनुमान जी ने उस प्रतिमा को मंदिर में स्थापित करवाने के लिए कहा। जब राजा ने सरोवर के पास प्रतिमा की खोज करवाई तो देखा कि हनुमान जी की नारी स्वरुप में प्रतिमा दबी हुई थी। जिसे बाद में मंदिर में स्थापित करवाया गया। यहां भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है।

अनोखी है मंदिर की मूर्ति

राजा पृथ्वी देवजू को सरोवर के पास मिली इस मूर्ति बेहद खास है। बता दें कि इस मूर्ति का मुंह दक्षिण की ओर है और मूर्ती में पाताल लोक का चित्र भी बना हुआ है। इसके अलावा हनुमान जी को रावण के पुत्र अहिरावण का संहार करते हुए दिखाया गया है। जहां हनुमान जी के एक पैर के नीचे अहिरावण तो वहीं दाएं पैर के नीचे कसाई दबा हुआ है। साथ ही उनके कंधो पर श्रीराम और लक्ष्मण जी की झलक भी देखने को मिलती है। हनुमान जी के एक हाथ में लड्डू की थाली और दूसरे हाथ में माला है।

बालों के झड़ने से हैं परेशान तो जरूर अपनाएं ये नुस्खे

गर्मी के मौसम में हर कोई धूप और लू आदि से परेशान रहता है। वहीं गर्मी में पसीने के कारण बालों को भी बहुत नुकसान होता है। गर्मियों में बालों को खास देखभाल की जरूरत होती है। इन घरेलू नुस्खों से आपके बाल हेल्दी और शाइनी लगेंगे। गर्मियों के मौसम में हर कोई चिलचिलाती धूप और लू से परेशान रहता है। गर्मी में पसीने और धूप के कारण कई स्किन से जुड़ी परेशानियां भी होने लगती हैं। गर्मी के अक्सर बच्चों से लेकर बड़ों तक को घमोरियां और रैशेज आदि होने लगते हैं। वहीं ज्यादा पसीने के कारण बालों को भी काफी नुकसान होता है और बात तेजी से झड़ने लगते हैं। वहीं बालों के टूटने की समस्या से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। बालों को टूटने से बचाने के लिए कई महंगे प्रोडक्ट और दवाइयां तक खाते हैं। लेकिन इनका भी बालों पर कोई खास असर देखने को नहीं मिलता है। आज इस आर्टिकल के जरिए गर्मियों में बालों को मजबूत रखने के लिए आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन घरेलू उपायों की मदद से आपके बाल झड़ना कम हो जाता है। आइए जानते हैं इन घरेलू नुस्खों के बारे में...

ऐसे इस्तेमाल करें एलोवेरा

एलोवेरा के फायदे के बारे में तो आप सभी जानते हैं। एलोवेरा न सिर्फ स्किन बल्कि बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। एलोवेरा में कई तरह के पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो बालों को लाभ पहुंचाते हैं। अगर आप भी बालों में एलोवेरा लगाएंगे तो इससे बालों का झड़ना कम हो जाएंगा। बालों में एलोवेरा को लगाकर 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद फिर नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। अगर आप चाहें तो एलोवेरा में नारियल तेल भी मिला सकती हैं।

नारियल तेल

जिस तरह से सर्दियों में नारियल का तेल हमारी स्किन फायदा पहुंचाता है। उसी तरह से नारियल तेल हमारे बालों को भी फायदा पहुंचाता है। नारियल का तेल बालों में लगाने व स्कैल्प पर मालिश करने से आपके बालों को मजबूती मिलेगी।

अंडे और जैतून का तेल

अंडे और जैतून का तेल मिलाकर बालों में लगाने से बाल मजबूत होते हैं। यह झड़ते बालों को रोकने का रामबाण इलाज है। इसको बालों में लगाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में अंडा और एक बड़ा चम्मच जैतून का तेल मिल लें। फिर इसे बालों में 30 मिनट के लिए अप्लाई कर लें। इसके बाद नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। ऐसा करने से आपको कुछ ही दिनों में साफ फर्क नजर आएगा।

मेथी

अगर आपके बाल भी तेजी से झड़ रहे हैं तो मेथी आपको इससे निजात दिला सकता है। इसके लिए आप मेथी को रातभर के लिए भिगो दें। फिर अगली सुबह मेथी को पीस लें। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प पर लगा लें। सप्ताह में दो बार मेथी का इस तरह से इस्तेमाल करने से आपको जबरदस्त फायदा देखने को मिलेगा।

भारत ने पाकिस्तान को हराकर जूनियर एशिया कप खिताब जीता...

भारत के लिये अंगद बीर सिंह ने 12वें मिनट में, अराइजीत सिंह हुंडल ने 19वें मिनट में गोल दागे जबकि भारत के पूर्व मुख्य कोच रोलैंट ओल्टमेंस की कोचिंग वाली पाकिस्तानी टीम के लिये एकमात्र गोल 37वें मिनट में बशारत अली ने किया।

सालालाह। भारतीय जूनियर पुरूष हॉकी टीम ने बृहस्पतिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2 . 1 से हराकर चौथी बार जूनियर एशिया कप खिताब जीत लिया। आठ साल बाद हो रहे इस टूर्नामेंट को देखने के लिये भारी तादाद में भारत और पाकिस्तान के प्रशंसक जुटे थे। आखिरी क्षणों में पाकिस्तान ने काफी आक्रामक हॉकी दिखाई लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एच एस की अगुवाई में रक्षापंक्ति ने उनके हर वार को नाकाम कर दिया। भारत के लिये अंगद बीर सिंह ने 12वें मिनट में, अराइजीत सिंह हुंडल ने 19वें मिनट में गोल दागे जबकि भारत के पूर्व मुख्य कोच रोलैंट ओल्टमेंस की कोचिंग वाली पाकिस्तानी टीम के लिये एकमात्र गोल 37वें मिनट में बशारत अली ने किया।

भारत ने 2004, 2005 और 2015 के बाद यह खिताब चौथी बार जीता है जबकि पाकिस्तान 1987, 1992 और 1996 में चैम्पियन रह चुका है। दोनों टीमें इससे पहले तीन बार जूनियर पुरूष हॉकी एशिया कप के फाइनल में भिड़ चुकी हैं। पाकिस्तान ने 1996 में जीत दर्ज की जबकि 2004 में भारत विजयी रहा। भारत ने पिछली बार मलेशिया में खेले गए टूर्नामेंट में पाकिस्तान को 6 . 2 से हराकर खिताब जीता था। इस बार टूर्नामेंट आठ साल बाद हो रहा है। कोरोना महामारी के कारण 2021 में इसका आयोजन नहीं हुआ था। भारत ने आक्रामक शुरूआत करके पाकिस्तानी गोल पर पहले ही क्वार्टर में कई हमले बोले। भारत को 12वें मिनट में पहली कामयाबी अंगद बीर ने दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भी गेंद पर नियंत्रण के मामले में भारत का ही दबदबा रहा।

भारतीय फॉरवर्ड पंक्ति के शानदार मूव को अराइजीत ने फिनिशिंग देते हुए 19वें मिनट में दूसरा फील्ड गोल दागा। टूर्नामेंट में यह उनका आठवां गोल था। हाफटाइम से पहले पाकिस्तान के शाहिद अब्दुल ने सुनहरा मौका बनाया लेकिन गोल के सामने से उनके शॉट को भारतीय गोलकीपर मोहित एच एस ने पूरी मुस्तैदी से बचाया। दूसरे हाफ में पाकिस्तानी टीम ने आक्रामक वापसी की और इसका फायदा उसे तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में मिला जब शाहिद अब्दुल ने सर्कल के भीतर से भारतीय डिफेंडरों को छकाते हुए गोल के दाहिनी ओर खड़े बशारत को गेंद सौंपी और उन्होंने भारतीय गोलकीपर को चकमा देकर गोल कर दिया।

पाकिस्तान को 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन टीम बराबरी का गोल नहीं कर सकी। वहीं चार मिनट बाद लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। भारत और पाकिस्तान दोनों टूर्नामेंट में अपराजेय रहे हैं।

पहलवानों के लिये इंसाफ चाहते हैं लेकिन कानूनी प्रक्रिया के जरिये : ठाकुर

केंद्रीय खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को कहा कि हर कोई चाहता है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे पहलवानों को इंसाफ मिले लेकिन यह कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही संभव है। ठाकुर के इस बयान से दो दिन पहले एक महीने से अधिक समय से धरने पर बैठे शीर्ष पहलवानों ने अपने पदक हरिद्वार में गंगा नदी में बहाने की धमकी दी थी। ठाकुर ने टाइम्स नेटवर्क द्वारा आयोजित आर्थिक सम्मेलन में एक प्रश्न उत्तर सत्र में कहा ,'' सरकार भी निष्पक्ष जांच चाहती है। हम सभी चाहते हैं कि न्याय मिले लेकिन इसके लिये कानूनी प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना होगा।''

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस मामले की जांच कर रही है जो भाजपा सांसद बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर सरकार द्वारा नियुक्ति समिति की रिपोर्ट के बाद दर्ज किया गया था। यह पूछने पर कि आरोपी भाजपा सांसद होने की वजह से क्या कार्रवाई में विलंब हो रहा है, उन्होंने कहा ,'' पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं है। हम सभी जांच जल्दी पूरी होने के पक्ष में हैं।''

ठाकुर ने कहा कि सरकार ने पहलवानों की हर बात मानी और आरोपों की जांच के लिये समिति का भी गठन किया जिसमें उनके कहने पर सदस्य जोड़े गए। इसके अलावा भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के कामकाज के संचालन के लिये प्रशासकों की समिति का गठन किया। उन्होंने कहा ,'' कोई भी खिलाड़ी हो या महिला हो, अगर कोई अत्याचार हुआ है तो उसे जल्दी इंसाफ मिलना चाहिये। पहलवानों का जो मामला है , वह सात साल पुराना है और जनवरी में हमने उनसे पूछा भी था कि कोई एफआईआर दर्ज करनी है तो उन्होंने कहा था कि वे सिर्फ सरकार का दखल चाहते हैं।

सारे गिले-शिकवे मिटा कर फिर साथ आए अक्षय कुमार और रवीना टंडन

90 के दशक की हिट जोड़ी, अक्षय कुमार और रवीना टंडन हाल ही में एक कार्यक्रम में फिर से मिले। दोनों ने मंच भी साझा किया। स्टेज पर रवीना ने अक्षय को एक पुरस्कार प्रदान किया। अक्षय कुमार और रवीना टंडन 90 के दशक की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक थे। 90 के दशक की हिट जोड़ी, अक्षय कुमार और रवीना टंडन हाल ही में एक कार्यक्रम में फिर से मिले। दोनों ने मंच भी साझा किया। स्टेज पर रवीना ने अक्षय को एक पुरस्कार प्रदान किया। अक्षय कुमार और रवीना टंडन 90 के दशक की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक थे। वे अपनी हॉट केमिस्ट्री से स्क्रीन पर आग लगा देते थे। रील लाइफ का प्यार रियल लाइफ में भी शुरू हो गया था। दोनों एक रिश्ते में भी थे और कहा जाता था कि उनकी सगाई भी हो गयी थी। हालाँकि बाद में कुछ निजी कारणों

से सगाई टूट गयी। काफी तनाव भरा समय था। रवीना ने अक्षय के साथ रिश्तों को लेकर अपना दर्द कई बार साधा भी किया। सगाई टूटने के बाद दोनों को साथ नहीं देखा गया। वे दोस्त बने हुए हैं। अब, हाल ही में एक अवार्ड शो में, अक्षय और रवीना दोनों ने मंच साझा किया।

शहर में एक कार्यक्रम में अक्षय कुमार और रवीना टंडन को आमंत्रित किया गया था। अवॉर्ड शो में रवीना शांतनु निखिल की ड्रेस में नजर आईं, अक्षय ने स्ट्रीट कॉट्योर में धमाल मचाया। पुरस्कार समारोह के दौरान अक्षय ने एक पुरस्कार जीता और यह कोई और नहीं बल्कि रवीना थीं जिन्होंने उन्हें यह पुरस्कार दिया। दोनों ने मंच साझा किया। एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें उन्हें साथ बैठे देखा जा सकता है। रवीना-अक्षय गति पकड़ने में व्यस्त हैं और ऐसा लग रहा है कि अभिनेत्री अपने मोहरा को-स्टार को पहनी हुई हील्स भी दिखा रही हैं।

सामंथा रूथ ने खरीदा खूबसूरत बंगला

सामंथा रुथ प्रभु ने एक और शानदार संपत्ति के लिए एक और शानदार संपत्ति खरीदी है। जिसकी डीट आपकी आंखें बाहर निकाल देगी! समांथा एक और आलीशान घर की मालकिन हैं। सामंथा रुथ प्रभु भारत में सबसे चर्चित सितारों में से एक हैं और सबसे लोकप्रिय भारतीय अभिनेत्री हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में शाकुंतलम में देखा गया था। वह अब कुशी एंड सिटाडेल इंडियन चैप्टर के लिए कमर कस रही है जो एक एक वेब सीरीज है। समांथा कई परियोजनाओं के साथ अपने पेशेवर जीवन में काफी व्यस्त हैं। उनके काम करने और उनके स्वास्थ्य के मुद्दों की खबरों के बीच, समांथा रुथ प्रभु ने एक अच्छी खबर बनाई है। यशोदा अभिनेत्री ने महलनुमा संपत्ति का एक और टुकड़ा खरीदा है। रिपोर्ट्स की मानें तो सैम ने इसके लिए काफी रकम खर्च की है।

सामंथा रुथ प्रभु देश के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। डीएनए की एक रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री की कुल संपत्ति 89 करोड़ रुपये है। और अब, इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा गया है कि समांथा ने हैदराबाद में एक शानदार 3 बीएचके अपार्टमेंट खरीदा है। एक मनोरंजन समाचार पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, घर 7944 वर्ग फुट के क्षेत्र में आता है। डुप्लेक्स की पहली मंजिल में 3,920 वर्ग फुट है जबकि ऊपर की मंजिल में 4,024 वर्ग फुट है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अपार्टमेंट जयभेरी ऑरेंज काउंटी में स्थित है जो नानकरामगुडा में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि समुदाय बहुत प्रसिद्ध और अत्यधिक सुरक्षित है। समांथा रुथ प्रभु का नया भव्य निवास सुंदर डिजाइन वाला कहा जाता है जो लालित्य और आधुनिक सुविधाओं का मिश्रण है।

सामंथा रुथ प्रभु की अन्य संपत्तियां : रिपोर्ट्स की मानें तो समांथा के पास पहले से ही जुबली हिल में एक आलीशान बंगला है, जिसकी कीमत करीब 100 करोड़ रुपये बताई जाती है। दूसरी ओर, समांथा के पास मुंबई में एक अपार्टमेंट भी है, जिसकी कीमत 15 करोड़ रुपये है। वर्कफ्रंट की बात करें तो समांथा रुथ प्रभु को आखिरी बार शाकुंतलम में देखा गया था। गुनशेखर निर्देशित फिल्म जिसमें देव मोहन ने भी अभिनय किया था, बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। दिग्गज निर्माता चिट्टी बाबू ने समांथा की खिंचाई की थी और दावा किया था कि अभिनेत्री को सहायक भूमिकाओं का सहारा लेना चाहिए क्योंकि वह अब स्टार या नायिका नहीं हैं।

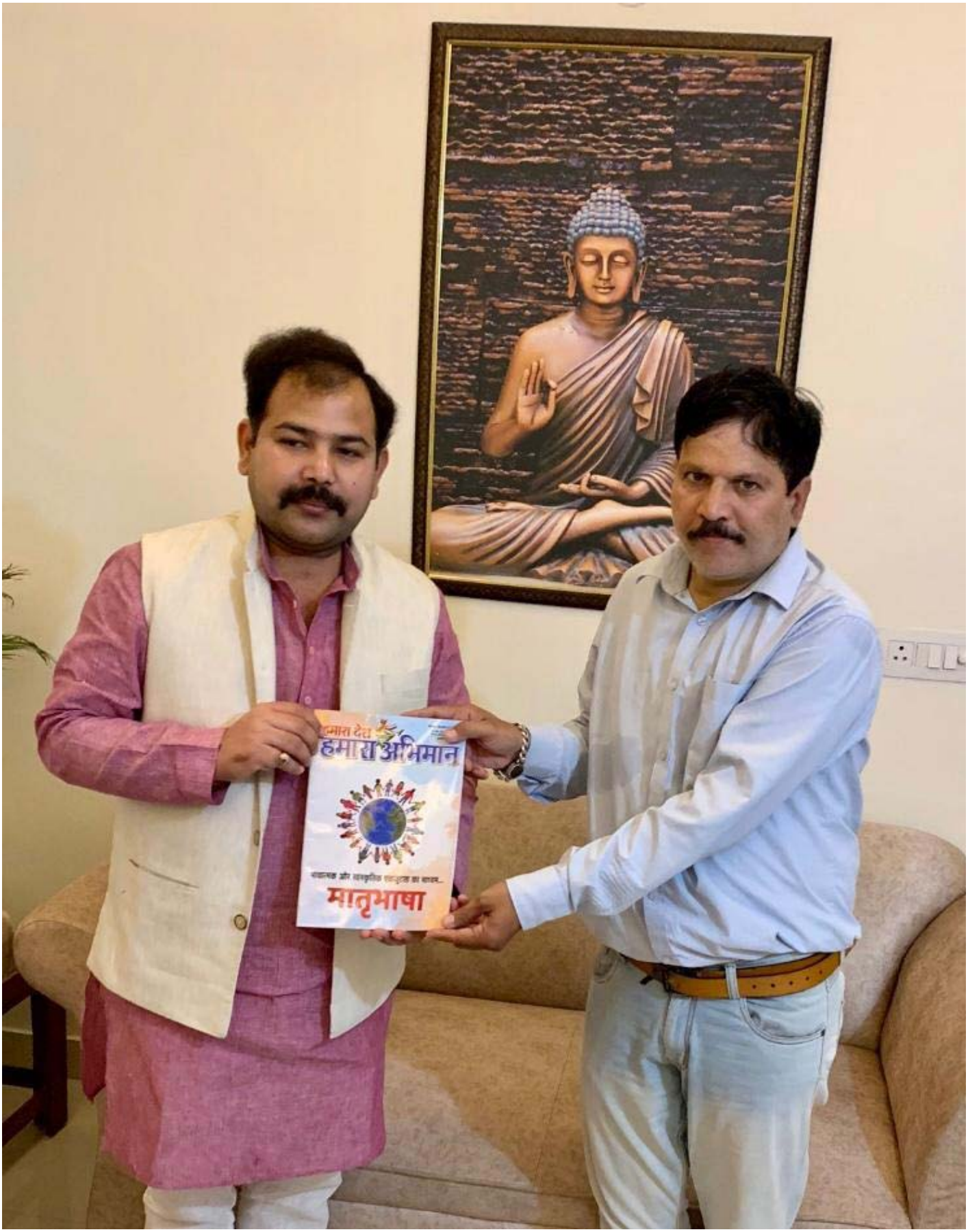

भारती हॉकी फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री देवेन्द्र सिंह तोमर 'रामू भैया' ने की 'हमारा देश हमारा अभिमान' मासिक पत्रिका की तारीफ साथ ही उन्होंने कहा कि ,पत्रिका अपने नाम के अनुसार ही कार्य करते हुए अपना एक अलग मुकाम हासिल करेगी यह बात पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी से चर्चा करते हुए कहाँ ।

सावन में जपें भगवान शिव के 108 नाम

शिव जी का प्रिय महीना सावन शुरू हो चुका है। 04 जुलाई से शुरू हुआ ये महीना इस बार 31 अगस्त को खत्म होगा। भोले बाबा को प्रसन्न करने के लिए सावन का महीना सबसे उत्तम माना गया है। इस पूरे माह में शिव जी की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

ॐ भोलेनाथ नमः
ॐ कैलाश पति नमः
ॐ भूतनाथ नमः
ॐ नंदराज नमः
ॐ नन्दी की सवारी नमः
ॐ ज्योतिलिंग नमः
ॐ महाकाल नमः
ॐ रुद्रनाथ नमः
ॐ भीमशंकर नमः
ॐ नटराज नमः
ॐ प्रलेयन्कार नमः
ॐ चंद्रमोली नमः
ॐ डमरूधारी नमः
ॐ चंद्रधारी नमः
ॐ मलिकार्जुन नमः
ॐ भीमेश्वर नमः
ॐ विषधारी नमः
ॐ बम भोले नमः

ॐ ओंकार स्वामी नमः
ॐ ओंकारेश्वर नमः
ॐ शंकर त्रिशूलधारी नमः
ॐ विश्वनाथ नमः
ॐ अनादिदेव नमः
ॐ उमापति नमः
ॐ गोरापति नमः
ॐ गणपिता नमः
ॐ भोले बाबा नमः
ॐ शिवजी नमः
ॐ शम्भु नमः
ॐ नीलकंठ नमः
ॐ महाकालेश्वर नमः
ॐ त्रिपुरारी नमः
ॐ त्रिलोकनाथ नमः
ॐ त्रिनेत्रधारी नमः
ॐ बर्फानी बाबा नमः
ॐ जगतपिता नमः

ॐ मृत्युन्जन नमः
ॐ नागधारी नमः
ॐ रामेश्वर नमः
ॐ लंकेश्वर नमः
ॐ अमरनाथ नमः
ॐ केदारनाथ नमः
ॐ मंगलेश्वर नमः
ॐ अर्धनारीश्वर नमः
ॐ नागार्जुन नमः
ॐ जटाधारी नमः
ॐ नीलेश्वर नमः
ॐ गलसर्पमाला नमः
ॐ दीनानाथ नमः
ॐ सोमनाथ नमः
ॐ जोगी नमः
ॐ भंडारी बाबा नमः
ॐ बमलेहरी नमः
ॐ गोरीशंकर नमः

ॐ शिवाकांत नमः
ॐ महेश्वराए नमः
ॐ महेश नमः
ॐ ओलोकानाथ नमः
ॐ आदिनाथ नमः
ॐ देवदेवेश्वर नमः
ॐ प्राणनाथ नमः
ॐ शिवम् नमः
ॐ महादानी नमः
ॐ शिवदानी नमः
ॐ संकटहारी नमः
ॐ महेश्वर नमः
ॐ रुंडमालाधारी नमः
ॐ जगपालनकर्ता नमः
ॐ पशुपति नमः
ॐ संगमेश्वर नमः
ॐ दक्षेश्वर नमः
ॐ घ्रेनश्वर नमः

ॐ मणिमहेश नमः
ॐ अनादी नमः
ॐ अमर नमः
ॐ आशुतोष महाराज नमः
ॐ विलवकेश्वर नमः
ॐ अचलेश्वर नमः
ॐ अभयंकर नमः
ॐ पातालेश्वर नमः
ॐ धूधेश्वर नमः
ॐ सर्पधारी नमः
ॐ त्रिलोकिनरेश नमः
ॐ हठ योगी नमः
ॐ विश्लेश्वर नमः
ॐ नागाधिराज नमः
ॐ सर्वेश्वर नमः
ॐ उमाकांत नमः
ॐ बाबा चंद्रेश्वर नमः
ॐ त्रिकालदर्शी नमः

ॐ त्रिलोकी स्वामी नमः
ॐ महादेव नमः
ॐ गढ़शंकर नमः
ॐ मुक्तेश्वर नमः
ॐ नटेपर नमः
ॐ गिरजापति नमः
ॐ भद्रेश्वर नमः
ॐ त्रिपुनाशक नमः
ॐ निर्जेश्वर नमः
ॐ किरातेश्वर नमः
ॐ जागेश्वर नमः
ॐ अबधूतपति नमः
ॐ भीलपति नमः
ॐ जितनाथ नमः
ॐ वृषेश्वर नमः
ॐ भूतेश्वर नमः
ॐ बैजूनाथ नमः
ॐ नागेश्वर नमः